Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 03 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 312 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

अगर आप किसी काम में खुद को दक्ष नहीं बनायेंगे, तो आपके लिए धन कमाना बहुत मुश्किल होगा।

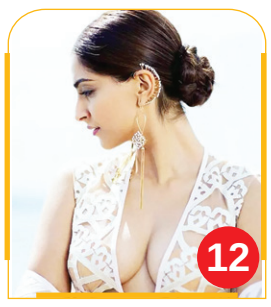

कपड़ों को एक बार पहनने में विश्वास न करें...

SHARE

सेंसेक्स	:	67,481.19
निफ्टी	:	20,267.90

SARAFA

सोना	:	6,000
चांदी	:	83.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

लद्दाख में 3.4 की तीव्रता का भूकंप

LADAKH : लद्दाख में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए । भूकंप की तीव्रता कम होने के चलते किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर लद्दाख में रिक्टर पैमाने पर 3.4 की तीव्रता के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई में आया, जिसका अक्षांश 35.44 और लंबाई 77.36 है।

साहिबगंज में डूबने से दो बच्चों की मौत

SAHIBGANJ : उधवा प्रखंड के राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत के बाघपिंजरा गांव में एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गयी। बताया जाता है कि फि रदौस आलम के दो बच्चे रिजवान शेख (5) और फैजान शेख (3) शनिवार को पतौड़ा झील के किनारे पानी से भरे गड्ढे में डूब गये, जिससे दोनों की मौत हो गई। प्रतिदिन की तरह गांव के ही कुछ बच्चे एक साथ थोड़ी ही दूर झील किनारे खेलने गये थे। इसी बीच छोटा बच्चा गड्ढे में डूब गया। उसे बचाने के लिए बड़ा भाई भी गड्ढे में कूद गया, जिससे डूबने से दोनों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मृतक के ही पांच वर्षीय चचेरे भाई ने उसकी मां हबीबा बीबी को दी। उसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में गड्ढे से निकलकर दोनों को एक निजी क्लीनिक में ले गए, जहां डॉक्टरों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। दोनों बच्चों का मुस्लिम रीति-रिवाज से कफन दफन किया गया।

माइचौंग तूफान का झारखंड में भी दिखेगा असर

RANCHI : अगले 48 घंटों में भारत में तूफान आने की संभावना है। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव के क्षेत्र के बीच कई तटीय क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा गया है। पूर्वोत्तर राज्यों में आए चक्रवाती तूफान मिधिली के बाद अब बंगाल की खाड़ी में एक और तूफान बढ़ रहा है। इससे लेकर मौसम विभाग ने कहा कि एक और चक्रवाती तूफान आने वाला है। यह इस साल का चौथा तूफान होगा, और इसके भारत, बांग्लादेश और म्यांमार तक अपना असर छोड़ने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान को माइचौंग नाम दिया गया है। 3 दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके बाद, यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और 4 दिसंबर की शाम के आसपास चक्रवाती तूफान के रूप में चेन्नई और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश और आसपास के उत्तरी तमिलनाडु तटों को पार करेगा।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना विस चुनाव : आज होगी वोटों की काउंटिंग

कौन मारेगा चौका, कौन होगा बोल्ड?

MP, राजस्थान, CG में बीजेपी व कांग्रेस के बीच टक्कर, तेलंगाना में BRS मुकाबले में

AGENCY NEW DELHI : मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में नई सरकार बनने वाली है। इन पांच राज्यों की 675 विधानसभा सीटों के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। रविवार को सिर्फ चार राज्यों के 635 सीटों पर ही वोटों की गिनती होगी। मिजोरम के उम्मीदवारों के फैसला अब 4 दिसंबर को होगा। राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटें हैं, मगर वहां कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के बाद 199 सीटों पर ही मतदान हुआ। एग्जिट पोल के नतीजों के अनुसार, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला है, जबकि राजस्थान में बीजेपी का पलड़ा भारी है। हिंदी प्रदेश के तीन राज्यों में 519 सीटों पर फैसला होना है। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, 119 विधानसभा वाली तेलंगाना में कांग्रेस ने बढ़त ली है। निर्वाचन आयोग मतगणना की तैयारियां पूरी कर चुका है। वोटों की गिनती रविवार सुबह सात बजे शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट गिने जाएंगे। इसके बाद सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों के सामने ईवीएम से मतगणना शुरू होगी। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है और केवल वैध पास रखने वाले लोगों को ही मतगणना केंद्रों में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि मप्र की 230 विधानसभा सीटों की गिनती 52 जिला मुख्यालयों पर होगी। राजस्थान में राज्य भर में मतपत्रों की गिनती के लिए 979 टेबलों की व्यवस्था की गई है। छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित जिलों समेत राज्य के 33 जिलों के सभी मतगणना केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। तेलंगाना में 119 सीटों पर हुए मतदान के बाद मतगणना के लिए कड़े प्रबंध किए गए हैं।

- रविवार सुबह सात बजे से मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में शुरू होगी वोटों की गिनती
- सबसे पहले बैलेट वोट गिने जाएंगे, सुबह 8 बजे से आने लगेगा चार राज्यों से नतीजों की शुरूआती रुझान
- मिजोरम के उम्मीदवारों के फैसला 4 दिसंबर को होगा

एमपी में कमलनाथ दोबारा हासिल कर पाएंगे सत्ता या चौहान के सिर होगी ताज

लोगों की नजरें **मध्यप्रदेश** विधानसभा चुनाव के नतीजों पर टिकी हैं। 17 नवंबर को मध्यप्रदेश की 230 सीटों पर वोटिंग हुई थी। सवाल यह है कि क्या कमलनाथ तीन साल पहले छीनी गई सत्ता दोबारा हासिल करेंगे या शिवराज सिंह चौहान की लाडली बहना उन्हें फिर से सीएम की कुर्सी सौंपेगी। विधानसभा चुनाव 2023 में मध्यप्रदेश की जनता ने 66 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। एमपी में इस बार रिकॉर्ड 76.22 प्रतिशत मतदान हुआ। 30 नवंबर को आए एग्जिट पोल ने इशारा दिया कि मध्यप्रदेश में मामला एकतरफा नहीं है। कांग्रेस और बीजेपी के बीच कांटे की टक्कर है। ग्वालियर-चंबल संभाग की 34 सीटों के नतीजे 2018 की तरह नहीं होंगे। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को इस बेल्ट में एकतरफा जीत मिली थी। तब कांग्रेस को 26 और बीजेपी को सिर्फ सात सीटें मिली थीं। 2018 के चुनाव के बाद कांग्रेस ने पहले सरकार बनाई थी, मगर 19 महीने बाद ही ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के बाद सत्ता बदल गई थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी दोनों पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर हुई थी। तब कांग्रेस को 40.89 फीसदी वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 41 फीसदी वोट मिले थे।

शिवराज सिंह (भाजपा)

कमलनाथ (कांग्रेस)

- 2023 चुनाव में एमपी की जनता ने 66 साल का तोड़ दिया रिकॉर्ड
- इस बार रिकॉर्ड 76.22% हुआ मतदान
- एग्जिट पोल में दोनों के बीच कांटे की टक्कर

क्या राजस्थान में बदलेगा रिवाज, 10 में से 7 एग्जिट पोल में बीजेपी आगे

वसुंधरा राजे (भाजपा)

अशोक गहलोत (कांग्रेस)

- कांग्रेस का दावा- इस बार परंपरा बदलेगी
- बीजेपी पहली बार बिना किसी सीएम फेस के चुनाव में उतरी
- राज्य में पहली बार 75.45 फीसदी मतदान

200 सदस्यों वाली **राजस्थान** विधानसभा में बहुमत हासिल करने वाली पार्टी को 101 के मैजिक नंबर को हासिल करना है। श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर के कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण 25 नवंबर को 199 सीटों पर मतदान हुआ। दो दशकों से राजस्थान में सीएम की कुर्सी बीजेपी और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही है। कांग्रेस के दोनों नेताओं सचिन पायलट और अशोक गहलोत ने दावा किया है कि इस बार परंपरा बदलेगी। कांग्रेस सरकार में वापस लौटेगी। भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद है कि परंपरा कायम रहेगी और राजस्थान में सरकार बदलेगी। यहां 25 नवंबर को वोट डाले गए थे। राजस्थान में भी बंपर वोटिंग हुई। राज्य में पहली बार 75.45 फीसदी मतदान हुआ, मगर लोगों की नजरें मतगणना के बाद आने वाले नतीजे पर टिकी हैं। राजस्थान में वोटिंग के बाद दस एजेंसियों ने एग्जिट पोल के आंकड़े जारी किए। इनमें सात ने बीजेपी को बहुमत मिलने का दावा किया। एग्जिट पोल के अनुसार, बीजेपी को मेवाड़, मारवाड़ और हड़ौती में ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। ढूंढाड़ और शेखावटी में कांग्रेस फायदे में रहेगी।

छग में बीजेपी की सीटें बढ़ेंगी मगर बघेल भी बहुमत के लिए कॉन्फिडेंट

छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही मुकाबला है। 2018 में करीब 15 साल बाद कांग्रेस राज्य की सत्ता में लौटी। बीजेपी बिना सीएम के चेहरे के छत्तीसगढ़ के मुकाबले में उतरी है, जबकि कांग्रेस का नेतृत्व सीएम भूपेश बघेल कर रहे हैं। भूपेश बघेल अगर दूसरी बार कांग्रेस की सरकार बनाने में सफल होते हैं तो उनका कद छत्तीसगढ़ में बढ़ेगा। चुनाव की घोषणा होने के बाद से ही ओपिनियन पोल्स में कांग्रेस का पलड़ा भारी रहा। मगर वोटिंग के बाद नतीजे से पहले हुए एग्जिट पोल में बीजेपी भी मुकाबले में खड़ी दिखाई देने लगी। ट्राइबल इलाके में बंपर वोटिंग के कारण सीएम भूपेश बघेल कॉन्फिडेंट हैं, सरकार कांग्रेस की बनेगी। 2018 के बाद से आदिवासी वोट कांग्रेस की ओर शिफ्ट हुआ था। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में मतदान हुआ और कुल 76.31 फीसदी वोटिंग हुई। राज्य की सबसे दिलचस्प मुकाबला पाटन सीट पर है, जहां से पांच बार के विधायक रह चुके सीएम भूपेश बघेल मैदान में हैं।

रमन सिंह (भाजपा)

भूपेश बघेल (कांग्रेस)

- छत्तीसगढ़ में दो चरणों में हुआ था मतदान
- 76.31 फीसदी हुई थी वोटिंग
- बीजेपी बिना सीएम के चेहरे के छत्तीसगढ़ के मुकाबले में उतरी

तेलंगाना में केसीआर की हैट्रिक या कांग्रेस की बारी, भाजपा भी मैदान में

केसीआर (BRS)

रेवंत रेड्डी (कांग्रेस)

- छत्तीसगढ़ में दो चरणों में हुआ था मतदान
- 76.31 फीसदी हुई थी वोटिंग
- बीजेपी बिना सीएम के चेहरे के छत्तीसगढ़ के मुकाबले में उतरी

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में इस बार कड़े मुकाबले की उम्मीद है। लोगों की नजरें के. चंद्रशेखर राव पर टिकी हैं, जहां वह हैट्रिक की उम्मीद कर रहे हैं। ओपिनियन पोल्स और एग्जिट पोल्स में कांग्रेस पहली बार बीआरएस के कड़ी टक्कर में टक्कर में नजर आ रही है। खुद केसीआर दो विधानसभा सीटों कामारेड्डी और गजवेल से चुनाव लड़ रहे हैं। ये दोनों सीटें इस बार तेलंगाना की सबसे हॉट सीट बन गई है। गजवेल में बीजेपी के इटाला राजेंद्र भी मैदान में हैं। कामारेड्डी से रेवंत रेड्डी इस बार केसीआर को चुनौती दे रहे हैं। बीजेपी भी विधानसभा की 119 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। यहां 40 से ज्यादा सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला है। 25 नवंबर को तेलंगाना में 70.60 प्रतिशत मतदान हुआ। बंपर वोटिंग से सत्ता परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। एग्जिट पोल्स में भी तेलंगाना में कांग्रेस बढ़त लेती दिख रही है। हैदराबाद की सात सीटों पर जीतने वाली एआईएआईएम का भविष्य भी रविवार को वोटों की गिनती के बाद तय हो जाएगा।

1932 के KHATIAN आधारित स्थानीयता नीति विधेयक वापस

राज्यपाल ने राय के साथ झारखंड विधानसभा को भेजा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 1932 के खतियान आधारित स्थानीयता नीति से संबंधित विधेयक अटॉर्नी जनरल की राय के साथ झारखंड विधानसभा को वापस भेज दिया है। हेमंत सोरेन सरकार द्वारा दोबारा भेजे गए झारखंड (भीड़, हिंसा एवं भीड़ लिंचिंग निवारण) विधेयक और झारखंड में पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (संशोधन) विधेयक राजभवन में ही है। इधर, झारखंड के परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने कहा है कि खतियान आधारित स्थानीय नीति का विधेयक विधानसभा से पास कर हेमंत सरकार ने राज्यपाल को भेजा था। राज्यपाल ने उसे लौटा दिया। हमारी सरकार ने विधेयक दोबारा भेजा, लेकिन बीजेपी के इशारे पर इसे फिर से लौटा दिया गया। बताया जाता है कि पूर्व में 1932 के खतियान आधारित स्थानीयता नीति से संबंधित विधेयक सहित झारखंड विधेयक और पदों और सेवाओं की रिक्तियों में झारखंड आरक्षण विधेयक को राजभवन द्वारा आपत्ति के साथ राज्य सरकार को वापस कर दिया गया था।

जेएमएम हमलावर कहा- BJP के इशारे पर लौटाया विधेयक

झारखंड के परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने कहा है कि खतियान आधारित स्थानीय नीति का विधेयक विधानसभा से पास कर हेमंत सरकार ने राज्यपाल को भेजा था। राज्यपाल ने उसे लौटा दिया। हमारी सरकार ने विधेयक दोबारा भेजा, लेकिन बीजेपी के इशारे पर इसे फिर से लौटा दिया गया। सरना धर्म कोड से लेकर स्थानीय नीति और ओबीसी आरक्षण तक स्पष्ट हो चुका है कि बीजेपी झारखंड सरकार को काम करने नहीं देना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने बीजेपी के चेहरे पर से नकाब उतार फेंका है। अगर भाजपा को झारखंड के खतियानी लोगों से दिक्कत है, तो खुल कर कहे।

यौन शोषण मामले में प्रदीप यादव को झटका

सुप्रीम कोर्ट में खारिज याचिका, जारी रहेगी निचली अदालत में सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI : विधायक प्रदीप यादव पर चल रहे यौन शोषण मामले की जांच और सुनवाई जारी रहेगी। विधायक ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को खारिज करने को लेकर एक याचिका दायर की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। पोड़ैयाहाट सीट से कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव बड़ा झटका लगा है। एक सितंबर को हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा था कि ए प्रदीप यादव की ओर से दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका खारिज कर दी। प्रदीप यादव ने दुमका कोर्ट में उनके खिलाफ यौन शोषण के केस में हुए चार्जफ्रेम करने की प्रक्रिया को चुनौती दी थी। याचिका खारिज होने के बाद अब निचली अदालत में ट्रायल फेस करना होगा।

क्या है पूरा मामला

साल 2019 में लोकसभा चुनाव के समय प्रदीप यादव के खिलाफ उनकी ही पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता ने यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। देवघर में दर्ज एफआईआर में उसने कहा है कि प्रदीप यादव ने उसे देवघर के एक होटल में मीटिंग के बहाने बुलाया और दुष्कर्म करने का प्रयास किया। प्रदीप यादव ने मामले में स्पेशल जज दुमका द्वारा 2 अप्रैल 2022 को उनके डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। पीड़िता ने प्रदीप यादव के खिलाफ यौन शोषण मामले में 20 अप्रैल 2019 को देवघर महिला थाना में एफआईआर दर्ज कराई थी।

पूजा सिंघल को नहीं मिली बेल, एक गवाह का नहीं हो सका बयान दर्ज, अगली सुनवाई 14 को

RANCHI : मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपी निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत अर्जी पर शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच में सुनवाई हुई। पूजा सिंघल की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने बहस की। वहीं ईडी की ओर से एएसजी (असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल) एस वी राजू ने अपना पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान ईडी के अधिवक्ता ने शीर्ष अदालत को बताया कि पूजा सिंघल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में निचली अदालत में दो महत्वपूर्ण गवाहों का बयान दर्ज हो गया है। लेकिन चुनाव ड्यूटी में कार्यरत रहने के कारण एक गवाह का बयान फिलहाल दर्ज नहीं हो सका है। जिसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 दिसंबर की तिथि निर्धारित कर दी।

पूर्व डीसी छवि रंजन ने SC का दरवाजा खटखटाया

लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से झारखंड हाईकोर्ट से जमानत याचिका रद्द करने के आदेश को चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। रांची पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट ने भी छवि रंजन की बेल पिटीशन खारिज कर चुका है। गौरतलब है कि ईडी रांची में लैंड स्कैम से जुड़े दो मामलों की जांच कर रही है। दोनों ही मामलों में छवि रंजन को अभियुक्त बनाया गया है। फिलहाल जिस केस में उन्होंने जमानत अर्जी दाखिल की है, वह वेशायर होम रोड में फर्जी दस्तावेज के सहारे जमीन की खरीद-बिक्री का केस है।

फिलिस्तीनी बोले- पहले उत्तरी गाजा छुड़वाया अब दक्षिण छोड़ने को कह रहे, हम जाएं तो कहां

गाजा में अब डॉक्टरों के काफिले पर इजराइल का हमला

AGENCY TEL AVIV : डॉक्टर्स विद आउट बॉर्डर्स ने शनिवार इजराइल पर उनके काफिले पर हमला करने के आरोप लगाए हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने हमले का वीडियो शेयर कर मामले की जांच की मांग की है। वहीं, इजराइली सेना दक्षिणी गाजा के लोगों को राफा की तरफ जाने के लिए कह रही है। इजराइली सेना उत्तरी गाजा को पहले ही खाली करवा चुकी है। ऐसे में एक फिलिस्तीनी शख्स ने अलजजीरा से कहा कि जब हर जगह से हमें निकलने को कहा जा रहा है तो हम कहां जाएंगे। इजराइल-हमास के बीच सीजफायर खत्म होने के बाद भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर रात एक फिलिस्तीनी समर्थक ने अमेरिका में खुद को आगे हवाले कर दिया। ये घटना अटलांटा शहर में बने इजराइली कॉन्सुलेट के सामने हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एक सिक्योरिटी गार्ड ने उसे बचाने की कोशिश की। हालांकि, वो नाकामयाब रहा। प्रदर्शनकारी का 90% शरीर जल चुका है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने अब तक उसकी पहचान नहीं बताई है। पुलिस के मुताबिक जब उसने खुद का आग लगाई उसने खुद पर फिलिस्तीन का झंडा लपेटा हुआ था। दरअसल, सीजफायर खत्म होने के बाद दुनिया भर में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन शुरू हो चुके हैं। वहीं, सीजफायर खत्म होने के 24 घंटों में गाजा में 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

हमास पर सीजफायर खत्म होने से पहले रॉकेट दागने का आरोप

डॉक्टर्स के काफिले में इजराइल के हमले के बाद जलता वाहन।

अमेरिका ने सीजफायर खत्म होने का इल्जाम हमास पर डाला है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन शुक्रवार को सीजफायर खत्म होने के तुरंत बाद इजराइल से दुबई पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- हमास ने अपना वादा पूरा नहीं किया। यरूशलम में आतंकी हमला करवाया और सीजफायर की सीमा खत्म होने से पहले इजराइल पर रॉकेट दागे। इसकी वजह से युद्ध विराम आगे नहीं बढ़ाया जा सका। दरअसल, इजराइल और हमास के बीच सीजफायर के बाद शुक्रवार को जंग फिर शुरू हो गई। सेंट्रल इजराइल पर गाजा से 50 से ज्यादा रॉकेट दागे गए। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई की। इसके फौरन बाद तेल अवीव में इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के चीफ जनरल हेर्जी हालेवी ने टॉप कमांडर्स के साथ लंबी मीटिंग की। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक- फैसला यह हुआ कि गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन तेज किए जाएंगे। जंग में अब तक 14 हजार 800 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इनमें 6 हजार बच्चे शामिल हैं। दूसरी तरफ, दुबई में चल रहे कॉप28 क्लाइमेट समिट के दौरान इजराइली राष्ट्रपति इसाक हेर्जोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। हमास ने यूएई से अपील की थी कि वो इजराइल को क्लाइमेट समिट में शामिल न होने दे।

भाजपा कार्यकर्ता की पत्थर से कुच कर *हत्या*

RANCHI : तुपुदाना ओपी क्षेत्र के बांदा कुसुम टोली निवासी भाजपा कार्यकर्ता भैया राम मिंज की हत्या शुक्रवार की रात बेरहमी से पत्थर से सर कुच कर अपराधियों ने कर दिया। मामले की जानकारी पाकर तुपुदाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को ले जाने नहीं दिया। बरीय पदाधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे थे। हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा धुर्वा, जगन्नाथपुर थानेदार के साथ मौके पर पहुंचे। डीएसपी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी के ग्रामीणों को समझाने बुझाने के बाद रात 1:00 बजे शव को थाना लाया गया। शनिवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया। मृतक भैया राम मिंज के बेटी पूनम मिंज के लिखित आवेदन पर थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया। हत्या की जानकारी मिलते ही भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर थाना पहुंची और मृतक के परिजनों को सांत्वना दिया।

सड़क हादसे में युवक की मौत से आक्रोश, हंगामा

पुलिस वाहन पर पथराव, एक सिपाही घायल

PHOTON NEWS RANCHI : पतरातू-रांची मार्ग पर पतरातू पीवीयूएनएल टाउनशिप के समीप शनिवार की शाम कोयला लदे एलपी ट्रक ने बाइक सवार युवक भवानी महतो (35 वर्ष) को अपनी चपेट में ले लिया और भाग निकला। घटना में कटिया गांव निवासी स्व भुवनेश्वर महतो के पुत्र भवानी की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम कर दी। इससे सड़क की दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतारें लग गयीं। लोग इतने आक्रोशित थे कि जाम हटाने पहुंची पुलिस पर भी पथराव कर दिया। इसमें बासल थाना के सिपाही सियाराम महतो घायल हो गए हैं। उनका इलाज पतरातू प्रखंड स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। पथराव में कई और पुलिसकर्मियों को भी चोट लगने की सूचना है। काफी देर तक सड़क जाम लगी रही। इस दौरान सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर मौजूद थे।

- आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ किया सड़क जाम

सड़क जाम करते आक्रोशित लोग व इनसेट में पुलिस का क्षतिग्रस्त वाहन।

कला और संस्कृति की अनमोल धरोहर महासू देवता मन्दिर

घुमक्कड़ की पाती प्रकृति की गोद में टौंस नदी के तट पर बसा हनोल स्थित महासू देवता मन्दिर कला और संस्कृति की अनमोल धरोहर है। इस मंदिर का निर्माण हूण राजवंश के पंडित मिहिरकुल हूण(योद्धा) ने करवाया था। उत्तराखंड में स्थित यह मंदिर हूण स्थापत्य शैली का अद्भुत नमूना है। वास्तुकला की दृष्टि से मन्दिर का निर्माण नौवीं शताब्दी के आस-पास का माना जाता है। पता नहीं क्या जादू हुआ कि मन्दिर पहुंचते ही लम्बे रास्ते की सारी उकताहट और दुर्गम रास्ते से हुई थकान अचानक कहीं खो गई। देह और आत्मा में एक नयी ऊर्जा का संचार होने लगा। इस बात को मैंने बहुत अच्छी तरह से महसूस किया है कि धर्म और आस्था रखने वाली जगहों पर धर्म और आस्था से इतर भी एक बहुत ही सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। अगर मन शांत और आत्मा तृप्त हो तो बहुत ही आसानी से इस ऊर्जा को महसूस किया जा सकता है। इस समय ऐसे ही किसी ऊर्जा के क्षेत्र में हूं। एक सुखद अहसास को जी रहा हूं। बाकि की भी चीजें साथ साथ चल रही हैं, जैसे कि कुछ कहानियां और धार्मिक मान्यताएं।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

मेरी किसी महात्मा से मिलने की इच्छा थी ताकि इस आस्था को बांधने वाली शक्तियों का अवलोकन किया जा सके। आखिरकार एक सज्जन मुझे वहां ले गए। धार्मिक अनुष्ठान कराने और प्रवचन में अक्सर उन्हीं को आमन्त्रित किया जाता था।

मेरे अंदर आस्था बस उतनी ही थी जितनी कि मानवता होती है।

मैंने उन्हें प्रणाम किया और कहा कि आपसे मिलने की इच्छा लेकर आया हूं ताकि मेरे ज्ञान में कुछ वृद्धि हो सके।

उन्होंने मेरे कहे का सम्मान किया और बताया कि महासू देवता एक नहीं चार देवताओं का सामूहिक नाम है और स्थानीय भाषा में महासू शब्द ₹महाशिव₹ का अपभ्रंश है।

इतना से मुझे स्पष्ट हो गया कि यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। फिर चारों महासू भाईयों के नाम (बासिक महासू, पबासिक महासू, बूठिया महासू और चालदा महासू) बताते हुए कहा कि सभी को भगवान शिव का ही रूप माना जाता है।

उन्होंने कहा महासू देवता हमारे लिए न्याय के देवता और मन्दिर न्यायालय का प्रतीकात्मक रूप है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, जौनसार-बावर क्षेत्र, रंवाई परगना और हिमाचल प्रदेश के सिरमौर, सोलन, शिमला, बिशैहर और जुब्बल तक इनकी पूजा होती है।

इन दोनों प्रदेशों में महासू देवता के कई मन्दिर हैं। इन मंदिरों में महासू देवता के विभिन्न रूपों की पूजा अलग-अलग जगहों पर होती है। उन्होंने यह भी बताया कि टौंस नदी के बायें तट पर स्थित बावर क्षेत्र, हनोल के मन्दिर में बूठिया महासू तथा मैन्द्रथ नामक स्थान पर बासिक महासू की पूजा होती है। पबासिक महासू की पूजा टौंस नदी के दायें तट पर बंगाण क्षेत्र में स्थित ठडियार, जनपद उत्तरकाशी नामक स्थान पर होती है।

सबसे छोटे भाई चालदा महासू भ्रमण प्रिय देवता है जो कि बारह वर्ष तक उत्तरकाशी और बारह वर्ष तक देहरादून जनपद में भ्रमण करते हैं। जिनमें से इनकी एक-एक वर्ष तक अलग-अलग स्थानों पर उपासना होती है जिनमें से हाजा, बिशोई, कोटी कनासर, मशक, उदपाल्टा, मौना आदि उपासना स्थल प्रमुख हैं।

घुमक्कड़ होने के नाते मेरा झुकाव अनायास ही चालदा महासू की तरफ हो आया। देवता भी घुमक्कड़ हो सकते हैं? मैंने मन में ही सोचा और फिर नारद जी को याद किया।

प्रभु आपसे बड़ा घुमक्कड़ कौन हुआ होगा? आप तो पूरे ब्रह्मांड में विचरण करते रहे हैं। कभी इस धरती पर भी आइए और हम घुमक्कड़ों के जीवन में भी आस्था का संचार करिए।

इस मिलने मिलाने के फेर में थोड़ा बहुत गांव को भी देखा। जिस तरह से हनोल के स्थानीय लोगों ने अपने प्रयासों और सीमित संसाधनों के बल पर सैलानियों को रुकने और ठहरने कि रियायती व्यवस्था की है, उसकी दाद देनी पड़ेगी। सचमुच, ग्रामीण पर्यटन का यह एक अनोखा उदाहरण है।

सुबह घूमते हुए मुझे गांव और आसपास के क्षेत्र में कई बकरे दिखाई दिए। मुझे लगा कि यह जंगली बकरे होंगे। लोगों से पूछने पर पता चला कि यह बली के बकरे हैं। मेरे यहां तो बकरे को बली में बकरे को मार दिया जाता है। यहां तो बली के बकरों को इतना आजाद देखकर बकरा बनने का मन कर जाए। वह मेरी बात सुनकर हंसे और कहा कि मन्दिर में प्रसाद के रूप में आटा और गुड़ चढ़ाया जाता है। जिसे स्थानीय भाषा में हम लोग 'कढ़ाह' चढ़ाना कहते हैं। इस कढ़ाह के साथ 24 रुपए की भेंट भी चढ़ाई जाती है।

कई श्रद्धालु मन्दिर में बकरा भी अर्पित करते हैं। परन्तु बकरा अर्पित करने के दो रूप हैं पहला ये कि बकरे को अभिमन्त्रित जल के साथ सिहरन देकर देवता को अर्पित किया जाता है। अभिमन्त्रित जल के साथ सिहरन देने की यह प्रकिया स्थानीय भाषा में 'धूण' कहलाती है। इस धूण के बाद यह माना जाता है कि देवता ने बकरा स्वीकार कर लिया और उसके बाद उसे जीवित छोड़ दिया जाता है। ये बकरे मन्दिर परिसर और हनोल गांव में यत्र-तत्र घूमते देखे जा सकते हैं। इन बकरों को 'घाण्डुआ' कहते हैं और इनको देवता का जीवित भण्डार माना जाता है। अब देवता चाहे तो बेच दे चाहे जैसे उपयोग कर ले लेकिन कभी भी हथियार से नहीं मारा जायेगा।

दूसरे रुप में बकरा देवता को अर्पित कर बलि दिये जाने का है। लेकिन इस बात को लेकर अलग अलग मत है। कुछ लोग कहते हैं अब मन्दिर में बलिप्रथा खत्म कर दी गई है और कुछ लोग कहते हैं कि देवता को अर्पित कर बकरे की बलि मन्दिर परिसर से बाहर दी जाती है। अगर धार्मिक संदर्भों का सहारा लिया जाए तो महासू देवता शिव के प्रतिरूप है और शिव को कहीं भी बलि नहीं दी जाती है।

लेकिन सच्चाई यह है कि यहां जानवरों की बली दी जाती है। जिसका स्पष्ट वर्णन एक पौराणिक कथा में मिलता है। 'पौराणिक कथाओं में महासू देवता की उत्पत्ति के बाद किरविर दैत्य का वध करते समय कैलू वीर ने किरविर दैत्य को आबद्ध किया और शेडकुडिया वीर ने उसका वध किया था इसलिये महासू देवता ने नियम बनाया कि शेडकुडिया वीर को प्रत्येक संक्रांति को रोट और बकरे का गोश्त दिया जायेगा। जिसका एक भाग कैलू वीर को भी दिया जायेगा'

अतः यह बलिप्रथा उसी नियम के अनुसार देवता के मांसभक्षी वीरों के निमित्त है जो वर्षों से चली आ रही है।

आखिर बात वहीं आकर रुक गई कि बकरे की मां कब तक खैर मनाएगी?

पूनम शर्मा स्नेहिल
जमशेदपुर

कुछ यादों के अवशेष

कुछ यादों के अवशेष धरे ।
कुछ वक्त मौन से यहां पड़े।।
इन बिखरे पन्नों में देखा।
हाँ स्वप्न कई थे कभी जड़े।।

कुछ राज सहेजे रक्खे थे ।
जज्बात सहेजे रक्खे थे।।
उन्मुक्त से हो जो कह देते ।
हर हाल सहेजे रक्खे थे।।

जो रद्दी से अब दिखते हैं।
फूटी कौड़ी न बिकते हैं।।
उनमें रहती थी जान बसी।
बेजान से जो अब लगते हैं।।

बस शब्द नहीं थे उन पर ये।
ना ही थी झूठी बातें ये।।
कुछ पल की कुछ सौगात थी।
बीती तकती कई रातें ये।।

अब लोग तमाशा करते हैं।
मुखरित वो भाषा करते हैं।।
जो शब्द कभी कह देते थे।
अब कीमत से आशा करते हैं।।

न प्रेम रहा पहले जैसा।
जग ढूंढे हर पल बस पैसा।।
अब ढेर नहीं होते खत के।
यह प्रेम है बोलो तुम कैसा।।

कुछ यादों के अवशेष धरे ।
कुछ वक्त मौन से यहां पड़े।।
इन बिखरे पन्नों में देखा।
हां स्वप्न कई थे कभी जड़े।।

पक्षी ■ पुराण

पक्षी जगत को घर बैठे कैसे जानें?

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व भारती, शांति निकेतन

क्या आपने कभी जानने की कोशिश की है कि पक्षियों से जुड़े आँकड़े और तथ्य कहाँ से आते हैं? कैसे मालूम चलता है कि कोई पक्षी लुप्त होने की कगार पर पहुँच गयी है? किसी की संख्या में उम्मीद से ज्यादा बढ़ोत्तरी हो रही है। किस पक्षी के बारे में ज्यादा चिंता किये जाने की जरुरत है और किसके बारे में बेफिक्र रहा जा सकता है। दरअसल यह सब जिस तरीके से संभव होता है वह अपने आप में खासा दिलचस्प और हैरतंगेज है। पक्षी प्रेमियों का अपना एक नेटवर्क है जो सोशल मीडिया के अनेक प्लेटफार्म से जुड़े होने के साथ-साथ कई एप्स के जरिये एक मजबूत नेटवर्क का निर्माण करते हैं। उस नेटवर्क में शामिल होने के बाद पक्षियों के बारे में थोड़ी भी दिलचस्पी आपको हो तो साल भर के भीतर आप अपने आस-पड़ोस के पक्षियों की पूरी दुनिया से साल भर में ना केवल परिचित हो जायेंगे बल्कि आप खुद पक्षियों के डेटाबेस को समृद्ध करने की स्थिति में आ जायेंगे। ऐसे कुछ एप्स और सोशल मीडिया प्लेटफार्म के बारे में आज हम जानने की कोशिश करेंगे। पक्षियों के मामले में जो दो सबसे काम के ऐप गूगल के प्ले स्टोर में उपलब्ध हैं उनमें से एक है, मर्लिन और दूसरा है ई बर्ड। मर्लिन पक्षियों के शिनाख्त के साथ-साथ अन्य तमाम जरुरी जानकारी मुहैया कराता है। मसलन- आपने किसी चिड़िया की चहचहाहट रिकार्ड की है तो उस आवाज के जरिये आप मर्लिन के जरिये उसकी पहचान कर सकते हैं। पक्षी की क्लिक आपके पास है तो उसे अपलोड करके उस पक्षी की पूरी जानकारी पाई जा सकती है। पक्षी के गतिविधियों को आपने आब्जर्व कर रखा है तो उसके जरिये भी इस ऐप की सहायता से उसकी पहचान की जा सकती है। इसके लिए करना इतना भर होता है कि आप जिस राज्य में पक्षियों को आब्जर्व कर रहे हैं। उस राज्य के पक्षियों की जानकारी वाला फाईल डाउनलोड करना होता है। उस फाईल से आपको आपके राज्य में उपलब्ध पक्षियों की पूरी सूची उपलब्ध हो जाती है। 50 के आस-पास पक्षी तो आप बस थोड़ी सजगता से अपने पास-पड़ोस में देख सकते हैं। उसके बाद आपको उन पक्षियों के हैबिटेट की जानकारी जुटा कर जंगल, पहाड़, मैदान, कछार आदि में तलाशना होता है। यकीन मानिये एक बार इसकी आदत हो जाये तो आप इसको जीने लगते हैं। ज्यों-ज्यों पक्षियों की नयी-नयी प्रजातियों से आप रुबरु होने लगते हैं आपका उत्साह बढ़ने लगता है। शुरू में यकीन करना मुश्किल होता है कि इतने किस्म के पक्षी हमारे आस-पास मौजूद हैं लेकिन एक आम आदमी एकाध दर्जन पक्षियों के बारे में ही जागरुक होता है।

मर्लिन एप की मदद से आप किसी भी पक्षी की पूरी कुंडली जान सकते हैं। मतलब उस पक्षी से संबंधित बुनियादी जानकारी के अलावा वे संसार के किन हिस्सों में पाये जाते हैं? कहाँ प्रजनन करते हैं? कहाँ माइग्रेट करते हैं? पूरे साल भर की उनकी गतिविधियों का एक आकलन वहाँ मौजूद रहता है। और यह इतना सटीक है कि इससे इतर हट कर किसी भू-भाग में जब कोई नया पक्षी देखने भर को मिलता है तो सोशल मीडिया के समूहों में बकायदा इस पर चर्चा होने लगती है। उसकी मौजूदगी को लेकर अनुमान लगाये जाने लगते हैं और उसको आखिरी बार कब देखा गया था जैसी जानकारियाँ तैरने लगती हैं।

एक दूसरा एप है-इ बर्ड। इस एप के जरिये दुनिया भर के पक्षी प्रेमी अपने पक्षी अवलोकन की सूची इसमें अपलोड करते रहते हैं। इसी से पक्षियों की दुनिया का वह कमाल का आँकड़ा सामने आता है, जिसके जरिये पक्षियों के वितरण, माइग्रेशन, मौजूदगी, संख्या आदि का ब्यौरा पक्षी प्रेमियों को उपलब्ध हो पाता है। इसकी फंक्शनिंग कमाल की है। यह ओपन सोर्स की तरह है। मर्लिन एक ओपन सोर्स है, जिससे कोई भी जानकारी ली जा सकती है तो इ बर्ड में आप अपनी चेकलिस्ट लगातार अपलोड करते रह सकते हैं। यह जीपीएस के जरिये आपके पूरे मूवमेंट को कैप्चर करता है। और आपके पक्षियों के आब्जर्वेशन के आधार पर उस इलाके के पक्षियों के हॉटस्पॉट की पहचान करता है। अगर आपके किसी इंट्री पर उसे संदेह होता है तो वह अलग से आपको उस पर कमेंट के जरिये डिटेल लिखने को कहता है। एक सामान्य पक्षी प्रेमी जब पक्षियों के अवलोकन के बाद अपनी सूची इस एप में अपलोड करता है। तो भले आपने कौवा, कबूतर, मैना जैसे सामान्य पक्षियों का अवलोकन करके ही क्यों ना वह सूची अपलोड की हो। साल के अंत में आपके इस छोटे योगदान को भी अलग से सर्टिफिकेट के जरिये वह नवाजती है। इससे हुआ भर इतना है कि भारत के 735 जिलों में अब इ बर्ड का नेटवर्क है जो दो जिले अब तक इनके नेटवर्क से बाहर थे उनमें एक अरुणाचल प्रदेश का क्रा दादी जिला था और दूसरा नागालैंड का हुएनसांग जिला दोनों इसी नवम्बर में इ बर्ड के नेटवर्क से जुड़ गये हैं। मतलब पक्षियों को प्यार और उनकी परवाह करनेवाले लोग इसके जरिये एक सूत्र से बंधे हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और व्हाट्सएप के जरिये भी पक्षियों को जानने समझने की एक अद्भुत दुनिया आबाद हो रखी है। इसमें ना केवल फोटोग्राफर्स, बर्ड वाचर्स, ओरनिथोलॉजिस्ट बल्कि और भी अलग-अलग रुचियों के लोगों की पूरी श्रृंखला मौजूद है। मतलब आप किसी पक्षी के लिए किसी अनजाने भूभाग की यात्रा कर रहे हों तो उसकी उपलब्धता के इलाके से लेकर उस क्षेत्र के सबसे जानकार गाईड तक का पता चुटकी बजाते आपको उपलब्ध हो जाता है। इस दुनिया में दाखिल होना एक समानांतर दुनिया में दाखिल होना है जो हमारे आस-पास ही है लेकिन हम उसके बारे में बहुत कम जानते हैं। पक्षियों को जानना अपनी परिवेश को जानना है ,अपने मनुष्य होने को जानना है। मनुष्य होने के नाते अन्य जीवों के प्रति जो हमारी जवाबदेही उसे जानना है। वक्त मिले तो इस दुनिया का हिस्सा बन कर देखिये जिंदगी बदल सी जायेगी।

चित्र प्रदर्शनी

श्रेष्ठा
कक्षा - 1, गोरखपुर

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

निगम के दो वार्डों में 66 आवेदनों का ऑन स्पॉट निबटारा

RANCHI : आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को रांची नगर निगम की ओर से दो वार्डों में शिविर लगाया गया। इनमें वार्ड नंबर 13 और वार्ड नंबर 14 में कुल 66 आवेदनों का निपटारा ऑन स्पॉट किया गया। इसके अलावा दोनो वार्ड में जरूरतमंदों के बीच कुल 250 कंबल का वितरण भी किया गया।अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने बताया कि शिविर में होल्डिंग, ट्रेड, जन्म-मृत्यु निबंधन, जल कर भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया। सभी शहरवासी निगम स्तर के सेवाओं का लाभ इन शिविरों में आ कर ले सकते है।

पीएलजीए की वर्षगांठ को लेकर पुलिस अलर्ट

RANCHI : प्रतिबंधित संगठन माओवादियों के मारक दस्ता पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) शनिवार से आठ दिसंबर तक पीएलजी की 23वीं वर्षगांठ मना रहा है। इसे लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस सतर्कता बरत रही है। माओवादियों के विरुद्ध अभियान जारी है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों को जंगल में सावधानी बरतने को कहा जा रहा है। केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) व भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने पुलिस बल पर हमला करने की बात कही है। इसे लेकर माओवादियों ने पर्चा जारी किया है। इसमें इलाका का विस्तार करने, पूंजीवादी, सामंतवाद व पुलिस के विरुद्ध संघर्ष तेज करने की बात लिखी है।

रांची में ऑटो और ई-रिक्शा के खिलाफ चला अभियान, 68 जब्त

RANCHI : रांची ट्रैफिक पुलिस बिना परमिट ऑटो चालकों और ई रिक्शा के खिलाफ अभियान चला रही है। ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव ने शनिवार को बताया कि अभियान के दौरान 43 ऑटो और 25 ई-रिक्शा को जब्त किया गया है। उन्होंने सभी ऑटो चालकों से अपील किया कि कोई भी चालक बिना परमिट, लाइसेंस सहित अन्य कागजात के बिना गाड़ी ना चलाये। पकड़े जाने पर रांची ट्रैफिक पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि एमवी एक्ट की धारा 192ए के तहत बिना परमिट के ऑटो चलाने पर 10 हजार रुपये जुमार्ना का प्रावधान है। साथ ही बिना रूट परमिट के ई-रिक्शा चलाने पर पहली बार तीन हजार और दूसरी बार पांच हजार रुपये के जुमार्ना का प्रावधान है।

योगेंद्र तिवारी की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई छह को

RANCHI : शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी की जमानत याचिका पर ईडी कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने योगेंद्र तिवारी की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर ईडी से जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई छह दिसम्बर निर्धारित की है।

आम सूचना

अरगोड़ा थाना कांड संख्या-94/21 फरार अभियुक्त सिद्धार्थ राज पिता सुधांशु उर्फ सुधीर पांडे, पता-अशोक आश्रम थाना डोरंडा जिला रांची के विरुद्ध दिनांक 01/12/23 को ईश्तेहार का विधिवत तामिला करा दिया गया है, परंतु अभी तक वे माननीय न्यायालय में समर्पण नहीं किए हैं, अतः उन्हें इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है की जल्द से जल्द माननीय न्यायालय श्री अक्षत श्रीवास्तव, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, सदर कोर्ट, रांची में आत्मसमर्पण करें अन्यथा कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

ह/0-थाना प्रभारी अरगोड़ा

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

तत्कालीन वन बंदोबस्त अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एसीबी ने दर्ज किया मामला, इंस्पेक्टर विधा प्रसाद करेंगे जांच

- नियम के खिलाफ 6.31 करोड़ रुपये भुगतान करने का मामला
- एसीबी ने पहले भी दर्ज की थी पीई

PHOTON NEWS RANCHI : जिले के तत्कालीन वन बंदोबस्त पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में मामला दर्ज हुआ हैं। पद का दुरुपयोग करते हुए मुआवजा निष्पादन के निपटारा के एक मामले में 6।31 करोड़ रुपए का भुगतान नियम विरुद्ध करने के मामले में राजेंद्र प्रसाद गुप्ता एफआईआर दर्ज हुआ है। इस मामले को लेकर एसीबी ने कांड संख्या 5/2023 दर्ज किया है। मामले के सूचक एसीबी के इंस्पेक्टर विधा प्रसाद सिंह है। राजेंद्र प्रसाद सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, दुमका के पद से सेवानिवृत हुए हैं। मामले में एसीबी ने उन पर पद का दुरुपयोग करते हुए मुआवजा निष्पादन में नियम विरुद्ध भुगतान करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर पहले एसीबी ने पीई दर्ज की थी।

पद का दुरुपयोग करने का आरोप

पांच मुआवजा वादों की सुनवाई के क्रम में आवेदकों के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र में अंकित वंशावली के अनुसार कुल राशि को छह बराबर बांटने की कार्रवाई की गई है। नियमानुसार संबंधित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी द्वारा निर्गत वंशावली प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात ही वादों के संबंध में निर्णय लेना विधिसमत था, जो नहीं किया गया। राजेंद्र प्रसाद पर अनुचित लाभ के लिए पद का दुरुपयोग करने का आरोप है।

घूस लेते हुए थे गिरफ्तार

एसीबी की टीम ने नौ अगस्त 2018 को वंशावली में नाम चढ़ाने के नाम पर महिला से 15 हजार रुपये घूस लेते कार्यालय के बाहर ही सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता व पेशकार राजीव रंजन मिश्रा को गिरफ्तार किया था। दोनों के साथ उनके घरों की तलाशी ली गई थी, लेकिन वहां से कुछ नहीं मिला था। पूछताछ के बाद दोनों को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था।

शहर में जाम में फंसी गाड़ियां। ● फोटोन न्यूज

जाम से कराहती रही रांची, सरकते रहे लोग

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक हर इलाके में जाम की स्थिती रही। पुलिसकर्मी तैनात थे लेकिन लोगों को काफी समस्या हुई। मुख्य रुप से कोकर रोड़,मेन रोड और रातू रोड़ में लोगों को परेशानी हुई। इस इलाके में घंटो वाहन चालक फंसे रहे। मेन रोड में फुटपाथ दुकानदारों की वजह से लोगों को परेशानी हुई।

पिछले कई दिनों से फुटपाथ दुकानदार सड़क के आगे आ गए हैं। कई दुकानदार तो ऐसे हैं जिन्हें अटल स्मृति वेंडर मार्केट में दुकान मिला है लेकिन फिर भी वह अपनी दुकान फुटपाथ पर लगाते हैं। नगर निगम के द्वारा ऐसे दुकानदारों को चिन्हित भी किया गया है लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है।

ट्रैफिक पुलिस के द्वारा शनिवार को कई इलाकों में बिना परमिट वाले आटो चालकों के खिलाफ अभियान चलाया गया। दर्जनों आटो को जब्त किया गया जिनके पास परमिट नहीं था। पुलिस का कहना है कि शहर में बिना परमिट वाले आटो चालकों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा बिना परमिट वाले आटो चालक पकड़े जाएंगे तो उनसे जुमार्ना के रूप में दस हजार रुपये लिया जाएगा।

वहीं बिना रूट परमिट के ई रिक्शा चलाने पर पहली बार पकड़े जाने पर तीन हजार रुपये जुमार्ना लिया जाएगा और दूसरी बार पकड़े जाने पर पांच हजार रुपये जुमार्ना लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री के कोडरमा दौरे को लेकर तैयारियों में जुटा प्रशासन

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पांच दिसंबर को कोडरमा जायेंगे। वहां सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर आला अधिकारियों की ओर से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिये गये हैं।

जिले में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पांच दिसंबर को कोडरमा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। कोडरमा ब्लॉक मैदान और बागीटांड़ स्टेडियम को मुख्यमंत्री के आगमन पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। कोडरमा डीसी मेघा भारद्वाज ने जिले के आला अधिकारियों के साथ इन दोनों कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और तैयारी के मद्देनजर अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री जब कोडरमा पहुंचेंगे तो उनका आदिवासी रीति रिवाज और पारंपरिक ढंग से स्वागत किया जाएगा।इसके अलावा कार्यक्रम में तकरीबन 10 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। विभिन्न विभागों की ओर से कार्यक्रम स्थल पर कई स्टॉल भी लगाए जाएंगे। मौके पर विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन परिसंपत्तियों का भी वितरण करेंगे।

इसके अलावा कोडरमा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान हेमंत सोरेन जिलावासियों को योजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री द्वारा कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पांच दिसंबर को मुख्यमंत्री कोडरमा पहुंचेंगे, जिसके लिए पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गये हैं।

रांची में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों का काटा गया 1.5 लाख ऑनलाइन चालान

NPR कैमरे से चोरी हुए वाहन की होती है ट्रैकिंग : ट्रैफिक एसपी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में दो ट्रैफिक कंट्रोल रूम से कड़ी नजर रखी जा रही है। यह कंट्रोल रूम शहर के हर चौक-चौराहों पर वाहनों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुई है। शहर में सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था सुव्यवस्थित ढंग से हो इसके लिए राजधानी के हर चौक-चौराहों पर कुल 750 सीसीटीवी लगाए गए हैं। इसमें कई अत्यधुनिक कैमरे हैं जो ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करने वाले वाहनों के नंबर प्लेट को कैप्चर करने, सिग्नल ब्रेक करने वालों की पहचान करने और सड़कों पर तेज गति से वाहनों को चलाने वालों की पहचान करने साथ ही शहर में क्राइम कंट्रोल पर नजर रखने के लिए हर अलग-अलग जगहों पर लगाए गए है।

शहर में एजेंसी द्वारा 650 सीसीटीवी लगाए गए थे, जिसमें से 550 कैमरे सही ढंग से काम कर रहे हैं। जबकि 100 ऐसे कैमरे है जिसे फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण हटा दिए गए हैं। शहर में 200 कैमरे स्मार्ट सिटी की एजेंसी द्वारा भी लगाए गए हैं। इसके अलावा राजधानी रांची के 60 लोकेशन पर ट्रैफिक उल्लंघन कैमरे और 63 लोकेशन पर सर्विलांस सीसीटीवी लगाए गए हैं। शहर में लगे इन तमाम सीसीटीवी की सहायता से ट्रैफिक विभाग ने यातायात नियमों को तेड़ने वालों से करीब 1.5 लाख ऑनलाइन चालान इस साल काटे हैं।

इस संबंध में रांची ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव से बताया कि शहर के सभी सीसीटीवी कैमरे की मॉनेटरिंग कंट्रोल रूम हो रही है। उन्होंने कहा कि शहर के किसी इलाके से जब किसी वाहन के चोरी होने की खबर मिलती है तो उस वक्त पर एएनपीआर कैमरे की सहायता से चोरी हुए उस वाहन के गाड़ी नंबर को रजिस्टर्ड कर लिया जाता है, जिसके बाद जब वह वाहन एएनपीआर कैमरे की नजर में आती है तो उस वाहन के मूवमेंट को कंट्रोल रूम में कैप्चर कर उसमें डायरेक्ट अलर्ट जारी कर दी जाती है।

इन चौक-चौराओं पर भी लगे हैं सीसीटीवी

बिरसा चौक-10, हिनू चौक-13, एजी मोड़-12, सुजाता चौक-14, कचहरी चौक-17, प्रेमसंस मोटर, कांके-12, बूटी मोड़-10, चांदनी चौक कांके-08, जेल चौक-17, करमटोली चौक-17, लालपुर चौक-16, सिरमटोली चौक-17, अरगोड़ा चौक-05, हरमू चौक-04, सर्जना चौक-09, एचईसी गेट-04, सहजानंद चौक-05

स्मार्ट सिटी ने भी लगाए कई प्रमुख कैमरे

मेन रोड ओवर ब्रिज-पांच, सर्जना चौक-पांच, डेली मार्केट-तीन, चांदनी चौक-तीन, टाटीसिल्वे चौक-चार, शनि मंदिर-चार, गाड़ीखाना चौक-चार, शहीद मैदान-पांच।

क्लस्टर स्तरीय मैच में डीएवी हेहल और डीएवी कपिल देव बना चैंपियन

PHOTON NEWS RANCHI : डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के तत्वावधान में आज रांची के विकास विद्यालय में खेले गए क्लस्टर स्तरीय क्रिकेट मैच में अंडर-19 बॉयज का खिताब डीएवी हेहल ने जीता ।पहले बैटिंग करते हुए डीएवी हेहल की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 64 रन बनाए जबकि डीएवी कपिल देव की टीम निर्धारित 12 ओवरों में केवल 62 रन ही बना सकी ।अंडर 17 बॉयज के एक दूसरे मैच में डीएवी गुमला की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 12 ओवरों में 99 रन बनाए। जबकि डीएवी कपिल देव ने 100 रन के लक्ष्य को 12 ओवर में पूरा कर लिया इस तरह डीएवी कपिल देव और हेहल की टीम आज खेले गए मैच में विजयी रहीं। ये दोनों टीमें जोनल के लिए क्वालिफाई कर गई हैं ।जोनल मैच बोकारो में खेले जाएंगे।

जैसा कि आपको मालूम है कि डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स को राष्ट्रीय मान्यता है। इसके तहत तीन स्तरों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है । सबसे पहले क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता होती है। क्लस्टर में जीतने वाली टीम जोनल के लिए क्वालिफाई करती हैं और जोनल में जीतने वाली टीम नेशनल के लिए क्वालिफाई करती हैं। डीएवी रांची जोन बी के एआरओ सह कपिल देव के प्राचार्य एम के सिन्हा ने विजयी टीमों को बधाई देते हुए भविष्य में और भी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई।

नशे की हालत में युवकों ने दुकान में किया तोड़फोड़

RANCHI : सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित आयुष कुमार के दुकान में नशे की हालत में युवकों ने घुसकर तोड़फोड़ कर दिया। आयुष के बयान पर सुखदेव नगर थाना में केस हुआ है। पुलिस का कहना है कि आयुष अपने दुकान में बैठा हुआ था। उसी इलाके में एक बारात आई थी। बारात में युवक नशे की हालत में थे। अचानक से युवक दुकान के अंदर चले आए और दुकान को क्षतिग्रस्त कर दिया।

महिला दोस्त से मिलकर घर लौटने के दौरान हुई थी संजय पाहन की हत्या

PHOTON NEWS RANCHI : सदर थाना क्षेत्र स्थित बूटी बस्ती में रहने वाले संजय पाहन की हत्या तब हुई जब वह अपनी एक महिला दोस्त से मिलकर घर लौट रहा था। पुलिस का कहना है कि संजय पाहन महिला दोस्त के घर अकसर आता जाता था। इसकी जानकारी कई लोगों को थी। संजय महिला दोस्त के घर से निकलकर किसी से नहीं मिला था। लेकिन जब वह घर के पास आया तो उसपर हमला किया गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि इस मामले में कुछ सुराग मिला है। जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि योजना के तहत संजय की हत्या की गई है। संजय के घरवालों ने गुरूवार की रात नौ बजे संजय को घर के पास जख्मी हालता में पाया था। लेकिन घरवालों पुलिस को अगले दिन सुबह नौ बजे जानकारी दिया।

सीसीटीवी फुटेज में पुलिस को मिला सुराग

पुलिस का कहना है कि बूटी बस्ती में कई जगहों पर लगे सीसीटीवी का फुटेज खंगाला गया है। पुलिस को सुराग मिला है। पुलिस सभी का सत्यापन कर रही है। पुलिस ने संजय पाहर का मोबाइल का डिटेल निकाला है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि किस किस जमीन को लेकर संजय का विवाद था। हालांकि पुलिस ने संजय की पत्नी से पूछताछ की तो उसने बयान दिया कि संयज का किसी से विवाद नहीं था।

शरीर में कई जगहों पर मिले जख्म के निशान

पुलिस का कहना है कि संजय पाहन के शरीर पर कई जख्म के निशान हैं। पुलिस आशंका जता रही है कि किसी हथियार से उसके शरीर पर वार किया गया है। पुलिस इस मामले में घर के सभी लोगों का बयान लेगी। पुलिस को देर से घटना की जानकारी दी गई इस वजह से पुलिस घरवालों को भी शक की नजर से देख रही है।

राष्ट्रीय विद्यालय खेल में झारखंड की भागीदारी को लेकर चलाया जा रहा प्रशिक्षण शिविर

खेल में भागीदारी के लिए बच्चों को मिल रहा विशेष प्रशिक्षण

PHOTON NEWS RANCHI : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तहत राष्ट्रीय विद्यालय खेल में झारखंड राज्य की भागीदारी को लेकर एथलेटिक्स, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, खोखो, जिमनास्टिक, तीरंदाजी व बैंड का विशेष प्रशिक्षण शिविर चलाया जा रहा है। खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास हेतु उनके पढ़ाई के साथ पौष्टिक आहार, आवासन इत्यादि की सुविधा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के फ्लैट्स व खेल गांव एथलेटिक्स स्टेडियम में दी गई है।

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह एसजीएफआई के नोडल पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेंग ने बताया कि खेलो झारखंड के तहत विद्यालय, प्रखंड, जिला स्तर एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर राज्य के विभिन्न जिलों के चयनित बच्चों को कैंप में खेल के साथ साथ शिक्षा की सुविधा भी दी जा रही है। इसके लिए प्रशिक्षण उपरांत सभी अपने क्लास के अनुसार पढ़ाई कर रहे हैं।

शिविर में अभ्यास करते युवक-युवतियां। ● फोटोन न्यूज

खेलों के आयोजन स्थल इस प्रकार हैं

- **एथलेटिक्स :** बालक एवं बालिका अंडर 14 वर्ष, 17 वर्ष, 19 वर्ष तक प्रशिक्षण शिविर स्थल बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, होटवार, खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल :** राष्ट्रीय एसजीएफआई प्रतियोगिता अंडर 14 बालक एवम बालिका - 16 से 20 दिसंबर 2023, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) अंडर-19 बालक एवम बालिका 26 से 30 दिसंबर चंद्रपुर (महाराष्ट्र)
- **फुटबॉल :** अंडर 17 बालक एवं बालिका प्रशिक्षण स्थल-खेलगांव।
- राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थलः अंडर 17 बालक 27 दिसंबर से 5 जनवरी तक पोर्ट ब्लेयर अंडमान निकोबार। अंडर 17 बालिका 25 से 29 दिसंबर, सारण (बिहार)।
- **खो-खो :** अंडर-19 बालक एवम बालिका प्रशिक्षण- स्थल खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल :** अंडर-19 बालक एवं बालिका 12 से 16 दिसंबर, नासिक (महाराष्ट्र)।
- **बास्केटबॉल :** अंडर 17 एवं 19 बालक प्रशिक्षण शिविर स्थल-हरिवंश, टाना भगत, खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल :** अंडर-19 बालक 6 से 11 जनवरी, 2024 पटियाला (पंजाब)।
- **वॉलीबॉल :** अंडर 14 बालक एवं बालिका हरिवंश ताना भगत, खेलगांव।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल :** अंडर 14 बालक एवं बालिका 22 से 26 दिसंबर भुवनेश्वर (उड़ीसा)
- **तीरंदाजी :** अंडर 14 ,17 ,19 बालक एवम बालिका प्रशिक्षण स्थल - सिल्ली।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल :** अंडर 14 बालक एवम बालिका 13 से 14 दिसंबर नाडियाड (गुजरात) अंडर 17 बालक एवं बालिका 17 से 18 दिसंबर नाडियाड (गुजरात) अंडर-19- बालक एवम बालिका 9 से 10 दिसंबर नाडियाड (गुजरात)।
- **जिमनास्टिक :** अंडर 14, 17, 19 बालक एवं बालिका प्रशिक्षण स्थल-सेरसा, (चाईबासा)।
- **राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजन स्थल :** 16 से 23 दिसंबर (नई दिल्ली)।

भारत भारती का झारखंड दिवस समारोह आज

कई राज्यों के 12 दलों की होगी प्रस्तुति

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय एकात्मता के लिए कार्यरत संस्था भारत भारती और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को डीएसपीएमयू प्रेक्षागृह में झारखंड दिवस समारोह मनाया जाएगा। इसमें रांची में रहने वाले विभिन्न राज्यों के लोगों के 12 सांस्कृतिक दलों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति की जाएगी।

कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी और डीएसपीएमयू के कुलपति प्रो तपन कुमार शांडिल्य भी विशेष तौर पर शामिल होंगे। भारत भारती के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विनय पत्राले ने बताया कि भारत का प्रत्येक प्रमुख शहर आज भारत का लघु स्वरूप बनकर उभर रहा है। एक शहर में रहने वाले विभिन्न भाषा भाषी

लोगों में स्नेहबंध विकसित हो, मैत्री भाव जागृत हो, विविध उत्सव, त्योहार, नृत्य, कला, परंपरा आदि के माध्यम से अभिव्यक्त होने वाली संस्कृति के इस पुण्य प्रवाह की अनुभूति सभी नागरिक करें, इसी उद्देश्य से यह संस्था कार्यरत है।

उन्होंने कहा कि एक ही शहर में रहने वाले विविध प्रांतों के विभिन्न समाज के लोग एकत्रित होकर लघु भारत की संकल्पना साकार करें, आपसी सामंजस्य के उजाले से संकुचित प्रादेशिकता का कुहासा दूर हो, जन-जन एक दूसरे से जुड़े, देश की मिट्टी के साथ जुड़ाव हो और जन-जन में भारत भक्ति भाव जागृत हो, यही ध्येय भारत भारती का है।

रेंगड़ाहातु पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में विधायक दीपक बिरुवा ने दिया निर्देश

राज्य सरकार के संपूर्ण योजनाओं की जानकारी जनता को दें अधिकारी

PHOTON NEWS CHAIBASA : टोंटो प्रखंड के रेंगड़ाहातु पंचायत में शनिवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में विधायक दीपक बिरुवा शामिल हुए। विधायक ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की यह अहम योजना है। सरकार पंचायत-पंचायत में शिविर आयोजित कर आम लोगों की समस्याओं से अवगत हो रही है। वही इसका त्वरित निदान भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा हेमंत सोरेन का लक्ष्य है कि आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचे।

महिलाओं को फल वितरित करते विधायक। ● फोटोन न्यूज

आमलोगों की जो भी समस्याएं होगी, सीधे संपर्क करे। विधायक ने आम नागरिकों से अनुरोध करते हुए कहा कि पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों में पहुंच कर शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन देने की अपील की। इस दौरान केंद्र सरकार को निशाना साधते हुए कहा कि बीते चार वर्षो से गरीब लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभ नही मिल पाया है। जबकि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से निरन्तर मांग भी किया। लेकिन केंद्र सरकार हमेशा अनदेखा करते गए। इसको देखते हुए हेमन्त सोरेन की सरकार ने जनता की हित के लिए अबुआ आवास योजना की स्वीकृति दी है। जिससे हर गरीबो को तीन कमरों की आवास मिलेगी। उन्होंने कहा हमारी सरकार जो भी वादा जनता से की है उसे धीरे धीरे पूरा कर रही हैं। उन्होंने शिविर में उपस्थित पदाधिकारियो को सख़्त निर्देश देते हुए कहा कि निरीह लोगो की मदद करे। राज्य सरकार की सम्पूर्ण योजनाओं की जानकारी जनता को दे। विधायक ने शिविर में लगे सभी स्टॉल का निरीक्षण भी किए। इस दौरान कई लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का भी वितरण किया गया। वहीं बीडीओ ललित कुमार भगत ने राज्य सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मौके पर प्रखंड 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य मुन्ना सुंडी, प्रखंड प्रमुख अनिता बारी, मुखिया एलिस लागुरी समेत अन्य उपस्थित थे।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, एक आईईडी बरामद

PHOTON NEWS CHAIBASA : सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। शनिवार को सुरक्षाबलों ने गोइलकेरा थाना क्षेत्र के मरादिरी के आस-पास जंगली पहाड़ी क्षेत्र से पांच किलो का एक आईईडी बरामद किया है। ये आईईडी सुरक्षाबलों को टारगेट के लिए नक्सलियों ने बिछा रखा था। सुरक्षा दृष्टिकोण से सुरक्षाबलों ने मौके पर ही आईईडी को नष्ट कर दिया। इसकी पुष्टि करते हुए एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय हैं। इसे लेकर 10 अक्टूबर से एक संयुक्त अभियान गोईलकेरा थाना क्षेत्र के कुईरा, छोटा कुईरा, मारादिरी मेरालगडा, हाथीगुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र और टोन्टो थाना क्षेत्र के हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका रेगड़ा। पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है। अभियान के दौरान 5 केजी का एक आईईडी बम बरामद किया गया और सुरक्षा की दृष्टि से उसी जगह उसे नष्ट कर दिया गया।

बरामद आईईडी। ● फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

ब्राह्मणी नदी में डूबकर छात्र की मौत

ROURKELA : राउरकेला के प्रधानपाली के पास ब्राह्मणी नदी में डूबने से डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्र की मौत हो गई। छात्र का शव भी नहीं मिला है। स्थानीय लोगों ने 2 छात्रों को बचा लिया। लापता छात्र को अग्निशमन दल के द्वारा तलाशी अभियान जारी है।

बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम में प्रशिक्षण सत्र शुरू

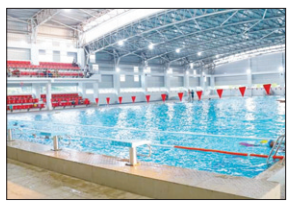

ROURKELA : राउरकेला के बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम के परिसर में स्थित स्विमिंग पूल में तैराकी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया है। बेहतर प्रशिक्षण के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा सुबह और शाम दोनों समय तैराकी का प्रशिक्षण दिया जाता है। 5 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रशिक्षण शुल्क 500 रुपये है, जबकि 14 वर्ष से अधिक आयु के प्रशिक्षुओं को तैराकी शुल्क 750 रुपये का भुगतान करना आवश्यक है।

सुंदरगढ़ जिला थीम पार्क पारिजात पार्क और समलेश्वरी मंदिर का दौरा

SUNDARGARH : जिला कलेक्टर डॉ. पराग हर्षद गभली ने शनिवार को समलेश्वरी मंदिर के साथ-साथ शहर के बाहरी इलाके महेशडीही में थीम पार्क और पारिजात पार्क का दौरा किया। उन्होंने दौरे के दौरान उन्होंने वहां मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की और यहां चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और काम को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। जिलापाल डॉ. गभली महेशडीही स्थित थीम पार्क गये और वहां विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

सुंदरगढ़ : शून्य दुर्घटना मृत्यु सप्ताह मना निकाली गयी सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली

PHOTON NEWS SUNDARGARH : शून्य दुर्घटना संबंधी मृत्यु सप्ताह शुक्रवार को सुंदरगढ़ में मना। इस दौरान सड़क सुरक्षा रथ को जिलापाल डॉ. पराग गभली, सुरक्षा अधीक्षक प्रत्युष दिवाकर , अतिरिक्त जिलापाल रवि नारायण साहू ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया।

राज्य में शून्य दुर्घटना मृत्यु सप्ताह (1 से 7 दिसंबर तक) मनाया जा रहा है, इस सड़क सुरक्षा रथ को सड़क सुरक्षा जागरूकता का संदेश देने के लिए सुंदरगढ़ जिले के विभिन्न स्थानों पर रथ जाने की योजना है। इस अवसर के दौरान जिला परिवहन कार्यालय के कर्मचारियों ने सड़क सुरक्षा के बारे में संदेश देने के लिए बाइक रैली में शहर का परिक्रमा किया। इस दौरान बिना हेलमेट के वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, अत्यधिक गति से वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, कम18 साल उम्र के बच्चे का वाहन न चलाएं। उन्होंने लोगों को लेन की स्थिति जैसे लेन की क्षमता, गाड़ी में उचित रोशनी की व्यवस्था, संकेतक लाइट और अ कागजात और गाड़ी की फिटनेस, विपरीत दिशा में गाड़ी चलाना खतरनाक के बारे में समझाया। गलत जगह पार्किंग या अवैध पार्किंग नहीं करने की सलाह दी।

कार्यक्रम के दौरान अलकोहल जांच करते अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

कार्यक्रम में क्षेत्रीय परिवहन पदाधिकारी सुकांत कुमार दास, जिला शिक्षा पदाधिकारी अमूल्य प्रधान, एमवीआई दलानी साह, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी नंदिनी मुंडारी, मुकेश कुमार मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला कॉलेज चाईबासा में एनएसएस सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन

CHAIBASA : राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। इसके गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है। प्रत्येक वॉलंटियर को एक एक्डेमिक वर्ष में 120 घंटे रेगुलर एक्टिविटी और स्पेशल कैंप करना अनिवार्य होता है। उसके बाद उसे सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। यह सर्टिफिकेट वॉलंटियर के कैरियर एन्हांसमेंट के लिए भी लाभकारी है। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वॉलिंटियर्स के द्वारा अपने अनुभव को साझा किया गया। मौके पर दारा सिंह गुप्ता ने एनएसएस के महत्व को बताया और कहा भारत सरकार द्वारा लागू की जा रही सभी मुख्य योजनाओं में एनएसएस को शामिल किया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के उपलक्ष्य में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : स्थानीय सामाजिक कल्याण संस्थान क्षेत्रीय पुनर्वास और अनुसंधान केंद्र (आरआरआरसी) और निजी विद्यालय आशादीप और मारवाड़ी महिला मंच द्वारा कलिंग बिहार शाखा के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस मनाया गया। इस दौरान विकलांगों के लिए एक खेल प्रतियोगिता को साइंस पार्क मैदान में आयोजित की गई है।

आरआरआरसी के संस्थापक अध्यक्ष रामचन्द्र बेहरा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मारवाड़ी महिला मंच कलिंगबिहार शाखा की अध्यक्ष सपना अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल, संस्था के निदेशक त्रिलोचन पाढ़ी, आशादीप के प्राचार्य प्रकाश कुमार पांडा कार्यक्रम में भाग लिया दिव्यांगों को खेल, नृत्य, संगीत आदि के माध्यम से समाज की मुख्य धारा में लाने के बारे में उन्होंने अपनी राय व्यक्त की ।

प्रतियोगिता में शामिल विकलांग महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

खेल प्रतियोगिता में 100 मीटर ट्राइसाइकिल दौड़, आशाबादी दौड़, शॉट-फुट थ्रो आदि में 50 से अधिक दिव्यांगों ने भाग लिया। इन सभी खेलों में विकलांग नीम बहादुर, सुनील डंग, सुदानी एक्का, मनीषा डंग प्रथम स्थान अर्जित किया। इन्हे विकलांगता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। इस खेल कार्यक्रम के मुख्य संचालक शांतनु कुमार पलाई, लक्ष्मीनारायण गिरि, सत्यरंजन मल्लिक, लीतांजलि पति, गीता साहू, दमयंती राउत, गौतम मोहंती, मुकेश रंजन बारिक उपस्थित थे।

उत्तराखंड सुरंग से लौटे श्रमिकों से मिले सीएम नवीन पटनायक, बताया सच्चे हीरो

प्रत्येक श्रमिक को दी दो लाख रुपये की सहायता राशि

PHOTON NEWS BHUBANESHWAR : उत्तराखंड सुरंग से बचाए गए श्रमिक शनिवार को भुवनेश्वर पहुंचे और नवीन निवास में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उन्हें बधाई देते हुए उनके स्वास्थ्य का हाल चाल लिया। उन्होंने सभी के ठीक होने की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रत्येक श्रमिक को 2 लाख रुपये की सहायता दी है।

मुख्यमंत्री ने उनसे सुरंग के अंदर उनके संघर्षपूर्ण जीवन के बारे में भी सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे सचमुच हीरो हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उन्होंने अपने जीवन के लिए संघर्ष किया और विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए जीत हासिल की वह वास्तव में प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री से मिलने वाले कार्यकताओं में मयूरभंज से राजू नायक, धीरेन नायक और बिशेश्वर नायक और नबरंगपुर से भगवान भतरा शामिल थे। उनके साथ उनके परिवार भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ उत्तराखंड से लौटे श्रमिक। ● फोटोन न्यूज

वहीं वीके पांडियन ने उनसे वीडियो चैट की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी। इस मुलाकात के दौरान श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक उपस्थित थे। मंत्री शारदा नायक उनके रेस्क्यू ऑपरेशन दौरान उत्तराखंड गये और सभी को लेके ओडिशा वापस आये।

SR रुंगटा ए डिवीजन लीग : लारसन क्लब को पराजित कर यंग झारखंड क्रिकेट क्लब ने की शानदार शुरुआत

PHOTON NEWS CHAIBASA : एसआर रूंगटा ए-डिवीजन लीग के गत वर्ष की विजेता टीम यंग झारखण्ड क्रिकेट क्लब चाईबासा ने लारसन क्लब चाईबासा को 39 रनों से पराजित कर अपना विजय अभियान शुरू किया। बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर शनिवार को खेले गए उद्घाटन मैच में टॉस लारसन क्लब के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी यंग झारखण्ड क्रिकेट क्लब की स्थिति अच्छी नहीं रही। उसके शुरू के तीन विकेट मात्र 22 रन के स्कोर पर गिर गए परंतु चौथे विकेट के लिए कप्तान हर्ष कुमार एवं आशीष चौधरी ने 66 रनों की साझेदारी निभाकर टीम को संकट से उबारा। हर्ष कुमार 32 रन बनाकर फैजानुल रहमान की गेंद पर पगबाधा का शिकार हुआ उस समय टीम का स्कोर मात्र 88 रन था। ऐसा लग रहा था मानों टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहेगी परंतु पाँचवे विकेट के लिए आशीष चौधरी एवं यशस्वी मिश्रा ने 120 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुँचाया। आशीष ने सात चौकों एवं तीन छक्कों की मदद से 70 रनों की बेशकीमती पारी खेली जबकि यशस्वी मिश्रा ने भी चार चौकों एवं एक छक्का की सहायता से 50 रन ठोके। बाद के बल्लेबाजों में विकास यादव ने 36 रन तथा सन्नी मिश्रा ने 23 रन बनाकर टीम के स्कोर को सम्मानजनक स्थिति में पहुँचाया। लारसन क्लब चाईबासा की ओर से तेज गेंदबाज विकास तिवारी ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 36 रन देकर 5 विकेट चटकाए। विनीत को तीन तथा फैजानुल रहमान को दो सफलता हाथ लगी।

यंग झारखंड क्रिकेट क्लब की टीम। ● फोटोन न्यूज

जीत के लिए निर्धारित 35 ओवर में 257 रनों के पहाड़ सा लक्ष्य का पीछा करने उतरी लारसन क्लब की पूरी टीम 33.3 ओव़र में 217 रन बनाकर आल आउट हो गई। इस टीम की ओर से एकमात्र सफल बल्लेबाज आकर्ष गुप्ता रह जिसने 12 चौकों एवं तीन छक्कों की मदद से 102 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली पर उसके आउट होते ही पूरी टीम ने मानों आत्मसमर्पण कर दिया। अन्य बल्लेबाजों में ललित शुक्ला ने तीन चौकों एवं तीन छक्कों की मदद से 46 रन तथा जय प्रकाश गुप्ता ने चार चौकों की मदद से 18 रन बनाए। अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया।

यंग झारखंड क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए यशस्वी मिश्रा ने 23 रन देकर 3 विकेट, सन्नी मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट तथा आयुष पाल ने 34 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। कप्तान हर्ष कुमार एवं अरुण यादव को एक-एक सफलता हाथ लगी।

श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर और कैट के सहयोग से इंस्टीच्यूट फॉर एजुकेशन कॉलेज की ओर से आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार शुरु

एसपी गांव में जाकर बुजुर्गों को मतदान के लिए कर रहे जागरूक

ADITYAPUR : सरायकेला जिला पुलिस अभी से मतदान करने को जागरूकता अभियान चलाने में जुट गई है। जिले के एसपी डॉ विमल कुमार ने शनिवार को जिले के सरायकेला प्रखंड के बड़ा कांकडा गांव में बुजुर्गों में बुके और फल वित्तरित कर उन्हें लोकसभा चुनाव में मतदान करने की अपील करते नजर आए। वे गांव में जाकर तकरीबन 100 बुजुर्गों से डोर टू डोर मिले और उन्हें मतदान के प्रति जागरूक किया। जिले के एसपी ने कहा कि जिला पुलिस मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने का अभियान चला रही है।

दुनिया भर में चहुमुखी विकास व सुधार है जी-20 का उद्देश्य : अर्जुन मुंडा

- उत्तम समाज का निर्माण के लिए शिक्षण संस्थानों का गुणवत्तापूर्ण होना जरूरी : डॉ जगदीश पाटिल
- शिक्षा का विकास, ई-कार्मस, स्वास्थ्य व खेलकूद को बढ़ावा झारखंड के विकास का एक सफल प्रयास : डॉ शुक्ला माहांती

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : इंस्टीच्यूट फॉर एजुकेशन कॉलेज की ओर से एवं श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर तथा कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (कैट) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार शनिवार को समारोह पूर्वक आरंभ हुआ। सेमिनार का आयोजन बिष्टुपुर स्थित श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल प्रेक्षागृह में किया गया है। इसका विषय जी-20 में युवाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, ई-कॉमर्स एवं नैतिकता : झारखंड के परिप्रेक्ष्य में संभावनाएं है। दीप प्रज्वलित कर सेमिनार की शुरूआत की गई। सेमिनार में मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने विभिन्न राज्यों से आये शिक्षाविदों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जी-20 का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य, पर्यावरण, भ्रष्टाचार, कृषि आदि पर विशेष चर्चा है, ताकि कैसे सुधार किया जा सके। उदघाटन सत्र के दौरान मुंडा समेत अन्य अतिथियों ने कॉलेज के जनरल तथा सोवेनियर का विमोचन किया। यह इंस्टीच्यूट फॉर एजुकेशन महाविद्यालय का समस्त परिवार के लिए बहुत ही यादगार और गौरव का दिन रहा जो शिक्षा और समाज के विकास के लिए सफल प्रयास है।

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) के सलाहकार डॉ जगदीश पाटिल ने व्याख्यान प्रारूप प्रस्तुत किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020 की प्रसंगिकता और महात्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही बताया कि महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों और शिक्षा की गुणवत्ता को कैसे सुधारा जा सके, जिससे अच्छा ग्रेड हासिल किया जाये और संस्थान, शिक्षक और छात्र सबों को विकास का अवसर प्राप्त हो। ताकि उत्तम समाज का निर्माण हो सके। इससे नैक की समस्त जानकारियों से सभी अवगत हुए और शंकाओं को दूर करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह सभी संस्थान के लिए लाभप्रद रहा। इग्नू रांची के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ शुभकांत मोहन्ती ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा द्वारा भी एक साथ कई पाठ्यक्रम को पढ़ कर कौशल विकास किया जा सकता है। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया इंडस्ट्री के राष्ट्रीय सचिव सुरेश सोन्थालिया ने युवाओं को तकनीकी से जोड़ कर आगे बढ़ाने की बात की। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास करने का लक्ष्य पूरा करने के लिए हौसला देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर अतिथियों का पारंपरिक नृत्य एवं गीत के साथ स्वागत किया गया। इंस्टीच्यूट फॉर एडुकेशन के निदेशक आरएन माहान्ती ने स्वागत भाषण किया। कोल्हान विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ शुक्ला माहान्ती सेमिनार का व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का विकास, ई-कार्मस, स्वास्थ्य तथा खेल-कूद को झारखंड राज्य को बढ़ाने के एक सफल प्रयास का पहला कदम के रूप में देखा जा सकता है। नई शिक्षा नीति का लाभ उठाकर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को लाभान्वित करने का प्रयास होगा। वहीं कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत व नृत्य प्रस्तुत किया। तत्पश्चात अतिथियों को पुष्पगुच्छ, साल तथा स्मृति भेंट कर सम्मानित किया गया।

उद्घाटन सत्र के बाद सेमिनार के पहले दिन दो तकनीकी सत्र हुए। प्रथम सत्र का विषय ई-कार्मस था जिसके सभाध्यक्ष एक्सएलआरआई के प्रो वेणुगोपाल थे। इसमें रिर्पोटियर की भूमिका सिक्की कुमारी ने निभाई। इसमें डॉक्टर तूलिका मोहंती। डॉ मनोज कुमार पाठक, डॉ ऋचा पांडा एवं सिक्की कुमारी ने अपने पेपर प्रस्तुत किये। द्वितीय सत्र का विषय शिक्षा था। इसकी अध्यक्षता इग्नू देवघर के निदेशक डॉ सरोज कुमार मिश्रा ने की। रिर्पोटियर श्रावणी मुखर्जी रहीं। इसमें डॉ स्वीटी सिन्हा एवं वंदना कुमारी ने अपने पेपर प्रस्तुत किये। धन्यवाद ज्ञापन डॉ स्वीटी सिन्हा ने किया। राष्ट्रीय गान के साथ सेमिनार के पहले दिन की गतिविधियां संपन्न हुई।

सर्वर रूम में भारी नुकसान

पटना में उद्योग भवन की बिल्डिंग में लगी आग

पटना: के गांधी मैदान के पास बियाडा (बिहार इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी) की बिल्डिंग में देर रात लगभग दो बजे आग लग गई। एक बजे फायर अलार्म बजा, इसके बाद वहां तैनात कर्मियों ने पावर कट कर दिया। इसकी सूचना अधिकारियों को दी। इसके बाद अधिकारी आनन-फानन में बियाडा दफ्तर पहुंचे। मुआयने के बाद अधिकारियों ने फिर से पावर सप्लाई शुरू करवा दी। इसके कुछ ही देर के बाद थर्ड फ्लोर से धुआं उठने लगा। पूरा दफ्तर धुआं-धुआं हो गया। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की करीब छह गाड़ियां मौके पर पहुंची। तीसरे फ्लोर पर शीशा तोड़कर फायर ब्रिगेड के कर्मी अंदर घुसे। आग बुझाने में हाइड्रोलिक मशीन का इस्तेमाल किया गया। 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने की घटना में सर्वर रूम में काफी नुकसान हुआ है। बियाडा ऑफिस उद्योग विभाग के अंतर्गत आता है। यहां उद्योग विभाग से जुड़े अधिकारी बैठते हैं। घटनास्थल पर मौजूद अग्निशमन विभाग के अनुमंडल पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि सुबह 4-5 बजे के करीब इसकी सूचना मिली। जिसके बाद दमकल विभाग की टीम 2 गाड़ियों के साथ उद्योग भवन पहुंची। उस समय दफ्तर से धुआं निकल रहा था। कोई जनहानि नहीं हुई है। थर्ड फ्लोर के सर्वर रूम में नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आगे बताया कि आग पर काबू पाने के लिए कंक-ड़बाग, सचिवालय से भी अग्निशमन की गाडियां मंगाई गई थीं। बियाडा के पदाधिकारियों ने आग लगने की घटना पर चुपी साध ली है। फायर अलार्म लगा हुआ है, चिंगारी निकलने पर भी बजने लगता है।

बावजूद इसके आग लग गई। उद्योग विभाग के इस दफ्तर में महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट्स भी होते हैं। आग कैसे लगी, कारण स्पष्ट नहीं किया जा रहा है। गार्ड्स ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी।

संक्षिप्त डायरी

समस्तीपुर के सिंगर की संदिग्ध की स्थिति में मौत

समस्तीपुर: जिले के जाने-माने आर्केस्ट्रा के सिंगर ऋतुराज सिंह की संदिग्ध स्थिति में शनिवार को मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची मुफस्सिल पुलिस ने शव जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया है। मृतक सिंगर पोखरैड़ा गांव के रहने वाले हैं। परिजनों ने साजिश के तहत जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के संबंध में सिंगर ऋतुराज के मौसेरे ससुर नवीन कुमार तिवारी का कहना है कि रात करीब 2:00 बजे उनकी साढू की बेटी ने फोन कर बताया कि ऋतुराज को उनका एक मित्र जिसका नाम कन्हैया है बेहोशी की स्थिति में लाया है। मामले की जानकारी पर वे तड़के पोखरैड़ा गांव पहुंचे और ऋतुराज को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। बाद में परिवार के लोग उसे लेकर पुनः सदर अस्पताल पहुंचे। शनिवार दोपहर सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने भी उन्हें मृत पाया। इसके बाद घटना की जानकारी मुफस्सिल पुलिस कर दी गई। शाम करीब 5:00 बजे फोन आने पर घर से निकले थे ऋतुराज परिवार के लोगों का कहना है कि शुक्रवार शाम करीब 5 बजे ऋतुराज के नंबर पर एक फोन आया था। फोन किसका है इसके बारे में परिवार के लोगों को जानकारी नहीं है। फोन आने के बाद वह घर से निकला था। रात करीब 2 बजे उनका मित्र उन्हें लेकर पहुंचा तो वह बेहोशी की स्थिति में थे।

ससुर के खेत में गड़ा मिला लापता दामाद

मुजफ्फपुरः में ससुर के खेत में दामाद का शव मिला है। हाथ-पैर बांधकर उसे खेत में ही दफना दिया गया था। चंदन कुमार (33) 24 नवंबर को ससुराल गया था। 25 नवंबर को वो ससुराल से ही लापता हो गया। 1 दिसंबर को उसकी लाश ससुराल से ढाई सौ मीटर दूर खेत में दफनाई हुई मिली। डेढ़ फीट गहरा गड्ढा खोदकर शव को दफनाया गया था।मामले में मृतक की पत्नी, साले और ससुर को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जबकि पुलिस पत्नी के दूसरे भाई की तलाश कर रही है। शुक्रवार को दामाद का शव मिलने के बाद तीनों को पुलिस ने पकड़ा था। मृतक मधुबनी के झंझारपुर थाना क्षेत्र नवानी गांव निवासी चंदन कुमार (33) है। मामला गायघाट थाना क्षेत्र के बरुआरी गांव का है। बताया जा रहा है ससुराल में चंदन का पत्नी के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इसके बाद से वो लापता हो गया। उसकी पत्नी ने थाने में गुमशुदगी को लेकर आवेदन दिया था। पुलिस के अनुसार युवक की हत्या कर शव को छिपाने के लिए हत्यारों ने उसे मिट्टी में गाड़ दिया था। कुत्तों के मिट्टी खोदने की वजह से शव बाहर आ गया। पुलिस की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला गया। शव के हाथ और पैर रस्सी से बंधे मिले थे। हालांकि हत्या किस कारण हुई इसका पता अभी नहीं चला है। पुलिस जांच कर रही है।

अवैध रेल टिकट बनाने को लेकर कार्रवाई

मुजफ्फरपुर : रेल यात्रियों की भीड़ और मजबूरी का फायदा उठाने के लिए मुजफ्फरपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों रेल टिकटों का अवैध कारोबार तेज हो गया है। इस पर नकेल कसने के लिए एक बार फिर रेलवे सुरक्षा बल ने कारवाई तेज कर दी है। इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट के नेतृत्व में देर रात कई साइबर कैफे में छापेमारी की गई। अवैध का टिकट कारोबार करने में शामिल मुजफ्फरपुर के ऑन लाइन साइबर कैफे के संचालक गणेश साव(28 वर्ष)को गिरफ्तार किया गया। इसके पास टिकट निर्माण के कार्य में प्रयुक्त एक लैपटॉप, 21 तत्काल ई टिकट और एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। इस मामले में रेलवे सुरक्षा बल ने मामला पंजीकृत करते हुए अग्रिम कारवाई के लिए रेलवे न्यायालय सोनपुर के लिए बढ़ा दिया है। आरपीएफ पोस्ट मुजफ्फरपुर के प्रभारी इंचार्ज मनीष तिवारी ने बताया कि अवैध रेल टिकट के कारोबार को रोकने के लिए आईजी आरपीएफ पूर्व मध्य रेल अमरेश कुमार के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

भागलपुरः के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के सैनो में मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। घटना में 25 वर्षीय युवक अंगद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से आनन फानन में उसे स्थानीय रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद घायल के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। घायल की स्थिति देख डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए भागलपुर जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।जहां इलाज के दौरान मायागंज अस्पताल में शनिवार की दोपहर युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान राजू तांती के पुत्र अंगद कुमार (25) के रूप में की गई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को अंगद सामान खरीदने के लिए मार्केट गया था। वापस लौटने के दौरान सेनो गांव के समीप ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया था शनिवार के दोपहर उसकी मौत हो गई। मृतक दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था, छठ पर्व में घर वापस लौटा था। एक साल पहले उन्होंने शादी की थी, इधर घटना के बाद परिजनों का बुरा हाल है।

शादी की नीयत से नाबालिग का अपहरण

भागलपुरः के सबौर थाना क्षेत्र से 29 नवंबर की देर रात शादी के नीयत से नाबालिग युवती का अपहरण हुआ है। युवती के मां ने अपहरण का आरोप गांव के ही सागर कुमार नामक शख्स पर लगाया है। जिसकी लिखित शिकायत पुलिस से भी की है। पीड़िता की मां ने कहा कि 29 नवंबर की देर रात नाबालिग यह कहकर के घर से निकली थी कि बगल से आ रही है। लेकिन देर रात हो जाने के बाद भी वापस नहीं लौटी काफी खोजबीन की गई। लेकिन कोई आता-पता नहीं चला। दूसरे दिन पता चला की शादी की नीयत से गांव के ही सागर कुमार ने अपहरण कर लिया है। जिसकी शिकायत लिखित रूप से पुलिस से की है। कथित आरोपी सागर कुमार वर्षों से अपने चाचा के पास रहता है। मूल रूप से वह नवगछिया के बिहपुर निवासी है। दोनों के बीच वर्षों से प्रेम-प्रसंग था, इसके बाद दोनों ने भाग कर शादी कर लेने का फैसला किया। 22 नवंबर को लड़की यह का करके घर से बाहर निकली कि मैं बगल से आ रही हूं, उसके बाद से लापता हो गई। परिजन उसकी काफी खोजबीन कर रही है।

विधायक राजकुमार सिंह के खिलाफ डॉक्टरों ने खोला मोर्चा

बेगूसरायः बेगूसराय में डॉक्टरों ने मटिहानी से JDU विधायक राजकुमार सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। डॉक्टर चंदन को धमकाने के विरोध में बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ के बैनर तले प्रतिरोध मार्च निकाला। जिसमें बड़ी संख्या में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों ने हिस्सा लिया। विधायक के खिलाफ नगर थाने में लिखित शिकायत दी है। डॉक्टरों का कहना है कि सदर अस्पताल में जो घटना घटी है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर चंदन को न्याय नहीं मिला तो आउटडोर और इमरजेंसी सेवा को ठप करेंगे। दरअसल, सदर अस्पताल में खउब्र विधायक राजकुमार सिंह और डॉक्टर चंदन कुमार के बीच दो दिन पहले जमकर बहस हुई थी। इसका एक वीडियो भी सामने आया था। जिसमें मटिहानी विधायक उंगली दिखाकर डॉक्टर चंदन कुमार को धमकाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने डॉक्टर को गुंडा बताया। कहा कि तुम खुद बीमार हो, तुम्हारा इलाज करवाते हैं। तुम्हारी नौकरी खत्म कर दूंगा, इस पर डॉक्टर ने जवाब दिया कि कोई दिक्कत नहीं है। विधायक राजकुमार सिंह डॉक्टर चंदन कुमार के बात करने के तरीके से नाराज दिखे, वहीं डॉक्टर बार-बार बोलते नजर आ रहे हैं कि बर्न वार्ड में उनकी ड्यूटी नहीं है, उनकी ड्यूटी इमरजेंसी में है। दरअसल, मंगलवार को नावकोठी थाना क्षेत्र के पहसारा गांव में एक खंडहरनुमा घर में रखे बम के ब्लास्ट होने से बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका इलाज सदर अस्पताल सहित अन्य जगहों पर चल रहा है। राजकुमार सिंह घायल बच्चों से मिलने सदर अस्पताल पहुंचे थे। परिजनों ने सदर अस्पताल में इलाज में लापरवाही बरतने की शिकायत की थी। विधायक परिजनों की शिकायत पर नाराज हो गए। उसके बाद ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के कैबिन में पहुंच गए। वहां डॉक्टर चन्दन कुमार को खूब खरी खोटी सुनाई।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, एक जख्मी

किशनगंज (बिहार):किशनगंज में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंद दिया जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे टाउन थाना क्षेत्र के हलीम चौक के पास ओवरब्रिज पर दोनों वाहनों के बीच टक्कर हुई है। टक्कर इतना जबरदस्त था कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। क्षतिग्रस्त बाइक की वाहन संख्या बी.आर 37 ए.सी 1772 है। वही इस हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। वही घायल बाइक सवार को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने घायल व्यक्ति की स्थिति नाजुक बताई है। वही घायल व्यक्ति की अबतक पहचान नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर टाउन थाना की पुलिस प्रशासन दल बल के साथ पहुंचकर क्षतिग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही पुलिस अज्ञात भारी वाहन की छानबीन कर रही है और पुलिस घायल की पहचान करने में जुट गई है।

पहले दुष्कर्म का प्रयास...अब जान से मारने की

जमुई : जमुई में समाहरणालय स्थित एसपी कार्यालय में शुक्रवार को चकाई थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली पीड़ित महिला पहुंची। जिसने एसपी शौर्य सुमन को आवेदन देते हुए बताया कि चकाई थाना क्षेत्र के केली डीह गांव का रहने वाला राम यादव का पुत्र नारा यादव के द्वारा उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया। वहीं जब इसका विरोध उसके पति व उसने किया तो दबंग अपने रिश्तेदार सुधीर यादव, कांग्रेस यादव, राम यादव सहित अन्य लोगों को बुलाया और लोहे की रॉड व डंडे से मारपीट शुरू कर दिया जिसमें दोनों घायल हो गए।

पीड़िता ने बताया कि दबंगों द्वारा मारपीट की घटना को लेकर चकाई थाने में आवेदन दिया गया था। लेकिन अब तक एक भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। नतीजतन आरोपी का मनोबल इतना बढ़ गया कि वह घर में घुसकर दोबारा केस नहीं उठाने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। जिस कारण वह अपने घर से दूसरी के घर में रहने को मजबूर हैं। पीड़ित महिला ने एसपी को पूरे मामले की जांच कर सुरक्षा की गुहार लगाई है। साथ ही सभी अभियुक्त के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। प्रभारी थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार दीपक ने बताया कि इसको लेकर एसपी कार्यालय के द्वारा पीड़ित महिला का आवेदन मिला है। पूरे मामले की जांच की जा रही है दोषी पाए जाने पर अभियुक्त की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी अपराधी को छोड़ा नहीं जाएगा।

बिजली की तार चोरी करने वाले गिरोह का हुआ खुलासा

आदापुर: पूर्वी चंपारण पुलिस ने बिजली के पोल से तार चुराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बिजली तार चोर गिरोह के नौ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से दो देसी पिस्टल,चार कारतूस,तीन कैंची कटर मशीन,एक मारुति इको भान,नौ मोबाइल,बिजली का तार और रस्सा बरामद हुआ है। इनकी गिरफ्तारी के बाद जिला के कई प्रखंडों में हुए बिजली के तार चोरी के मामले में कमी होने की अनुमान जताया जा रहा है। इन चोरों की गिरफ्तारी पहाड़पुर थाना क्षेत्र में पहाड़पुर-सोनवल पथ में मनुषदेव बाबा स्थान के पास से हुई है। एसपी कान्तेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पहाड़पुर सोनवल रोड में मारुति इको गाड़ी में कुछ अपराधियों के देखे जाने की सूचना प्राप्त हुई। तत्काल अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में पहाड़पुर थाना और आसूचना इकाई के अधिकारियों की टीम बनाकर छापेमारी करने का निर्देश दिया गया। टीम ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर छापेमारी की। छापेमारी में मारुति इको गाड़ी में सवार नौ अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जिनकी तलाशी लेने पर हथियार और कारतूस के अलावा तार काटने के औजार बरामद हुए। जिनसे सख्ती से पूछताछ की गई। तब उनलोगों ने बताया कि हमलोग रात में घूम-घूम कर बिजली के तार का चोरी करते हैं और बिजली विभाग के संवेदक को बेच देते हैं। बिजली का तार खरीदने वाले संवेदकों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आठ अभियुक्त मोतिहारी और एक गोपालगंज जिला का रहने वाला है। गिरफ्तार अभियुक्तों में पिपराकोठी थाना क्षेत्र का रहने वाला गणेश कुमार और मुन्ना कुमार,बंजरिया थाना का रहने वाला राजकुमार साह,तुरकौलिया थाना का रहने वाला शेख सैदुल्लाह,कोटवा थाना का रहने वाला धर्मेंद्र दास और जुमराती अंसारी,रघुनाथपुर थाना का रहने वाला नरेंद्र गिरी और पहाड़पुर थाना क्षेत्र का रहने वाला रोहित कुमार शामिल है। गोपालगंज जिला के महमदपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला दिलीप कुमार गिरफ्तार हुआ है। इनकी गिरफ्तारी के बाद हरसिद्धि,कोटवा और पिपराकोठी थाना क्षेत्र में कई किलोमीटर तक हुए बिजली तार के चोरी मामले का खुलासा हुआ है।

रामरेखा घाट से पंचकोशी यात्रा शुरू

बक्सर:विश्वप्रसिद्ध पंचकोशी परिक्रमा मेला आज से शुरू हो गया है। पांच दिवसीय इस मेला का शुभारंभ सन्त समाज के द्वारा किया गया। पंचकोशी परिक्रमा समिति के तत्वावधान में बसांव पीठाधीश्वर श्री अच्युत्रापन्नाचार्य जी महाराज के नेतृत्व में सन्त समाज की यात्रा निकाली गई। परिक्रमा की शुरूआत पौराणिक रामरेखा घाट से गंगाजल लेकर रामेश्वर नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद शुरू किया। यात्रा जिला के प्रमुख घाट रामरेखा से रवाना हो गया है जो अहिरौली तक जाएगी। जहां न्याय दर्शन के प्रणेता महर्षि गौतम के आश्रम माता अहिल्या के मंदिर में पूजा अर्चना की जाएगी। यात्रा का पहला पड़ाव आज यहीं होगा। जहां आज बिहार यूपी और झारखंड से श्रद्धालु पहुंच अहिल्या माता के मंदिर में दीप जला सूख शांति की कमाना कर रहे है। जिसको लेकर आज यहां सैकड़ों प्रकार किं दुकानें सजी है। धार्मिक मान्यता के अनुसार त्रेता युग में अयोध्या से श्रीं राम लक्ष्मण बक्सर पहुंचे हुए थे। जहां ऋषि मुनियों पर अत्यचार फैला रहे राक्षसो का अन्त करने के बाद अहिरौली स्थित गौतम ऋषि के आश्रम पहुंचे हुए थे। जहां पत्थर के रूप में अहिल्या का उद्धार भी किया था। तभी से अहिरौली स्थित अहिल्या मंदिर के पास यह एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। जहां दूर दराज से पहुंचे महिला पुरुष भक्त विधि विधान से पूजा अर्चना कर मंदिर के पास ही पुआ पूड़ी बना प्रसाद के रूप में भोग लगाते है। पंचाकोशी परिक्रमा को लेकर जिला प्रशासन एक सप्ताह पहले से ही तैयारी में जुटा हुआ है। मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसकी व्यवस्था पहले से कर लिया गया है।पानी, लाइट,साफ सफाई के साथ सुरक्षा के दृष्टि से जगह जगह मजिस्ट्रेट और महिला पुरुष पुलिस बल को तैनात किया गया है। बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल और एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा मेले की गतिविधि पर खुद नजर बनाए हुए है।

पाकिस्तान परस्तों के साथ महबूबा का प्रेम तो देखो

अहसान फरामोशी के मामले में जम्मू-कश्मीर के कुछ लोगों का कोई जवाब नहीं है। उनकी बार-बार भारत के प्रति घृणा सामने आती ही रहती है। यह तो तब है जब भारत सरकार जम्मू-कश्मीर राज्य के लिए तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। अब ताजा मामले को ही देख लें। राज्य के गांदरबेल में मौजूद 'शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी' के सात छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। इन कश्मीरी छात्रों पर आरोप है कि इन्होंने विगत 19 नवंबर को क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत की हार के बाद जमकर जश्न मनाया और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। छात्रों के ऊपर 'गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम' यानी यूएपीए के तहत केस दर्ज किया गया है। उन्हें अब दिन में तारे नजर आने लगेंगे। यूएपीए के तहत गिरफ्तार किए लोगों के लिए जमानत मिलना भी मुश्किल होता है। अगर किसी के ऊपर इस धारा के तहत मुकदमा दर्ज हो जाता है, तो उसके लिए निचली अदालतों से जमानत लेना बेहद कठिन होता है। इन छात्रों की हरकत के बारे में एक गैर-कश्मीरी छात्र ने शिकायत दर्ज करवाई थी। उसने कहा था कि जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया, तब उनकी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में कश्मीरी छात्रों ने खुलेआम जश्न मनाया। इसकी वजह से वह और उसके बाकी साथी डर गए। डरे और सहमे छात्रों ने हॉस्टल में फोड़े जा रहे पटाखों को लेकर भी आपत्ति जताई। मगर कश्मीरी छात्र जश्न मनाते रहे। शिकायत के बाद पुलिस ने इन सातों कश्मीरी छात्रों को उनके हॉस्टल से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए छात्रों की पहचान तौकीर भट, मोहसिन फारूक वानी, आसिफ गुलजार वार, उमर नजीर डार, सैयद खालिद बुखारी, समीर राशिद मीर और उबैद अहमद के रूप में हुई है। गिरफ्तार कश्मीरी छात्र 'जीवे जीवे पाकिस्तान' (पाकिस्तान जिंदाबाद) के नारे लगा रहे थे। हालांकि कश्मीर में यह कोई पहली बार तो हो नहीं रहा है। कश्मीर घाटी में पाकिस्तान परस्त समय-समय पर सामने आने ही लगते हैं। हालांकि इनकी संख्या कोई बहुत तो नहीं है, पर यह नहीं कहा जा सकता है कि वहां किसी का भी दिल पाकिस्तान के लिए नहीं धड़कता है। जम्मू-कश्मीर के कुछ वे नेता भी उन पाकिस्तान के चाहने वालों के हक में खड़े हो जाते हैं जो विधायक या सांसद भी रहे हैं। जिन्होंने भारत के संविधान में अपनी आस्था की कसम भी खाई है। पाकिस्तान के हक में नारेबाजी करने वाले छात्रों को गिरफ्तार किया तो पीडीपी की नेता महबूबा मुफ्ती को बहुत तकलीफ शुरू हो गई। उनका पाकिस्तान प्रेम सिर चढ़ कर सामने आ गया। उन्होंने गिरफ्तार छात्रों के लिए तत्काल पैरवी करनी चालू कर दी। वह पहले भी पाकिस्तान के साथ बेशर्मी के साथ खड़ी हुई नजर आती ही रही हैं। याद नहीं आता कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मुंबई हमलों के गुनहगारों को फांसी देने की भी कभी पाकिस्तान सरकार से मांग की हो। यह भी याद नहीं आता कि महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान के घोर भारत विरोधी नेताओं जैसे शेख राशिद अहमद और फावद चौधरी की बयानबाजी पर कभी आपत्ति जताई हो। यह दोनों भारत पर एटमी हमला तक करने की धमकी देते रहे हैं। तब महबूबा मुफ्ती की जुबां सिल जाती है, जब वहां का कोई नेता भारत पर हमला करने की बातें करता है। जरा सोचिए कि जिस पाकिस्तान को सारी दुनिया आतंक का गढ़ मानती है, उसके प्रति महबूबा मुफ्ती का प्रेम कितना खुलकर सामने आ जाता है। उनकी इस घृष्टता की अनदेखी तो नहीं की जा सकती। क्या महबूबा मुफ्ती को पता नहीं है कि मुंबई हमलों के सारे के सारे हमलावर पाकिस्तानी थे? क्या वह मानती हैं कि अजमल कसाब पाकिस्तानी नहीं था? सारी दुनिया को पता है मुंबई में हमला पाकिस्तान में रहने वाले कठमुल्लों ने ही पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से ही करवाया था। भारत ने उस हमले के तमाम पुख्ता साक्ष्य पाकिस्तान को दिए। पर महबूबा मुफ्ती ने उन भयावह हमलों के लिए कभी पाकिस्तान को नहीं घेरा। पूर्व पाकिस्तान प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने भी माना था कि मुंबई में 2008 में हमला पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकियों ने ही किया था। शरीफ ने कहा था कि मुंबई में हुए बड़े आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तानी आतंकियों का हाथ था। क्या महबूबा मुफ्ती ने कभी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ने के क्रम में अपनी जान लेने वाले तुकाराम ओम्बले के परिवार से मिलने की इच्छा तक जताई? क्या वह उनका अपना नायक नहीं मानती है? खैर, अब देश जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान को चाहने वालों को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह आस्तीन के सांप हैं। इन्हें खदेड़ा जाएगा। इन्हें चुन-चुनकर मारा जाएगा। भारत बदल चुका है। अब अपने देश में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' कहने वालों की खैर नहीं है। जम्मू-कश्मीर में पहले भी पाकिस्तान के पक्ष में नारेबाजी होती रही है। तब भी पुलिस ने कठोर एक्शन लिया था। तब भी महबूबा मुफ्ती या उनके जैसे लोग पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों के बचाव में आते रहे थे। इनका तर्क था कि 'पाकिस्तान जिंदाबाद' कहने में बुराई ही क्या है? क्या उन्होंने पेरू जिंदाबाद कहा होता तो किसी को कोई एतराज होता? अब इन अक्ल के दुश्मनों से पूछ लो कि क्या अजमल कसाब को पेरू ने मुंबई में खून-खराबा करने के लिए भेजा था ? क्या इन्हें याद नहीं है कि मुंबई में कसाब और उसके साथियों ने किस तरह से सैकड़ों मासूम हिन्दुस्तानियों को मौत के घाट उतारा था? अगर इससे भी उनका दिल खुश नहीं होता तो याद कर लीजिए कि करगिल में पाकिस्तान ने क्या किया था।

दिव्यांगों का भी हो समुचित विकास

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

यह एक कड़वी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित हैं। दुनिया में 8 प्रतिशत लोग दिव्यांगता का शिकार हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 2.21 प्रतिशत आबादी यानी 2.68 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की दिव्यांगता से ग्रस्त हैं। दिव्यांग जनसंख्या में 56 प्रतिशत (1.5 करोड़) पुरुष हैं और 44 प्रतिशत (1.18 करोड़) महिलाएं हैं। दिव्यांगता अभिशाप नहीं है। शारीरिक अभावों को यदि प्रेरणा बना लिया जाये तो दिव्यांगता व्यक्तित्व विकास में सहायक हो जाती है। यदि सोच सही रखी जाये तो अभाव भी विशेषता बन जाते हैं। दिव्यांगों का मजाक बनाना, उन्हें कमजोर समझना एक भूल और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 दिसंबर 2015 को ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम में कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक ह्यदिव्य क्षमताह्ल है और उनके लिए ह्यविकलांगह्ल शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

समाज में दिव्यांगता को एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है। जिसे सुधारने की आवश्यकता है। इसीलिए हर साल 3 दिसंबर को विश्व विकलांग दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की गयी। इसका उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता नहीं होता है कि हमारे आसपास कितने दिव्यांग रहते हैं। उन्हें समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। यह एक कड़वी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित हैं। दुनिया में 8 प्रतिशत लोग दिव्यांगता का शिकार हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 2.21 प्रतिशत आबादी यानी 2.68 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की दिव्यांगता से ग्रस्त हैं। दिव्यांग जनसंख्या में 56 प्रतिशत (1.5 करोड़) पुरुष हैं और 44 प्रतिशत (1.18 करोड़) महिलाएं हैं। दिव्यांगता अभिशाप नहीं है। शारीरिक अभावों को यदि प्रेरणा बना लिया जाये तो दिव्यांगता व्यक्तित्व विकास में सहायक हो जाती है। यदि सोच सही रखी जाये तो अभाव भी विशेषता बन जाते हैं। दिव्यांगों का मजाक बनाना, उन्हें कमजोर समझना एक भूल और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 दिसंबर 2015 को मन की बात कार्यक्रम में कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक दिव्य क्षमता है और उनके लिए

विकलांग शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्ति में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगों को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदला है। आज भी दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से देखा जाता है। भले ही देश में अनेकों दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का उनके प्रति वहीं पुराना नजरिया बरकरार है। विकलांगों के अधिकारों के लिए काम कर रहे संगठन नेशनल प्लेटफॉर्म फॉर द राइटस ऑफ डिसएबिल्ड ने प्रधानमंत्री मोदी के दिव्यांग शब्द पर उनको पत्र लिखकर कहा कि था कि केवल शब्द बदलने मात्र से विकलांगों के साथ होने वाले व्यवहार के तौर-तरीके में कोई बदलाव नहीं आएगा। सबसे बड़ी जरूरत विकलांगों से जुड़े अपयश, भेदभाव और हाशिए पर डालने के मुद्दों पर ध्यान देने की है। दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। तैमूरलंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ व एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधाचंद्रन का दायां पैर नहीं था। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है। भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदण्ड बनाये हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक उनके अनुसार दिव्यांगों को दिव्यांग होने का प्रमाणपत्र जारी नहीं करते। जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधायें पाने से वंचित रह जाते हैं। सरकार द्वारा देश में दिव्यांगों के लिए कई नीतियां बनायी गयी हैं। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगों के लिए सरकार ने पेंशन की योजना चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगों के लिए महज मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है। देश में दिव्यांगो को दी जाने वाली सुविधाएं कागजों तक सिमटी हुई हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां दिव्यांगों को एक चौथाई सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। केन्द्र सरकार ने देशभर के दिव्यांग युवाओं को केन्द्र सरकार में सीधी भर्ती वाली सेवाओं के मामले में दृष्टि बाधित, बधिर और चलने-फिरने में दिव्यांगता या सेरेब्रल पल्सी के शिकार लोगों को उम्र में 10 साल की छूट देकर एक सकारात्मक कदम उठाया है। दिव्यांगता शारीरिक अथवा मानसिक हो सकती है किन्तु सबसे बड़ी दिव्यांगता हमारे समाज की उस सोच में है जो दिव्यांग जनों से हीनभाव रखती है। जिसके कारण एक असक्षम व्यक्ति असहज महसूस करता है। अब दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच को बदलने का समय आ गया है। दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा में तभी शामिल किया जा सकता है जब समाज इन्हें अपना हिस्सा समझे। इसके लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की जरूरत है। हाल के वर्षों में दिव्यांगों के प्रति सरकार की कोशिशों में तेजी आयी है। दिव्यांगों को कुछ न्यूनतम सुविधाएं देने के लिए प्रयास हो रहे हैं। हालांकि योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सरकार पर सवाल उठते रहे हैं। पिछले दिनों क्रियान्वयन की सुस्त चाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार भी लगायी थी। दिव्यांगो को शिक्षा से जोडना बहुत जरूरी है। मूक-बधिरों के लिए विशेष स्कूलों का अभाव है। जिसकी वजह से अधिकांश विकलांग ठीक से पढ़-लिखकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते हैं।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

क्लास रूम तक ड्रग्स की दस्तक

ड्रग्स तस्करी में छात्रों की गिरफ्तारी ने 'शिक्षा मंदिरों' की विश्वसनीयता पर सीधे सवाल खड़े कर दिए हैं। एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न नामी शिक्षण संस्थाओं में फैला ह्यड्रग्स का सिंडिकेट खेल, कोई आज का नहीं, बहुत पहले का है। कॉलेजों के भीतर छिटपुट घटनाएं पूर्व में भी बहुतेरी हुई जिसे कॉलेज प्रशासन द्वारा दबाया गया। कई बार क्लास रूम में छात्रों ने नशे में साथी क्लासमेट के साथ खूनी वारदात को भी अंजाम दिया, फिर भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। इस पूरे खेल की जानकारियां शिक्षा संस्थाओं के टॉप मैनेजमेंट को बहुत पहले से थी। लेकिन, बदनामी का डर कहें, या शिक्षा की दुकानें बंद होने भय? इन दोनों के डर के चलते सच्चाई पर पर्दा डाला जाता रहा। स्थानीय पुलिस-प्रशासन के बड़े ओहदेदार अफसर इस बात को स्वीकारते हैं कि उन्हें पूरे तंत्र की जानकारियां मौखिक रूप से तो थी, लेकिन, ठोस सबूत और मुकम्मल सूचनाएं नहीं होने से कार्रवाई से वंचित थे। पर, बीते सोमवार यानी 27 नवंबर का दिन शायद मुकर्रर था जिसके बाद पूरा तंत्र एक्सपोज हुआ। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कई ड्रग्स तस्करों के एक साथ नोएडा में दबोचा। लेकिन ये कार्रवाई अचंभित करने वाली रही। पुलिस भी दंग रह गई, जो तस्कर दबोचे गए इनमें ज्यादातर नोएडा के नामी शिक्षण संस्थानों के छात्र हैं। पूछताछ हुई तो प्रशासन के होथ ही उड़ गए। आरोपी छात्रों ने कबूला कि वो एक नहीं, बल्कि नोएडा के तकरीबन सभी प्रसिद्ध कॉलेजों में ड्रग्स की सप्लाई सालों से करते आए हैं। इस खेल में छात्र ही नहीं, हर क्षेत्र के लोग संलिप्त बताए जाते हैं। छात्र ड्रग्स की सप्लाई स्नैपचैट, टेलीग्राम, व्हाट्स ऐप व छोटा पार्सल के जरिए करते थे। उन्हें नशीला पदार्थ देता कौन था? उपलब्ध कहां से और कौन करवाता था? इसका भी उन्होंने खुलासा करके कइयों को नंगा कर दिया। सफेदपोश से लेकर इस खेल के तार विदेशों तक जुड़े हैं। जो गिरोह फिलहाल पकड़ा गया है उसका मुखिया मियां-बीवी बताए गए हैं। पति नोएडा में ही रहता है और उसकी बीवी विदेश में रहकर समुद्र के जरिए नोएडा में ड्रग्स भिजवाती थी। छात्र इस तंत्र में कैसे फंसे, इसका भी खुलासा हुआ है। दरअसल, ड्रग्स तस्कर अच्छे से जानते हैं कि छात्रों को लालच देकर आसानी से फंसाया जा सकता है। सबसे पहले उन्हें इसका सेवन करवाते थे। फिर ज्यादा कमाने की लालच देते थे। कॉलेजों के अलावा छात्र नोएडा में कई सफेदपोशों, व्यापारियों, अधिकारियों आदि को भी उनकी डिमांड पर ड्रग्स मुहैया करवाते थे। ड्रग सिंडिकेट के इस तंत्र के एक्सपोज होने के बाद पेरेंट्स को होशियार होना होगा? अभिभावक अपने सपनों को सच करने के लिए अपनी कमाई का सारा हिस्सा पेट काटकर अपने बच्चों को नामी शिक्षण संस्थाओं में भेजते हैं। लेकिन उन्हें क्या पता, उनका बच्चा वहां पढ़ाई करता है या फिर कुछ और? नशा एक ऐसा चस्का है जो एक बार चख ले, फिर आसानी से नहीं छोड़ता। प्रत्यक्ष रूप से शिक्षण संस्थाओं को दोष इसलिए नहीं दे सकते, क्योंकि उन्हें तो शिक्षा के नाम से व्यापार करना होता है? उनके यहां आपका बच्चा नहीं पढ़ेगा, तो किसी दूसरे का पढ़ेगा? यहां जरूरी ये हो जाता है कि शिक्षण संस्थाओं के अलावा अभिभावकों को भी अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ बाकी अन्य गतिविधियों पर बराबर नजर बनाए रखनी की आवश्यकता है। कुछ प्वाइंटों पर अभिभावकों को सतर्क होना पड़ेगा। जैसे, अगर बच्चों के हाथों में महंगे फोन्स, मार्डन इलेक्ट्रानिक्स गैजेट्स, पार्टी-फंक्शन में जाने वाले महंगे से महंगे कपड़े जब देखें, तो तंरत सावधान हो जाएं और बिना देर किए उनसे सवाल करके पूछना चाहिए कि ये सब कहां से आए? नामी शिक्षण संस्थाएं बेशक छात्रों को अपने यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध क्यों न करवाते हो? बावजूद इसके अभिभावकों को समय निकालकर बच्चों के हॉस्टल जाकर उनकी तमाम गतिविधियों और सामानों की निगरानी करनी चाहिए। जरा भी शक हो, कॉलेज प्रबंधन को अवगत कराएं और हो सके तो मनोचिकित्सकों से अपने बच्चों की काउंसिलिंग भी करवाएं। नोएडा ड्रग्स तस्करी में जितने भी छात्र धरे गए हैं, अधिकांश गरीब और बेहद सामान्य घरों से ताल्लुक रखते हैं। पर, उनके शौक, महंगी गाड़ियां, फैशनेबल कपड़े, बड़े होटलों में रोजाना करते पार्टियों को देखकर कोई भी नहीं कह सकता था, ये मध्यम परिवारों के बच्चे हैं। मादक तस्करी में कूदे सभी छात्र जल्दी और ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना चाहते थे। आधुनिकता की चकाचौंध ने यूनिवर्सिटीज के छात्रों को फैशन, टशन, हीरो जैसे दिखने और सहपाठियों से बेहतर करने की लालसा भरी प्रवृति ने जकड़ लिया है। ऐ ऐसे कुछ कारण हैं जिसके चलते छात्र नशे के आदी होते जा रहे हैं। दरकार यही है कि समय रहते छात्रों को इन आफतों से बचाया जाए। उन्हें ऐसे चक्रव्यूहों से निकालने की जिम्मेदारी सिर्फ कॉलेज प्रबंधकों पर नहीं होनी चाहिए, बल्कि अभिभावकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। नोएडा की धरपकड़ में जो सरगना पकड़ा गया है, वो स्नातक पास छात्र है, जो शुरू से नशे का आदी रहा। इससे साफ अनुमान लगा सकते हैं कि कॉलेजों में ड्रग्स का धंधा कब से जारी था। कॉलेज-प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी अनजान बने थे। उनको पता था अगर ड्रग्स को लेकर बदनामी एक बार हो गई? तो उनके व्यवसाय पर ताले पड़ जाएंगे। अगले सेशन में नए छात्र भी दाखिला नहीं लेंगे। वैसे, देखा जाए तो बात सिर्फ नोएडा के बड़े शैक्षिक संस्थान की ही नहीं? सूचनाएं ऐसी भी हैं कि देश के बाकी शिक्षण संस्थाएं भी सुरक्षित नहीं? शैक्षिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं में तेजी से पनपते नशीले मादक पदार्थ रैकेट का अब पदार्फाश होना ही चाहिए।

बेहद महत्वपूर्ण है जलवायु सम्मेलन

दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में 30 नवंबर से शुरू हो चुके 28वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (कॉप-28) पर सभी की निगाहें टिकी हैं। इसमें 195 देश, 2015 के पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार, राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों, उन्हें पाने के साधनों और ग्लोबल स्टॉकटेक (जीएसटी) प्रक्रिया की पृष्ठभूमि में वैश्विक प्रगति के आकलन के लिए बातचीत करेंगे। पेरिस समझौते के तहत यह पहला ग्लोबल स्टॉकटेक है, जो कॉप-28 में पूरा होगा। सरल शब्दों में, ग्लोबल स्टॉकटेक पांच वर्ष तक चलने वाली एक समीक्षा प्रक्रिया है, जो एक तरह का रिपोर्ट कार्ड तैयार करती है। यह रिपोर्ट कार्ड दिखाता है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने की दिशा में सभी देशों की सामूहिक प्रगति कितनी रही है और हम वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम पर सीमित रखने के रास्ते पर हैं या नहीं। कॉप-28 के दौरान होने वाली बातचीत से हमें उम्मीद है कि जीएसटी के नतीजे इन चचाओं को प्रेरित करने का काम करेंगे। जलवायु गतिविधियों की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल करने और इस दिशा में जरूरी फैसलों को अगले वर्षों के लिए न टालने के लिए कॉप-28 को चार क्षेत्रों में नतीजे पर पहुंचना होगा। पहला, सभी देशों को सामूहिक रूप से स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और उनके उत्पादन के लिए जरूरी खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जी20 देशों के दीर्घकालिक निम्न उत्सर्जन विकास रणनीतियों का आकलन करने वाली काउंसिल ऑन एनर्जी, इनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीइइडब्ल्यू) की रिपोर्ट बताती है कि इसमें केवल भारत, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने ही कम उत्सर्जन वाली प्रौद्योगिकियों की आपूर्ति श्रृंखला बनाने का समर्थन करने वाले मिशन इनोवेशन या क्लीन एनर्जी मिनिस्ट्रियल जैसी बहुपक्षीय और द्विपक्षीय साझेदारियों के उदाहरणों का उल्लेख किया है। इसलिए एक वैश्विक नियम आधारित व्यवस्था बनाने की जरूरत है, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और ईंधनों के लिए साझे नवाचारों को सक्षम बनाने के लिए विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व रहना चाहिए। हाल में हुए आइइए क्रिटिकल मिनरल्स एंड क्लीन एनर्जी शिखर सम्मेलन में लगभग 50 देशों ने महत्वपूर्ण खनिजों की विविधतापूर्ण और सतत आपूर्ति की दिशा में प्रगति को तेज करने पर सहमति जतायी है। कॉप-28 को भी महत्वपूर्ण खनिजों की विविधतापूर्ण और सतत आपूर्ति श्रृंखला बनाने वाले तंत्र की पहचान करनी चाहिए। इस संदर्भ में एक उपाय के रूप में महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच और प्रोसेसिंग के लिए विभिन्न देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए एक सामान्य वर्गीकरण को स्थापित किया जाए। दूसरा, ऊर्जा परिवर्तन के लिए जरूरी वित्त की मात्रा पर निर्णय लिया जाना चाहिए। ऊर्जा परिवर्तन को पाने में जलवायु वित्त की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जी20 के नयी दिल्ली शिखर सम्मेलन में विकासशील देशों को उनके राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (एनडीसी) के लक्ष्यों को पाने में सहायता करने के लिए 2030 से पहले 5.8-5.9 ट्रिलियन डॉलर जुटाने पर जोर दिया गया है। विकसित देशों की ओर से उपलब्ध करायी गयी वित्तीय सहायता बहुत कम रही है। उम्मीद है कि विकसित देश वित्त उपलब्ध कराने के इरादे को सामने रखेंगे। एक सफल और समावेशी वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन अपनी नींव में साझेदारी को रखता है। तीसरा, जलवायु वित्त की परिभाषा को स्पष्ट किया जाना चाहिए, ताकि धन के लिए उचित और पर्याप्त स्रोतों को अनुमति देने के साथ वितरण को सुविधाजनक बनाया जा सके। विकसित अर्थव्यवस्थाओं को जलवायु वित्त के तहत हानि एवं क्षति, जलवायु अनुकूलन और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में ऊर्जा परिवर्तन के लिए आवश्यक कोष में अंतर करना चाहिए। हमें उम्मीद है कि कॉप-28 में वितरण की एक संरचना, एक मेजबान संस्था (उदाहरण के लिए, विश्व बैंक अस्थायी रूप से हानि और क्षति कोष की देखभाल करने जा रहा है), और पारदर्शी शर्तों के माध्यम से इन अलग-अलग श्रेणियों का निर्धारण कर दिया जायेगा।

अब आठ-आठ बच्चे

युद्ध में जुटे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी महिलाओं से आठ या उससे अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान कर पूरी दुनिया को फिर चौंका दिया है। पुतिन ने दोटूक कह दिया कि देश की जनसंख्या बढ़ाना आने वाले दशकों का लक्ष्य होगा। एक समय था, जब रूस में छोटे परिवारों को तरजीह दी जाती थी, लेकिन अब रूसी राष्ट्रपति बड़े परिवारों के पैरोकार हो गए हैं। पिछले साल भी उन्होंने दस-दस बच्चे पैदा करने का आह्वान किया था। अब वह छोटे परिवारों के बजाय बड़े परिवारों को आदर्श बनाने पर जोर दे रहे हैं। रूस दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां आबादी घट रही है। प्रति महिला दो बच्चे भी पैदा नहीं हो रहे हैं। ऐसे में, आठ या उससे अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान सोचने पर मजबूर कर देता है। पहली नजर में जो विवेचना हुई है, उसके अनुसार, युद्ध की वजह से करीब तीन लाख रूसियों की मौत हो चुकी है। इसमें कोई शक नहीं कि अगर कोई देश युद्ध लड़ना चाहे और उसके पास जवानों की कमी हो जाए, तो ऐसे आह्वान की जरूरत आन खड़ी होती है। दुर्भाग्य से, रूस के साथ ऐसा ही हो रहा है। तेज विकास के लिए अगर कोई आबादी बढ़ाने का आह्वान करे, तो समझ में आता है, पर युद्ध के समय ऐसा आह्वान किन्हीं अर्थों में अमानवीयता भी है। बहुत मेहनत व चिंतन से विकासशील समाज बनाकर आबादी को नियंत्रित किया गया है, पर अब आर्थिक प्रलोभन के माध्यम से आबादी बढ़ाना कहां तक उचित है? सरकारी मदद से जो परिवार बड़े होंगे, उनकी सांस्कृतिक-सामाजिक अवस्था क्या होगी? पुतिन ने अपने लोगों को प्रेरित करते हुए याद दिलाया है कि हमारे रूसी परिवारों में दादी और परदादी के सात-आठ बच्चे होते थे। अब उसी परंपरा को संरक्षित और पुनर्जीवित करने की जरूरत है। क्या पुतिन को कामयाबी मिलेगी? क्या पिछले साल के उनके आह्वान का कोई असर दिखा है? पुतिन को रूसी जातीयता की भी चिंता सताने लगी है।

Social Media Corner

सच के हक में...

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय और इसके 500 से अधिक संबद्ध कॉलेजों में लगभग 4 लाख विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह बड़े ही संतोष का विषय है कि कुल विद्यार्थियों में लगभग 40 प्रतिशत बेटियां हैं। मेरा मानना है कि लड़कियों की शिक्षा में निवेश करना, देश की प्रगति में अमूल्य निवेश है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

बोकारो वन प्रमंडल की कई एकड़ वनभूमि इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन ने अपने आप को समीर महतो का वंशज बताते हुए जाली दस्तावेज तैयार कर अवैध रूप से हड़प लिया है। यह मामला अत्यंत संदेहास्पद प्रतीत होता है क्योंकि वन विभाग द्वारा एफआईआर दर्ज करने के अनुरोध पर एफआईआर किये बिना ही अनुसंधान पदाधिकारी ने वन विभाग का पक्ष जाने बगैर ही जांच रिपोर्ट जमा कर दी। वहीं बीएसएल के अधिकारियों ने भी आपसी मिलीभगत से उक्त भूमिखंड को अधिग्रहित बताते हुए जांच रिपोर्ट में अपना मंतव्य दिया। झारखंड में जिस प्रकार से अभी जमीन घोटालों से जुड़े कई सनसनीखेज मामले सामने आए हैं, संभव है इतने बड़े जमीन घोटालों के तार कई रसूखदार और सफेदपोश लोगों से भी जुड़े हों। उक्त मामले में जिला वन पदाधिकारी द्वारा जांच प्रतिवेदन के साथ सूचित किए जाने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है। इसलिए डीजीपी संज्ञान लेकर अविलंब प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दें, ताकि इस कूट रचना का उद्भेदन हो सके

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

15 दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा अयोध्या एयरपोर्ट, उतर सकेंगे बोइंग 737, एयरबस 319

अयोध्या।

अयोध्या का मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 15 दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसी के साथ उड़ान भी शुरू हो जाएगी। यहां 2200 मीटर के रनवे का क्रियान्वयन होने जा रहा है, जिस पर छोटे विमानों के साथ ही बोइंग 737, एयरबस 319 और एयरबस 320 जैसे बड़े विमान भी लैंड कर सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को निर्माणाधीन एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। उनके साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने एयरपोर्ट के निर्माण से जुड़े प्रेजेंटेशन को भी देखा और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि अयोध्या में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप प्रभु श्रीराम की पावन अयोध्या नये भारत की नई अयोध्या बन रही है। अयोध्या की देश और दुनिया के साथ कैसी कनेक्टिविटी होनी चाहिए, इसी के निरीक्षण के लिए यहां केंद्रीय मंत्रियों के साथ आना हुआ है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में पहले मात्र 178 एकड़ में बहुत छोटी सी एयरस्ट्रिप थी। इसे एक बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में तैयार किया गया है। 821 एकड़ लैंड राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराने के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी इंडिया द्वारा नये एयरपोर्ट का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। अयोध्या के विकास के लिए जो इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है वो अयोध्यावासियों को प्राप्त होगा। अयोध्या को उसका गौरव पुनः प्रदान करने के लिए सरकार पूरी गंभीरता के साथ प्रयास कर रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि अयोध्या के हवाईअड्डे में यहां की सांस्कृतिक क्षमता को परिलक्षित करने की कोशिश हुई है। पहले चरण में 65 हजार वर्ग फुट का हवाईतल बनने जा रहा है। इसकी क्षमता प्रतिघंटे 2 से 3 फ्लाइट की होगी। यहां 2200 मीटर के रनवे का क्रियान्वयन होने जा रहा है, जिस पर छोटे विमानों के साथ ही बोइंग 737, एयरबस 319 और एयरबस 320 जैसे बड़े विमान भी लैंड कर सकेंगे। शुरुआत में यहां 8 एप्रन बनाए गये हैं।

बाजार चढ़ने के साथ बिकवाली कर सकता है एफपीआई

नई दिल्ली।

शेयर बाजार एक बार फिर से उच्च स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में एफपीआई फिर से बिकवाली कर सकता है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने ये बात कही है।एफपीआई ने भारत में अपनी बिकवाली रणनीति को उलट दिया है।

उन्होंने कहा, अमेरिकी बांड यील्ड में गिरावट और भारतीय बाजार की मजबूती ने एफपीआई को अपनी बिकवाली रोकने के लिए मजबूर किया है। पिछले छह दिनों के दौरान, एफपीआई भारत में लगातार खरीदार रहे। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में, एफपीआई प्रवाह सकारात्मक हो गया और 9,000 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीद का आंकड़ा सामने आया है, हालांकि उन्होंने नकदी बाजार में 368 करोड़ रुपये की बिकवाली की। उन्होंने कहा कि 2023 के लिए अब तक कुल खरीद का आंकड़ा 1,04,972 करोड़ रुपये है।आगे चलकर, एफपीआई की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण रूप से बाजार की प्रवृत्ति पर निर्धारित होगी, जो राज्यों के चुनाव परिणामों से प्रभावित होगी। यदि राज्य के चुनाव नतीजे सत्ताधारी सरकार के लिए अनुकूल रहे, तो बाजार में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी बिकवाली से एफपीआई के उस रैली को चूकने की संभावना नहीं है। वे वित्तीय क्षेत्र में खरीदारी कर सकते हैं जहां मूल्यांकन ठीक है।

अधिग्रहण के बाद ब्रॉडकॉम करीब 1,300 वीएमवेयर कर्मचारियों की छंटनी करेगा : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिका स्थित हार्डवेयर कंपनी ब्रॉडकॉम कथित तौर पर डेस्कटॉप वर्चुअलाइजेशन सॉफ्टवेयर प्रदाता वीएमवेयर से लगभग 1,267 कर्मचारियों की छंटनी करेगी, जिसे उसने पिछले महीने 69 अरब डॉलर में अधिग्रहित किया था। ब्रॉडकॉम ने वीएमवेयर से करीब 1,300 कर्मचारियों को बर्खास्त करने की योजना के बारे में कैलिफोर्निया रोजगार विभाग को एक आवेदन दायर किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, छंटनी 26 जनवरी 2024 से प्रभावी होगी, जिससे वीएमवेयर के पालो ऑल्टो कार्यालय के कर्मचारी प्रभावित होंगे। कंपनी में फिलहाल करीब 38,000 कर्मचारी हैं। ब्रॉडकॉम में लागत कम करने में मदद के लिए अधिग्रहण के बाद नौकरी की भूमिकाओं को खत्म करने का एक पैटर्न है। चीन में विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, पिछले महीने के अंत में ब्रॉडकॉम ने वीएमवेयर का 69 बिलियन डॉलर का अधिग्रहण पूरा कर लिया। वीएमवेयर के सामान्य स्टॉक का न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) में कारोबार बंद हो गया। ब्रॉडकॉम के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हॉक टैन ने कहा, हम ब्रॉडकॉम में वीएमवेयर का स्वागत करने और अपनी इंजीनियरिंग-फर्स्ट, इनोवेशन-केंद्रित टीमों को एक साथ लाने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि हम दुनिया की अग्रणी बुनियादी ढांचा प्रौद्योगिकी कंपनी के निर्माण में एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। ब्रॉडकॉम के पास स्थायी विकास के लिए हमारे द्वारा हासिल किए गए व्यवसायों में निवेश करने का एक लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। हम जिन हितधारकों की सेवा करते हैं, उनके लाभ के लिए वीएमवेयर के साथ यह जारी रहेगा। अगस्त में यूके की प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण (सीएमए) ने गहन जांच के बाद ब्रॉडकॉम को वीएमवेयर की खरीद को मंजूरी दे दी थी। जुलाई में यूरोपीय आयोग (ईसी) ने कुछ शर्तों के साथ अधिग्रहण को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी थी।मूल रूप से ब्रॉडकॉम वीएमवेयर क्लाउड फाउंडेशन में निवेश करेगा जोकि सॉफ्टवेयर स्टैक है जो निजी और हाइब्रिड क्लाउड की नींव के रूप में कार्य करता है।

अडाणी ग्रुप 7 लाख करोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करेगा

मुंबई ।

अडानी समूह के इंफ्रा सेक्टर को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। ग्रुप अगले दशक में 84 अरब डॉलर (करीब 7 लाख करोड़ रुपए) इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करेगा। ग्रुप के मुख्य वित्त अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अडानी ग्रुप ने रिपोर्ट में लगे आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया है लेकिन इन आरोपों से कंपनी के स्टॉक्स और भविष्य की योजनाओं पर असर दिखा है। अडानी ग्रुप के मुख्य वित्त अधिकारी जुगेशिंदर सिंह ने मुंबई में एक कार्यक्रम में 84 अरब डॉलर की योजना के बारे में बताया कि हम इससे ज्यादा का निवेश करना चाहते हैं। इसी साल जुलाई में कंपनी ने पोर्ट, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर कारोबार में बड़े विस्तार लक्ष्य की जानकारी दी थी। हालांकि साथ ही कंपनी ने कई नॉन कोर इनवेस्टमेंट में से निकलने को लेकर भी जानकारी दी है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार अडानी ग्रुप इंफा में फोकस करने और एफएमसीजी कारोबार से बाहर निकलने की योजना पर काम कर रही है क्योंकि एफएमसीजी कारोबार में मार्जिन काफी कम रहे हैं। सीएफओ के मुताबिक ग्रुप की 7 टॉप कंपनियों की कुल वेल्थ कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री से भी ज्यादा है और ग्रुप अब आय बढ़ाने पर फोकस कर रहा है। ग्रुप की 7 कंपनियां इंफ्रा सेक्टर में है जिसमें अडानी एंटरप्राइजेस, अडानी पावर, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी टोटल गैस और अंबुजा सीमेंट हैं।

चीनी साझेदारों के साथ बेहतर भविष्य बनाने के लिए तत्पर है : टेस्ला उपाध्यक्ष

बीजिंग।

पहला चीन अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला संवर्धन एक्सपो 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक चीन की राजधानी पेइचिंग में आयोजित हो रहा है। एक्सपो के दौरान, टेस्ला (ह्वस्ष्ठक्तञ्जस्र्) की उपाध्यक्ष थाओ लिन ने शिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि टेस्ला चीनी आपूर्तिकर्ताओं के साथ हाथ मिलाकर काम करते हुए एक-दूसरे का समर्थन करता है और चीनी भागीदारों के साथ भविष्य बनाने के लिए तत्पर है। इस एक्सपो आपूर्ति श्रृंखला विषय पर विश्व की पहली राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी है। टेस्ला और कई अन्य फॉर्च्यून 500 कंपनियों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली की अग्रणी कंपनियों ने प्रदर्शनी में भाग लिया।

थाओ लिन ने कहा कि वर्ष 2013 में पेइचिंग में टेस्ला का पहला अनुभव स्टोर खोला, साल 2023 में टेस्ला के शांगहाई गीगाफैक्ट्री में 20 लाख वाहन उत्पादन लाइन से बाहर हो गए। टेस्ला हमेशा स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों के साथ बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। वर्तमान में, शांगहाई गीगाफैक्ट्री के हिस्सों की स्थानीयकरण दर 95 प्रतिशत से अधिक है।

थाओ लिन ने आगे कहा कि चीनी बाजार के अद्वितीय महत्व, उन्नत विकास अवधारणाओं और अच्छे कारोबारी माहौल टेस्ला के लिए बड़े अवसर पैदा करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टेस्ला के लिए चीन हमेशा से एक बेहद महत्वपूर्ण बाजार रहा है। इसके अलावा, थाओ लिन ने कहा कि कई प्रसिद्ध घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेश संस्थानों ने हाल ही में वर्ष 2023 में चीन की आर्थिक वृद्धि के लिए अपनी उम्मीदें बढ़ा दी हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी की पृष्ठभूमि में चीन की आर्थिक बहाली चीन को वैश्विक आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन बनाती रहेगी।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल में हल्की गिरावट

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है, लेकिन इसका असर देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर ज्यादा देखने को नहीं मिल रहा है। हालांकि शे निवार को कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली है। पटियाला में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 51 पैसे सस्ता हो गया है, जबकि पटना में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश और गोवा समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

नोमुरा ने 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया

मुंबई ।

जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 5.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी के आधिकारिक आंकड़ें आने के बाद यह बढ़ोतरी की गई। हालांकि ब्रोकरेज कंपनियों के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत तक धीमी होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुस्ती, ग्रामीण मांग और निजी पूंजीगत व्यय में गिरावट, वैश्विक नरमी के कारण 2024-25 में वृद्धि दर घट सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण, खनन और सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शरद महेंद्र को सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने शरद महेंद्र को कंपनी का संयुक्त प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उनकी नियुक्ति एक फरवरी, 2024 से प्रभावी है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा` कि प्रशांत जैन के जल्दी सेवानिवृत्त होने के फैसले के कारण बनी रिक्ति के परिणामस्वरूप शरद महेंद्र को एक दिसंबर 2023 से पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया गया है। पूर्णकालिक निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति एक दिसंबर, 2023 से पांच साल की अवधि के लिए है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 597.93 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 5.07 अरब डॉलर बढ़कर 595.39 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.14 अरब डॉलर बढ़कर 528.53 अरब डॉलर हो गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। गोल्ड कलेक्शन का मूल्य 29.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.34 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.22 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.85 अरब डॉलर हो गया।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व और अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने ऊंची मुद्रास्फीति पर काफी हद तक काबू पा लिया है और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद भी बढ़ गई है, जिससे उत्साहित होकर भारत और दूसरे देशों के बाजार में शुक्रवार को तेजी रही। बेंचमार्क निफ्टी तो रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। निफ्टी 135 अंक की तेजी के साथ अपने पिछले उच्चतम स्तर 20,192 को लांघकर 20,268 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 20,292 तक पहुंच गया था। सेंसेक्स भी 493 अंक चढ़कर पर बंद हुआ। बीते पांच महीने में सूचकांकों के लिए यह बीता हफ्ता अच्छा साबित हुआ। देसी-विदेशी निवेशकों की लिवाली से बीते सप्ताह निफ्टी में 2.4 फीसदी और सेंसेक्स में 2.3 फीसदी तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह गुरुनानक जयंती के अवसर पर सोमवार को अवकाश रहने की से पांच में से चार कारोबारी` दिनों में शेयर बाजार में कारोबार हुआ। मंगलवार को बाजार में सपाट लेकिन हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 50 अंक मजबूत होकर 66,020 पर खुला और 204.16 अंकों की बढ़त के साथ 66,174.20 अंकों के स्तर पर जबकि निफ्टी 95.00 अंक मजबूत होकर 19,889.70 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 30 अंक की मजबूती के साथ 19,820 के स्तर पर खुला और 95.00 अंक मजबूत होकर 19,889.70 के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार को मजबूती के साथ कारोबार होता दिखा। बीएसई सेंसेक्स 350 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 66,500 पर खुला और 727.71 अंकों की बढ़त के साथ 66,901.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंकों की मजबूती के साथ सितंबर के बाद पहली बार 20000 पर खुला और 206.90 अंक मजबूत होकर 20,096.60 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 118.2 अंक चढ़कर 67,020.11 पर खुला और 86.53 अंक मजबूत होकर 66,988.44 पर बंद हुआ। निफ्टी 39.55 अंक बढ़कर 20,136.15 पर खुला और 36.56 अंक मजबूत होकर 20,133.15 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में दिसंबर महीने की धमाकेदार शुरुआत हुई है। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 271 अंक बढ़कर 67,260 पर खुला और 492.75 अंक मजबूत होकर 67,481.19 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 90 अंकों की तेजी के साथ 20,223 के स्तर पर खुला और 134.75 अंकों की बढ़त के साथ 20,267.90 के स्तर पर बंद हुआ।

सेबी ने स्कोर्स मंच के जरिए नए मानदंड लागू करने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने स्कोर्स मंच के जरिए मिलने वाली शिकायतों के निपटारे के नए मानदंडों को लागू करने की समय सीमा एक अप्रैल, 2024 तक बढ़ा दी। स्कोर्स (सेबी शिकायत निपटान प्रणाली) मंच के जरिए पंजीकृत संस्थाओं की शिकायतों का निपटारा और नामित निकायों की शिकायतों की निगरानी की जाती है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने एक परिपत्र में कहा कि प्रावधानों के कार्यान्वयन की प्रभावी तिथि को एक अप्रैल, 2024 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। सेबी ने सितंबर में स्कोर्स मंच के जरिये प्राप्त शिकायतों के निपटान और निगरानी से जुड़ी पंजीकृत इकाइयों और मनोनीत निकायों को लेकर नये दिशानिर्देश जारी किये थे। स्कोर्स शिकायत निपटान प्रणाली है। इसकी शुरुआत जून, 2011 में हुई थी। निवेशक इसके जरिये प्रतिभूति बाजार, कंपनियों, मध्यस्थों और बाजार से जुड़े ढांचागत संस्थानों के खिलाफ सेबी के पास अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

भारत में सोने की कीमतें अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंची

मुंबई।

शादी के सीजन और कीमती धातु की बढ़ती वैश्विक दरों के बीच भारत में सोने की कीमतें अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। चेन्नई में सुबह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत 64,530 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता में कीमती धातु की कीमत 63,760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थी, जो पिछले दिन की तुलना में 810 रुपये अधिक थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतें सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। शुक्रवार को हाजिर कीमतें 1.6 प्रतिशत बढ़कर 2,069.10 डॉलर प्रति औंस हो गईं। भारत बड़ी मात्रा में सोने का आयात करता है और बढ़ती वैश्विक कीमतों का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं क्योंकि प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में गिरावट जारी है और वर्तमान में यह तीन महीने के निचले स्तर के करीब है, जिससे अन्य विदेशी मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो गया है। ऐसी उम्मीदें भी बढ़ रही हैं कि फेडरल रिजर्व आने वाले महीनों में दरों में कटौती कर सकता है। कम ब्याज दरों की उम्मीद वित्तीय साधनों को सोने की तुलना में निवेशकों के लिए कम आकर्षक बनाती है, जिसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। शादी के मौसम के बीच घरेलू बाजार में सोने की मांग मजबूत बनी हुई है क्योंकि दुल्हन और दूल्हे को बड़ी मात्रा में कीमती धातु उपहार में दी जाती है।

होंडा ने हाइनेस सीबी350, सीबी350आरएस की कुछ इकाइ वापस मंगाई

नई दिल्ली । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने कहा कि वह अपने हाइनेस सीबी350 और सीबी350आरएस मॉडल की कुछ इकाइयों को वापस मंगाएगी और खरब कलपुर्जों को बदलेगी। एचएमएसआई ने कहा कि इन मॉडल के पिछले स्टॉप लाइट स्विच के रबर वाले हिस्से के उत्पादन में कुछ गड़बड़ी पाई गई है। इसकी वजह से आगे चलकर इसमें पानी घुसने और जंग लगने की समस्या हो सकती है। कंपनी ने कहा कि अक्टूबर, 2020 से जनवरी, 2023 के बीच विनिर्मित इकाइयां इससे प्रभावित हैं। हालांकि कंपनी ने वापस बुलाई जा रही इकाइयों की संख्या नहीं बताई। इसके अलावा इन मॉडलों के सेंसर हाउसिंग की मोल्डिंग में भी कुछ कमियां पाई गई हैं। इससे सेंसर के गलत ढंग से काम करने की आशंका है। अक्टूबर, 2020 से दिसंबर, 2021 के बीच की मोटरसाइकिल इससे प्रभावित हैं। एचएमएसआई ने कहा कि वापस मंगाई गई इकाइयों में इन दोषपूर्ण कलपुर्जों को बदलने का काम निःशुल्क किया जाएगा।

दूर देश से आ गए हैं खास मेहमान

दोस्तों, इस मौसम में तुम्हारे शहर की झीलों, नदियों, पक्षी अभयारण्य और चिड़ियाघरों को प्रवासी पक्षी अपना बसेरा बना लेते हैं और ये वसंत पंचमी यानी फरवरी-मार्च तक यहां से वापस अपने देश या फिर इससे आगे चले जाते हैं। पर तुम कितना जानते हो इनके प्रवास यानी माइग्रेशन के बारे में? जितना ही इन्हें समझोगे, हैरान रह जाओगे तुम...चलो आज बात करते हैं इनके माइग्रेशन की।

क्या होता है माइग्रेशन

यह लैटिन शब्द 'माइग्रेटस' से आया है, जिसका मतलब होता है बदलाव। इसलिए पक्षियों के द्वारा किसी विशेष मौसम में भौगोलिक बदलाव को माइग्रेशन नाम दिया गया है। हिंदी में इसे प्रवास कहा जाता है। प्रवास का अर्थ है, यात्रा पर जाना या दूसरे स्थान पर जाना। लेकिन उनका यह प्रवास केवल अपने देश में सीमित नहीं होता, बल्कि दूर-दूर के देशों तक होता है, जहां भी इन्हें अपने अनुकूल मौसम और भोजन मिल जाए। कई पक्षी तो ऐसे हैं, जो कई माह का सफर तय कर दूसरे देश पहुंचते हैं।

कहां से आते हैं ये पक्षी

ऐसा नहीं कि दूसरे देश के पक्षी ही भारत आते हैं, बल्कि भारत के पक्षी भी दूसरे देश जाते हैं। भारत के पक्षी लगभग 10,000 किलोमीटर का सफर तय करके रूस के निकट साइबेरिया पहुंचते हैं और इसी प्रकार उस देश के पक्षी भारत में आते हैं।

जो पक्षी भारत में आकर सर्दियां गुजारते हैं, वे उत्तरी एशिया, रूस, कजाकिस्तान तथा पूर्वी साइबेरिया से यहां आते हैं। 2,000 से 5,000 किलोमीटर की दूरी तो ये आसानी से उड़कर पार कर लेते हैं, यद्यपि इसमें इन्हें काफी समय लगता है। फिर भी यह बहुत आश्चर्यजनक है कि समुद्री और दुर्गम रेगिस्तानी प्रदेशों को ये कैसे पार कर लेते हैं, क्योंकि इन कठिन स्थानों को वायुयान से पार करने में मनुष्य भी हिचकिचाते हैं, फिर ये पक्षी तो आकार में बहुत बड़े भी नहीं होते। इनमें गेहवाला जैसी छोटी चिड़िया और छोटे-छोटे परिंदे भी सम्मिलित हैं। भारत का सुप्रसिद्ध पक्षी राजहंस भारत में सर्दियां गुजारता है और तिब्बत जाकर मानसरोवर झील के किनारे अंडा देता है। पक्षियों का यह विचित्र स्वभाव देखकर पक्षी विज्ञान के विशेषज्ञ भी आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

भारत की मेजबानी

गर्मी हो या ठंड भारत प्रवासी पक्षियों की मेजबानी में हमेशा आगे रहता है, चाहे वह भोजन हो या आवास की जरूरत। किंगफिशर, रोजी, पेलिकन, वुड सैंडपाइपर, स्टार्लिंग ब्लूथ्रोट आदि कुछ ऐसी प्रवासी पक्षी हैं, जो अनुकूल हवा देखकर स्थान बदलते हैं। यदि वे एक बार माइग्रेशन शुरू कर देते हैं तो केवल खराब मौसम ही उन्हें ऐसा करने से रोक सकता है। साइबेरियन क्रेन, ग्रेट फ्लेमिंगो, रफ जैसे काफी पक्षी माइग्रेटिंग के दौरान काफी ऊंची उड़ान भरते हैं। ये तभी प्रवास पर जाते हैं, जब इन्हें लगता है कि इनके पास इतना फैट है, जो इनकी यात्रा के दौरान साथ देगा।

झुंड बनाकर करते हैं 'माइग्रेशन'

पक्षियों में एक हैरत में डालने वाली बात ये है कि जब ये सभी प्रवास के लिए निकलते हैं तो अकेले नहीं, बल्कि हजारों की संख्या में दल बनाकर जाते हैं।

ठंड में भारत आने वाले पक्षी

साइबेरियन क्रेन, ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक विंग्ट स्टिल्ट, कॉमन टील, कॉमन ग्रीनशैंक, नॉर्दर्न पिनटेल, रोजी पेलिकन, गडवाल, वूड सैंडपाइपर, स्पॉटेड सैंडपाइपर, यूरेसियन विजन, ब्लैक टेल्ड गॉडविट, स्पॉटेड रेडशैंक, स्टार्लिंग, ब्लूथ्रोट, लांग बिल्ड पिपिट।

क्यों आते हैं हमारे देश

शीत ऋतु यानी जाड़े में इन प्रवासी पक्षियों के यहां बर्फ जम जाती है और ऐसी कंपकंपाने वाली ठंड के कारण इन पक्षियों का आहार बनने वाले जीव या तो मर जाते हैं या जमीन में दुबक कर शीत-निद्रा में चले जाते हैं, जिससे वे सर्दियों के समाप्त होने के बाद ही जागते हैं। ऐसी स्थिति में इन पक्षियों के लिए आहार ढूंढना और जिंदा रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए वे भारत जैसे गर्म देशों में चले आते हैं, जहां बर्फ नहीं जमती और उन्हें आहार भी अच्छे से मिल जाता है।

प्रवासी पक्षियों को पहचानने की कोशिश

अनेक संस्थाएं हैं, जो इन प्रवासी पक्षियों को मेटल के रिंग पहना देती हैं और अपने देश में मिलने वाली पक्षियों की सूचना संबंधित देशों को भेजती हैं। इससे यह बात बहुत आसानी से जान ली जाती है कि कौन से पक्षी किस देश के हैं, तथा वे किस-किस देश में प्रवास के लिए जाते हैं।

वर्ल्ड माइग्रेटरी बर्ड-डे

वर्ल्ड माइग्रेटरी बर्ड-डे दो दिन का कार्यक्रम है, जो मई के दूसरे वीकएंड पर सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे का असल मकसद है लोगों के बीच इन प्रवासी पक्षियों व उनके आवास के लिए सुरक्षा की भावना लाना। यूनाइटेड नेशन एक ऐसा संगठन है, जो इस ग्लोबल अवेयरनेस कैंपेन का समर्थन करता है। इस दिन पूरी दुनिया में लोग पब्लिक ईवेंट्स जैसे- बर्ड फेस्टिवल, एजुकेशन प्रोग्राम या पक्षियों पर आधारित और भी कई कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

माइग्रेशन के दौरान चुनौतियां

हालांकि माइग्रेशन को आसान बनाने के लिए ये पक्षी अपने शरीर को अनुकूलित कर लेते हैं, पर फिर भी इन्हें अपने इस सफर में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

- पर्याप्त भोजन न मिलना और भुखमरी
- हवा में उड़ते हुए ऊंची बिल्डिंग या हवाई जहाज से टक्कर
- प्रदूषण या चल रहे निर्माण कार्यों की वजह से ठहराव या निवास स्थान के विनाश से
- खराब मौसम और तूफान भी इन्हें घायल कर देते हैं या राह से भटका देते हैं

माइग्रेशन खतरनाक है, पर ढेर सारे पक्षियों के लिए आवश्यक भी। हर वर्ष होने वाले इस माइग्रेशन या प्रवास के बाद पक्षी अपने देश को खुशहाली के साथ लौटते हैं।

दिल्ली में कहां आए कितने मेहमान

>> नजफगढ़ में इस साल 16 प्रजाति के प्रवासी पक्षियों ने अपना घर बनाया है। अब तक 5000 से ज्यादा चिड़ियों को यहां देखा गया है, जो दूर देश से आई हैं। दिल्ली में प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगने का दूसरा प्रसिद्ध स्थान है ओखला अभयारण्य। इस वर्ष अब तक वहां करीब 7000 प्रवासी पक्षी पहुंच चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि अभी और पक्षी आएंगे। वहीं दिल्ली के चिड़ियाघर में भी पक्षियों ने आना शुरू कर दिया है।

>> दूर देशों से शीत ऋतु में भारत आने वाले इन प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा इन प्रमुख स्थानों पर जरूर लगता है और वह भी बहुतायत की संख्या में।

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क, नई दिल्ली

>> यहां रेड क्रेस्टेड पोचार्डस, टफ्टेड पोचार्डस, यूरेसियन विजन, पिनटेल्स और कूट्स जैसे पक्षी, जो साइबेरिया व सेंट्रल एशिया से आते हैं, मुख्य रूप से जनवरी माह में देखे जाते हैं।

भरतपुर बर्ड सैंचुरी, राजस्थान

>> ग्रीन लेग्ड गूज, चीनी कूट, पोचार्डस, टील, मालार्ड को यहां आसानी से देखा जा सकता है। ये अक्टूबर मध्य से आना शुरू करते हैं और फरवरी तक यहां देखे जा सकते हैं।

कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड

>> यहां प्रवासी पक्षियों में मोर, गिद्ध, जंगली मुर्गे और अलग प्रजाति के तोते देखे जा सकते हैं।

सुल्तानपुर बर्ड सैंचुरी, हरियाणा

>> शीत ऋतु में यहां प्रवासी पक्षियों के आने से बडम ही मनमोहक दृश्य बन जाता है। साइबेरियन क्रेन, ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक विंग्ड स्टिल्ट, टील और ग्रीन शैंक आदि मेहमान पक्षियों को यहां देखा जा सकता है।

सूरजपुर बर्ड सैंचुरी, ग्रेटर नोएडा

>> यहां देश के विभिन्न हिस्से से तो पक्षियों का आना होता ही है, पर सर्वे से पता चला है कि करीब 40 विभिन्न प्रजाति के प्रवासी पक्षियों को यहां देखा गया है।

दिल्ली चिड़ियाघर, नई दिल्ली

>> सारस, जंगली बत्तख व शोवेलर्स को फरवरी तक यहां देखा जा सकता है।

हौज खास विलेज झील, नई दिल्ली

>> हर वर्ष शीत ऋतु में हौज खास विलेज की झील में खूबसूरत व रंगीन प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगता है।

कोल्लेरु झील बर्ड सैंचुरी, आंध्र प्रदेश

>> काफी सारे प्रवासी पक्षी, जैसे साइबेरियन क्रेन, इबिस और रंगीन सारस आदि यहां जाड़े के मौसम में आते हैं।

पोंग डैम झील, हिमाचल प्रदेश

>> इसे महाराणा प्रताप सागर के नाम से भी जाना जाता है। यहां प्रवासी पक्षियों का झुंड आता है जो काफी मनोरम दृश्य पैदा करता है।

रंगनथिट्टू बर्ड सैंचुरी कर्नाटक

>> यहां हर वर्ष दिसंबर के महीने में 20 देशों से भी ज्यादा प्रवासी पक्षियों का झुंड आता है।

चिल्का झील, उड़ीसा

>> एशिया की सबसे बड़ी नमकीन पानी की झील है ये। शीत ऋतु में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी यहां आते हैं।

पुलीकट झील, तमिलनाडु

>> यहां 60 से ज्यादा प्रजाति के पक्षियों का आवास है। इनमें से 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रवासी पक्षी होते हैं।

ये भी जानो

>> पक्षियों का माइग्रेशन काफी सारे फैक्टर पर निर्भर करता है, जैसे पक्षियों की प्रजाति, माइग्रेशन की दूरी, यात्रा की गति, रास्ता, जलवायु आदि।

>> माइग्रेशन से पहले ये पक्षी 'हाइपरफैगिया' फेज में चले जाते हैं, जहां हार्मोन लेवल में बदलाव होता है और इनका शारीरिक वजन जबर्दस्त बढ़ता है, जिससे इनके शरीर में फैट जमा होता है। माइग्रेशन के दौरान उड़ने के लिए ये अपने शरीर में जमा इस फैट से ही एनर्जी लेते हैं।

>> तुम्हें जानकर अचरज होगा कि माइग्रेशन के लिए एक ओर का रास्ता तय करने में एक चिड़िया को कुछ हफ्तों से लेकर चार महीने तक लग जाते हैं। यह माइग्रेशन का सफर- कुल दूरी, उड़ने की गति, रास्ता और ठहराव आदि पर निर्भर करता है।

>> काफी सारे ऐसे पक्षी होते हैं, जो दिन के वक्त ही उड़ते हैं, पर इनमें से कुछ ऐसे भी हैं, जो रात को उड़कर अपने माइग्रेशन की दूरी तय करते हैं।

>> ये प्रवासी पक्षी तारों, सूर्य, हवा के बहने के तरीके और जमीन के प्राकृतिक बनाव से रास्ते को पहचानते हैं, जो उनके नैविगेशन में मददगार साबित होता है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र भी माइग्रेशन में मददगार है।

दुरूपयोग से निपटने व्हाट्सएप ने भारत में 75 लाख से अधिक अकाउंट्स किए बंद

नई दिल्ली । मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप ने नए आईटी नियम 2021 के अनुपालन में 75 लाख वाट्सअप एकाउंट्स को बंद कर दिया है। यह प्रतिबंध अक्टूबर महीने में लगाया। मिली जानकारी के अनुसार 1 से 31 अक्टूबर के बीच कंपनी ने 7,548,000 अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाया। व्हाट्सएप ने अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट में कहा कि यूजर्स की किसी भी रिपोर्ट से पहले, इनमें से लगभग 1,919,000 अकाउंट्स पर सक्रिय रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, जिसके देश में 500 मिलियन से अधिक यूजर्स हैं, को अक्टूबर में देश में रिकॉर्ड 9,063 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुईं, और कार्रवाई के रिकॉर्ड 12 थे। अकाउंट्स एक्शन उन रिपोर्टों को दर्शाता है जहां व्हाट्सएप ने रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की और कार्रवाई करने का मतलब या तो किसी अकाउंट पर प्रतिबंध लगाना है या पहले से प्रतिबंधित अकाउंट को बहाल करना है। कंपनी के अनुसार इस यूजर-सेफ्टी रिपोर्ट में प्राप्त यूजर शिकायतों और व्हाट्सएप द्वारा की गई कार्रवाई के साथ-साथ हमारे प्लेटफॉर्म पर दुरुपयोग से निपटने के लिए व्हाट्सएप की अपनी निवारक कार्रवाइयों का विवरण शामिल है। लाखों भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स को सशक्त बनाने के लिए केंद्र ने हाल ही में शिकायत अपीलीय समिति (जीएसी) लॉन्च की है, जो कंटेंट और अन्य मुद्दों के संबंध में उनकी चिंताओं को देखती है। नवगठित पैनल, बिग टेक कंपनियों पर लगाम लगाने के लिए देश के डिजिटल कानूनों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के फैसलों के खिलाफ यूजर्स की अपील पर गौर करेगा। व्हाट्सएप ने खुलासा किया कि हम दुरुपयोग को रोकने और मुकाबला करने में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सर्विस में उद्योग के अग्रणी हैं। हमारे सेफ्टी फीचर्स और नियंत्रणों के अलावा, हम इन प्रयासों की देखरेख के लिए इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों, विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और कानून प्रवर्तन, ऑनलाइन सेफ्टी और प्रौद्योगिकी विकास में विशेषज्ञों की एक टीम को रखते हैं।

ज्ञानवापी की सर्वेक्षण रिपोर्ट 11 दिसंबर तक सौंपने का आदेश

वाराणसी । उत्तर प्रदेश में वाराणसी की जिला अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर अपनी रिपोर्ट 11 दिसंबर तक सौंपने को कहा है। गौरतलब है कि एएसआई ने जिला अदालत में एक आवेदन दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद पर वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय की मांग की थी। आवेदन को आंशिक रूप से स्वीकार कर जिला न्यायाधीश डॉ.अजय कृष्ण विश्वेशा ने एएसआई को 11 दिसंबर 2023 को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। ज्ञानवापी मस्जिद के रोजमर्रा के मामलों की देखरेख करने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति ने एएसआई द्वारा रिपोर्ट सौंपने के लिये अतिरिक्त समय देने पर आपत्ति जाहिर की थी। अदालत ने कहा, एएसआई को अदालत में रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 10 दिन का अतिरिक्त समय देना उचित लगता है। अदालत को उम्मीद है कि दिए गए समय के भीतर एएसआई निश्चित रूप से रिपोर्ट दाखिल कर आगे समय की मांग नहीं करेगी।

प्रदूषण से दिल्ली वासियों का हाल हुआ बेहाल

-विजिबिलिटी लो होने से डायवर्ट हुईं फ्लाइट्स

नई दिल्ली। ठंड और बारिश से अनुमान था कि दिल्ली में हवा की क्वालिटी में सुधार होगा, लेकिन ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। दिल्ली-एनसीआर के ज्यादातर इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब से खराबतर श्रेणी में दर्ज किया गया है। लो विजिबिलिटी के चलते दिल्ली आने वाली फ्लाट्स को डायवर्ट करना पड़ा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में सुबह के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक श्रेणी बहुत खराब में दर्ज की गई है। दिल्ली की हवा में स्मॉग की मात्रा अधिक होने के कारण लो विजिबिलिटी है। इसके चलते दिल्ली आनेवाली कुछ फ्लाइट्स को जयपुर और अहमदाबाद की तरफ डायवर्ट कर दिया गया है। जानकारी अनुसार लो विजिबिलिटी के चलते दिल्ली आनेवाली विस्तारा की तीन फ्लाइट्स को जयपुर और अहमदाबाद डायवर्ट किया गया। इनमें से दो फ्लाइट्स को जयपुर जबकि अहमदाबाद से दिल्ली आ रही फ्लाइट को वापस अहमदाबाद के लिए डायवर्ट किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शनिवार सुबह 6 बजे के करीब आनंदविहार इलाके में एक्यूआई 388 दर्ज किया गया था। अशोक विहार में एक्यूआई 386 दर्ज किया गया। इसके बाद सुबह 11 बजे के करीब आईटीआई जहांगीरपुरी में वायु गुणवत्ता सूचकांक 322 दर्ज की गई है। ओखला इलाके में एक्यूआई 295 दर्ज किया गया है। इसी तरह पंजाबी बाग में 276, मुंडका में 272, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम क्षेत्र में 271, आनंदविहार व आस-पास के क्षेत्र में 240, मंदिर मार्ग में 233 और जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के आस-पास क्षेत्र में एक्यूआई 217 दर्ज किया गया था।

जातिगत जनगणना से मिलेगा पिछड़े वर्ग को उनका हक : लालू प्रसाद यादव

छपरा । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि जातिगत जनगणना से पिछड़े वर्ग को और अधिक सुविधा मिलेगी। सारण जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान लालू ने कहा कि बिहार में जातिगत जनगणना उपरांत पिछड़े वर्ग को और अधिक सुविधा उपलब्ध होगी। लालू ने इस दौरान पूरे देश में जातिगत जनगणना करवाकर पिछड़े वर्ग को उनका हक तथा अधिकार दिलाने के लिए पार्टी द्वारा किए जा रहे कार्य का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।उन्होंने कहा कि विकास के लिए जिले में रेल चक्का कारखाना, डीजल इंजन कारखाना की स्थापना की गई। राजद सुप्रीमो ने सारण के बालू व्यवसाईयों की समस्या पर अपनी बात कहते हुए कहा कि वे राज्य सरकार से मिलकर इस समस्या के समाधान के लिए पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि सोनपुर-दीघा रेल-सह-सड़क पुल निर्माण के बाद इस क्षेत्र में विकास से लोगों को लाभ मिला है। बता दें कि कार्यक्रम में कला और संस्कृति मंत्री जितेन्द्र कुमार राय, श्रम संसाधन मंत्री सुरेंद्र राम, राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी, जदयू विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव, बख्तियारपुर विधायक अनिरुद्ध यादव सहित राजद के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर में जब चाहें चुनाव करा लें हम पूरी तरह तैयार : उपराज्यपाल सिन्हा

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि जब चाहें जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव करा लें। इसके लिए यहां का प्रशासन ने पूरी तरह तैयार है। सिन्हा के इस बयान के बाद यहां विधानसभा का चुनाव कब होंगे, इसको लेकर तमाम तरह की अटकलों को विराम लग गया है। चुनावों के बारे में गलत सूचना फैलाने पर कुछ राजनीतिक दलों पर निशाना साधते हुए सिन्हा ने कहा कि वह विधानसभा चुनावों को सफलतापूर्वक कराने के बाद ही उपराज्यपाल का पद छोड़ेंगे। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव में पहले ही देरी हो चुकी है, और आखिरी बार 2014 में चुनाव हुए थे। जम्मू में एक कार्यक्रम में सिन्हा ने कहा, ''चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर से इंतजाम के बारे में जो भी जानकारी मांगी थी, वह उसे सौंप दी गई है। मैं इस मंच से बताना चाहता हूं कि जब भी आयोग हमें कहेगा, जम्मू कश्मीर प्रशासन चुनाव कराने के लिए तैयार है।''उन्होंने कहा कि जब वह यहां आए थे, तब यहां पर बड़ी कमियां थीं, कई तरह की बाधाएं थी, उन्होंने उन बाधाओं को दूर विकास के लिए रास्ते बनाए। इससे जम्मू-कश्मीर में हालात बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में धारा 370 हटने के बाद पिछले चार सालों में अंधेरे से निकलकर उज्ज्वल भविष्य की ओर राज्य आगे बढ़ा है। जब कोई बीज डालते हैं और वह वृक्ष बनता है तो खुशी होती है। हर नागरिक की आकांक्षा को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही सिन्हा ने यह भी बता दिया कि वे अपना पद कब छोड़ेंगे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि चुनाव आयोग जब भी विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश देगा, उनका प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में इसे कराने के लिए तैयार है। इससे पहले उपराज्यपाल ने हाल ही में साफ किया था कि जम्मू-कश्मीर में नगरपालिका चुनाव जल्द कराए जाने की संभावना नहीं है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा था कि शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव परिसीमन के साथ-साथ प्रक्रिया के बाद होंगे। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित सीटें पूरी की गईं।

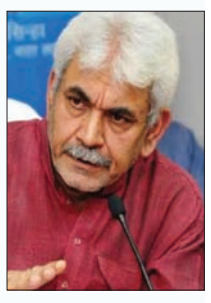

ईडी अधिकारी की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने साधा मोदी सरकार पर निशाना,

जयराम रमेश ने बताया भाजपा का सुपरस्टार प्रचारक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने तमिलनाडु में एक स्थानीय डॉक्टर से कथित तौर पर 20 लाख रुपये की उगाही करने के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय के एक अधिकारी की गिरफ्तारी पर शनिवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा के 'सुपरस्टार प्रचारक' एक बार फिर 'लड़खड़ा' गए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता, जयराम रमेश ने नरेंद्र मोदी सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और 'उन्हें राजनीतिक उपकरण में बदलने' का आरोप लगाया।

जयराम रमेश का ट्वीट

जयराम रमेश ने इसको लेकर एक एक्स पोस्ट किया। उन्होंने इसमें लिखा कि भाजपा के सुपरस्टार प्रचारकों में से एक इस बार तमिलनाडु में मुसीबत में हैं। कुछ हफ्ते पहले राजस्थान में एक ईडी अधिकारी को 15 लाख रुपए की रिश्वत के साथ पकड़ा गया था। अब ईडीके एक और अधिकारी को जबरन वसूली और रिश्वतखोरी के मामले में 20 लाख रुपए के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार ने विपक्ष और सरकार से सवाल करने वालों को परेशान करने और डराने-धमकाने के लिए ईडी/सीबीआई/आईटी को राजनीतिक औज़ार में बदलकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। अब इनके अधिकारी अपने स्तर पर छोटे-छोटे वसूली रैकेट चला रहे हैं।

अधिकारी हुआ गिरफ्तार

तमिलनाडु के डिंडीगुल में एक सरकारी कर्मचारी से कथित तौर पर 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक द्वारा गिरफ्तार किया गया था। अंकित तिवारी के रूप में पहचाने गए अधिकारी को 15 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद, ईडी के मदुरै कार्यालय में डिंडीगुल जिला सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी (डीवीएसी) द्वारा तलाशी ली गई। अंकित तिवारी के आवास की भी अधिकारियों ने तलाशी ली।

राजनीतिक तूफान

अंकित तिवारी की गिरफ्तारी ने राज्य में राजनीतिक तूफान ला दिया है। डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने आज एजेंसी को 'जबरन वसूली विभाग' कहा और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर 'राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों' को निशाना बनाने के लिए इसका दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी ने प्रवर्तन निदेशालय का बचाव करते हुए कहा कि तिवारी के कृत्य के लिए पूरी एजेंसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मदुरै में तैनात 2016 बैच के अधिकारी अंकित तिवारी को शुक्रवार को राज्य के डिंडीगुल जिले में एक डॉक्टर से कथित तौर पर रू.20 लाख की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था।

अवैध मदरसे व मस्जिद देश की सुरक्षा के लिए खतरा

पटना (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार में अवैध मदरसों और मस्जिदों की भरमार है जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने इस स्थिति के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि दोनों तुष्टीकरण में लगे हैं। नीतीश कुमार के जद-यू व लालू प्रसाद के राजद सत्तारूढ़ महागठबंधन के मुख्य घटक दल हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि लगता है कि बिहार में अवैध मदरसों और मस्जिदों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि नेपाल और बंगलादेश की सीमा से सटे इलाकों में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। उन्होंने कहा कि वैसे तो राज्य में मुसलमानों की आबादी लगभग 18 प्रतिशत है, लेकिन इन क्षेत्रों में उनकी संख्या अधिक है। उन्होंने कहा कि अगर चीजों को अनियंत्रित छोड़ दिया गया तो आने वाले 20 वर्षों में बिहार के लोगों के धर्म और धन को खतरा हो सकता है।

4 दिसंबर से शुरु होगा संसद का शीतकालीन सत्र, चर्चा में शामिल होंगे 7 नए, 11 लंबित बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार 4 दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है, जो कि आगामी 22 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 7 नए और 11 लंबित विधेयक चर्चा के लिए संसद के पटल पर पेश किए जाएंगे। 15 दिन चलने वाले सत्र के दौरान पूरक अनुदान मांगों का पहला बैच भी पटल पर रखा जाएगा। सरकार ने सत्र से पहले शनिवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। लोकसभा सचिवालय द्वारा अपनी वेबसाइट पर रखे गए कामकाज के ब्योरे के अनुसार सरकार 2023-24 के लिए पूरक अनुदान मांगों का पहला बैच सत्र के दौरान चर्चा और मतदान के लिए पेश करेगी। इसके अलावा, सरकार भोजन, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी), उर्वरक सब्सिडी और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के लिए अतिरिक्त धनराशि के लिए लोकसभा की मंजूरी भी मांग सकती है। संसद में चर्चा के लिए सूचीबद्ध 7 नए विधेयकों में 7 अक्टूबर को हुई जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक में दी गई सिफारिशों को शामिल करने के लिए केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विधेयक, तेलंगाना में केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना, जम्मू-कश्मीर और पुदुच्चेरी की विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण प्रदान करने के लिए दो और विधेयक शामिल हैं।

गौरतलब है कि जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने से संबंधित संविधान पूर्व का एक सदी पुराना बॉयलर एक्ट 1923 फिर से लागू करने के लिए सरकार ने बॉयलर बिल-2023 भी सूचीबद्ध किया है। इसी तरह प्रोविजनल कलेक्शन ऑफ टैक्स बिल-1931 को फिर लागू करने के लिए प्रोविजनल कलेक्शन ऑफ टैक्स बिल-2023 भी पटल पर रखा जाएगा। ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज रेगुलेशन बिल 2023 को सूचीबद्ध नहीं किया गया है, क्योंकि सरकार ने इसके प्रस्ताव पर 10 नवंबर को प्रतिक्रियाएं मांगी हैं।

इसके अलावा सूचीबद्ध 11 लंबित विधेयकों में भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को फिर से तैयार करने का प्रस्तावित कानून शामिल है। सरकार ने अगस्त में मॉनसून सत्र के आखिरी दिन आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता पेश की थी, जिसे लोकसभा ने संसदीय स्थायी समिति को भेज दिया था। हालांकि समिति ने अपनी रिपोर्ट सदन को सौंप दी है। चर्चा के दौरान विपक्ष विधेयकों के हिंदी नामों एवं अन्य विसंगतियों पर विरोध कर सकता है।

सीएम भूपेश बघेल ने महादेव एप पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

-पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सभी प्लेटफार्मों पर महादेव एप पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग के माध्यम से अवैध जुआ और सट्टेबाजी का कारोबार देश भर में फैल गया है और इसके संचालक और मालिक विदेशों से उक्त अवैध कारोबार चला रहे हैं। सीएम बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार और उनकी राज्य पुलिस इस अवैध कारोबार के संबंध में शुरू से ही सख्त कार्रवाई कर रही है।

इस संबंध में केस दर्ज करने, इसमें शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने और संपत्ति जब्त करने में सफलता हासिल की गई है। मार्च 2022 से अब तक इस संबंध में 90 से अधिक आपराधिक मामले छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा दर्ज हुए हैं। इसमें 450 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बैंक खातों में लगभग 16 करोड़ रुपये फ्रीज किए गए हैं, कई लैपटॉप, मोबाइल जब्त कर लिए गए हैं। सीएम बघेल ने बताया कि राज्य पुलिस ने 80 प्लेटफॉर्म, यूआरएल, लिंक, एप को प्रतिबंधित और अक्षम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को लिखा है। हाल ही में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा महादेव बुक सहित 22 अवैध सट्टेबाजी एप और वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि यह अवैध कारोबार कई अंतरराष्ट्रीय या घरेलू मोबाइल नंबरों, मेल आईडी, टेलीग्राम, व्हाट्सएप, यूआरएल, लिंक, इंस्टाग्राम, एपीके फाइलों आदि के माध्यम से भी संचालित होता है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि चूंकि ऑनलाइन सट्टेबाजी या जुआ का कारोबार चलाने वाले लोगों की आपराधिक गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक फैल गई हैं, इसलिए वे आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों और प्लेटफार्मों का उपयोग करके अपने अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। बघेल ने कहा कि अब तक की जांच से इन अवैध कारोबारियों की पूरी कार्यप्रणाली एजेंसियों के संज्ञान में आ गई है, इसलिए इनके कारोबार और बैंक खातों के अवैध संचालन को रोकने के लिए हर स्तर पर निवारक उपाय करने की सख्त जरूरत है। आरोपियों द्वारा उपयोग किया जाना तुरंत बंद किया जाना चाहिए।

अपने बच्चों को पाकिस्तान ले जाना चाहती हैं अंजू

-दोनों देशों के कानून में कई पेचीदियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने मित्र नसरुल्ला से मिलने के लिए पाकिस्तान जाने और बाद में उससे शादी करने के कारण सुर्खियों में आई भारतीय महिला अंजू इस हफ्ते की शुरुआत में देश लौट आई। अंजू अब इस्लाम अपनाने के बाद फातिमा नाम से जानी जाती है। 29 नवंबर को नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने की अनुमति देने से पहले पंजाब पुलिस की खुफिया इकाई ने अंजू से पूछताछ की। अंजू ने अधिकारियों को बताया कि उसने इस्लाम धर्म अपना कर नसरुल्लाह से शादी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक हालांकि वह अपनी शादी का कोई प्रमाण नहीं दे सकी और उसके पास अपनी शादी से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं था।

सबसे बड़ी बात है कि अंजू ने भारत में रहने वाले अपने पहले पति अरविंद को तलाक देने के बाद अपनी पहली शादी से हुए बच्चों को पाकिस्तान ले जाने की अपनी योजना के बारे में भी बात की। जाहिर है कानूनी तौर पर तलाक के बाद ही अंजू को अपने बच्चों की कस्टडी मिल सकती है। अंजू और उसके पहले पति के बीच बच्चों की कस्टडी की लड़ाई में कानूनी मुद्दे शामिल हैं। इस मामले पर फैसला करते वक्त कई बातों पर विचार करना होगा, जिसमें बच्चों के अभ्यस्त निवास, राष्ट्रीयता, और तलाक या अलगाव की कार्यवाही कहां शुरू की गई थी, जैसे पेचीदे मुद्दे शामिल है। दोनों देशों में सांस्कृतिक मानदंड और धार्मिक प्रथाएं कस्टडी संबंधी फैसलों को प्रभावित कर सकती हैं। सांस्कृतिक कारकों पर विचार करते समय न्यायालय बच्चे के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रख सकते हैं। दोनों पक्षों को दोनों देशों में कानूनी प्रणालियों की जटिलताओं से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय परिवार कानून से परिचित कानूनी विशेषज्ञों की जरूरत हो सकती है। कानूनी प्रणालियों और देशों के बीच सहयोग में अंतर के कारण अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार कस्टडी के आदेशों को लागू करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

निज्जर मामले में फिर कनाडा की किरकिरी, भारत की जांच टीम को नहीं दे रहा वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा ने भारत पर आरोप लगाए थे। लंबा समय बीतने के बाद भी कनाडा इस घटना के संबंध में भारत को कोई सबूत नहीं दे पाया है। जबकि भारत बार बार कनाडा से सबूत मांगता रहा है। निज्जर की हत्या के मामले में भारत सरकार नें कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों और एनएसए के अन्य अधिकारियों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया था, लेकिन जब भारत अपने अधिकारियों को कनाडा भेजने का निर्णय किया तब उसने भारतीय टीमों को वीजा देने से इनकार कर दिया गया। हुआ ये कि भारत सरकार यह पता करने के लिए एक टीम को कनाडा भेजना चाह रही थी कि निज्जर की हत्या पर भारत के खिलाफ कनाडाई लोगों की क्या राय है? भारतीय सरकार का कहना है कि कनाडा को हमारी टीमों को आने की अनुमति देनी चाहिए और दिखाना चाहिए कि उनके पास हमारे खिलाफ क्या सबूत है, लेकिन वे हमारे कई बार के अनुरोधों के बावजूद वीजा जारी नहीं किया। भारत के एनएसए डोभाल और उनके कनाडाई समकक्ष ने आतंकवाद मुद्दे पर चर्चा की। डोभाल ने कनाडा में बैठे उपद्रवियों और आतंकवादियों के बारे में स्पष्ट जानकारी दी। डोभाल ने अपने समकक्ष को भारत के विभिन्न एजेंसियों और राज्य के पुलिस के वांटेडों की सूची और एलआर की भी सूची दी थी। भारत के एनएसए डोभाल का कहना है कि भारत समय-समय पर कनाडा के साथ समय-समय पर खुफिया जानकारी साझा की और वांटेडों के ठिकानों की जानकारी भी उपलब्ध कराई।' उधर कनाडा के एनएसए ने भारत पर आतंकी निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था, हालांकि डोभाल ने कहा कि अगर उसके हत्या में भारत का हाथ है तो एफआईआर या कोई स्पष्ट सबूत जारी करे। डोभाल ने कहा कि अगर हमारे तरफ से कोई दोषी निकला तो कड़ी कारवाई करेंगे, लेकिन कनाडाई कभी कोई सबूत पेश नहीं कर सके. भारत ने कहा कि कैनेडियन ये सब सिर्फ फेक नैरेटिव क्रिएट करने के लिए कर रहे हैं। कनाडा कभी भी आतंकी मामलों में जांच में कभी सहयोग क्यों नहीं किया, जहां कनाडा से हमले हुए थे। बताया जा रहा है कि वीडियो और ऑडियो सबूत जानने के बावजूद एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई। कनाडा की धरती से आए दिन हिंदुओं को धमकियां मिलती रहती हैं, लेकिन वे पुन्नू को गिरफ्तार नहीं करते..ऐसा क्यों? भारत ने ये भी कहा कि कनाडा में आतंकवादी समूहों को संरक्षण देने का ही परिणाम है कि निज्जर की मौत गैंगवार में गई थी।

पाकिस्तान से अयोध्या पहुंची रामलला की विशेष पोशाक,प्राण प्रतिष्ठा के दिन पहनेंगे प्रभू श्रीराम

अयोध्या(ईएमएस) । अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा अगले माह होना है। इसकी तैयारी बहुत जोरों से चल रही है। जरुरत के मुताबिक अलग अलग जगह से सामग्री अयोध्या पहुंच रही है। पाकिस्तान से भगवान श्रीराम के वस्त्र भी अयोध्या पहुंचे हैं। पाकिस्तान के सिंध प्रांत से ये पोशाक सिंधियों ने भेजी है जिसे प्रभु राम धारण करेंगे। अयोध्या में 22 जनवरी को मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम रखा गया है। बता दें कि 22 जनवरी को मंदिर में रामलला और अन्य देवी देवताओं के प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम रखा गया है। ऐसे में रामलला की पोशाक पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अयोध्या पहुंची है। रामलला की पोशाक अयोध्या के सिंधी कॉलोनी स्थित रामनगर पहुंची। रामनगर के देवालय मंदिर में रामलला के पोशाक की पूजा की गई। 21 पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार वस्त्र को शुद्ध करने के लिए मंत्रोच्चार के साथ आरती की गई। रविवार को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से सिंधी समुदाय के सैकड़ों लोग रामलला की पोशाक को राम लला के मुख्य अर्चक को सौंपेंगे। अयोध्या में बने रहे श्री राम जन्मभूमि मंदिर की सुरक्षा बेहद कड़ी होगी। इसके लिए राष्ट्रपति और संसद भवन के तर्ज सुरक्षा व्यवस्था बनाई जा रही है। देश की अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों के साथ सीआईएसएफ ने इसके लिए एक सुरक्षा प्लान तैयार किया है, जिसमें फिजिकल सिक्योरिटी के बजाय आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

चंक्रवाती तूफान मिचौंग बरपा सकता है कहर, एनडीआरएफ की 18 टीमें तैनात

-तेज हवाओं के साथ सोमवार को मचाएगा उत्पात, आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान मिचौंग से सावधानी बरतने आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी किया है। यह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहा है, जो कि सोमवार सुबह सक्रिय होगा। इसके चेन्नई से निकलकर नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच टकराने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, पूर्वानुमान से पता चलता है कि इस तूफान के चलते इस पूरे इलाके में 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस तूफान के मद्देनजर तिरुवल्लुर जिले में सोमवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि यहां 21 सेंटीमीटर या उससे अधिक भारी बारिश हो सकती है। इस बीच अधिकारियों ने एडवायजरी करते हुए चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर 4 दिसंबर को पुडुचेरी, कराईकल और यनम क्षेत्रों के सभी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। वहीं पुडुचेरी और इसके बाहरी इलाकों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जब?कि कल मॉनसून में कुछ कमी देखी गई।

अलर्ट जारी करते हुए मौसम विभाग ने कहा कि यह सिस्टम 2 दिसंबर को गहरे दबाव में बदल सकता है और अगले दिन चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। चक्रवात मिचौंग के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इस तूफान के चलते चेन्नई में अगले 48 घंटों तक गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। प्रशासन ने 4 दिसंबर को पुडुचेरी, कराईकल और यनम क्षेत्रों के सभी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है।

वहीं 5 दिसंबर को उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के साथ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

इधर एनडीआरएफ ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पुडुचेरी को 18 टीमें स्टैंडबाय की हैं और 10 अतिरिक्त टीमों को भी तैयार रखा है। इस तूफान की वजह से ओडिशा के कोरापुट, रायगड़ा, गजपति, गंजम, पुरी और जगतसिंहपुर के कुछ इलाकों में 3 दिसंबर को हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इसके साथ ही 5 दिसंबर को भारी से बहुत भारी बारिश के पूर्वानुमान के साथ ओडिशा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने अधिकारियों को चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना वाले स्थानों से लोगों को निकालने सहित एहतियाती कदम उठाने के लिए भी कहा है।

हरनेक सिंह की हत्या प्रयास मामले में 3 खालिस्तानी चरमपंथी दोषी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड की राजधानी ऑकलैंड में लोकप्रिय रेडियो होस्ट हरनेक सिंह की हत्या के प्रयास के लिए 3 खालिस्तान चरमपंथियों को सजा सुनाई गई है। हरनेक खालिस्तान की विचारधारा के खिलाफ मुखर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया कि 27 साल के सर्वजीत सिद्धू ने हत्या के प्रयास का जुर्म कबूल कर लिया, वहीं 44 साल के सुखप्रीत सिंह को सहायक होने का दोषी पाया गया। इसके अलावा तीसरे व्यक्ति, 48 वर्षीय ऑकलैंड निवासी, जिसका नाम जाहिर नहीं किया गया, ने अलगाववादी आंदोलन के मुखर विरोधी रहे हरनेक सिंह पर हमले की योजना बनाई थी। यह हमला 23 दिसंबर, 2020 को हुआ था, जब हरनेक पर धार्मिक चरमपंथियों के एक समूह ने घात लगाकर हमला कर दिया था। उन्हें 40 से अधिक चाकू के घाव लगे और ठीक होने के लिए 350 से अधिक टांके और कई सर्जरी की आवश्यकता पड़ी। मामले की सुनवाई के दौरान, जस्टिस मार्क वूलफोर्ड ने सामुदायिक सुरक्षा और धार्मिक कट्टरता के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध की आवश्यकता पर जोर दिया। जस्टिस वूलफोर्ड ने फैसले में कहा, 'यह धार्मिक कट्टरता के सभी लक्षण प्रदर्शित करता है. इस संदर्भ में सजा देने के लिए एक अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बता दें कि हरनेक सिंह को नेक्की के नाम से भी जाना जाता है। तीन कारों में बैठे लोगों ने उनका पीछा किया और फिर उनकी कार रोककर हमलावरों ने उन पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए।

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम मोदी को बताया अच्छा दोस्त, सेल्फी को किया शेयर

दुबई। दुबई में आयोजित सीओपी 28 समिट में शामिल होने आईं इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। उन्होने अपने एक्स एकाउंट पर पीएम मोदी के साथ सेल्फी शेयर करते हुए उन्हे एक अच्छा दोस्त बताया है। दुबई में जलवायु समिट के दौरान मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक सेल्फी ली। इस सेल्फी को उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की। मेलोनी ने लिखा,सीओपी 28 में अच्छे दोस्त'। बता दें कि यूएई में इस समय जलवायु सम्मेलन चल रहा है। इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दुनियाभर के कई नेता पहुंचे हैं। पीएम मोदी भी इसमें शामिल होने पहुंचे थे। समिट में पीएम मोदी ने सभी देशों से पर्यावरण के बारे में सोचने का आह्वान किया। कार्बन उत्सर्जन में कटौती को लेकर बात की।

पुतिन ने रूसी महिलाओं से कहा– कम से कम 8 बच्चे पैदा करें

मास्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हमें आने वाले कुछ दशकों तक रूस की आबादी बढ़ाने का लक्ष्य रखना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे यहां अब भी कई समुदाय है, जो आज भी बड़े परिवारों में यकीन रखते हैं। उनके चार, पांच या उससे भी ज्यादा बच्चे हैं। हमारी दादी, परदादी और परनानी के 7, 8 या उससे भी ज्यादा बच्चे होते थे। पुतिन ने कहा कि रूसी महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए और बड़े परिवार को आदर्श बनाना चाहिए। पुतिने ने ये बात वर्ल्ड रशियन पीपुल्स काउंसिल को संबोधित करते हुए कही। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस को बड़े परिवारों को जीवन जीने का तरीका अपनाकर ऐसी परंपराओं को जिंदा रखना होगा। उन्होंने कहा कि परिवार सिर्फ राज्य या समाज का ही आधार नहीं है, बल्कि धार्मिक लिहाज से भी सही है। उन्होंने कहा कि सभी रूसी सार्वजनिक संगठनों और पारंपरिक धर्मों को परिवारों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यही सालों-साल पुराने रूस का भविष्य होना चाहिए। बता दें कि पुतिन का ये बयान ऐसे समय पर आया है, जब यूक्रेन के साथ जंग को 20 महीने से ज्यादा हो चुके हैं। और इस जंग में रूस के लाखों सैनिक मारे जा चुके हैं. नवंबर में यूके के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया था कि यूक्रेन के साथ जंग में रूस के तीन लाख से ज्यादा सैनिकों की मौत हो गई है।

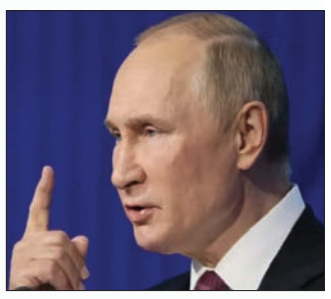

अफगानी बुर्का पहनकर भीख मांग रही पाकिस्तानी महिलाएं

इस्लामाबाद । कंगाल हो चुके पाकिस्तान की हालात और बदतर होती जा रही है, जिसका असर पाकिस्तानी महिलाओं की जीवन शैली पर भी दिख रहा है। पाकिस्तानी महिला का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वहां अफगानी बुर्का पहनकर भीख मांग रही है। दरअसल, पाकिस्तान में यदि कोई अफगानी महिला अपने देश की वेशभूषा पहन कर भी मांगती है, तब अफगानी इलाकों में उनकी ज्यादा से ज्यादा मदद की जाती है। हालांकि ऐसा बेहद कम ही देखा गया है कि जब अफगानी महिला भीख मांगती हुई नजर आई हो। बड़ा तथ्य है कि पाकिस्तान में पंजाबी महिलाओं की स्थिति बेहद मजबूत मानी जाती थी। लेकिन अब पंजाबी पाकिस्तानी महिलाएं ही अफगानी बुर्का पहनकर भीख मांगती दिख रही हैं। मामले के मुताबिक पाकिस्तान के अफगान बाहुल्य इलाके में अफगानी बुर्का पहने हुए महिला सड़क पर भीख मांगती हुई नजर आई, जिसके बाद लोगों ने उसकी मदद करनी शुरू की। लेकिन थोड़ी देर बाद ही एक अफगानी नागरिक को शक हो गया। अफगानी नागरिक ने महिला को कहा कि वह अफगानी बुर्का पहनकर भीख ना मांगे। क्योंकि इससे उनकी औरतों की बेइज्जती होती है और अफगानी महिलाएं जल्दी भीख नहीं मांगती। अफगानी नागरिक ने कहा कि वह जान चुका है कि वह पंजाबी पाकिस्तानी महिला है, लिहाजा वह अपना सामान उठाकर वहां से चली जाए और यदि वह वास्तव में अफगानी महिला है, तब अपना बुर्का खोलकर दिखाएं कि वह अफगानी ही है। थोड़ी देर सवाल जवाब के बाद अफगानी बुर्का पहने महिला ने उस जगह को छोड़ दिया, जिससे स्पष्ट हो गया कि वह महिला वास्तव में पंजाबी पाकिस्तानी महिला थी। उक्त अफगानी नागरिक ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया, जिसका पाकिस्तानी लोगों ने बेहद बुरा माना और उसके थोड़ी देर बाद ही पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की तरफ से कुछ फोटो सोशल मीडिया पर डाले गए, जिनमें उन अफगानी नागरिकों को दिखाया गया था, जो पाकिस्तानी महिलाओं के कपड़े पहन कर पाकिस्तान में पकड़ी गई थीं।

चीनी निमोनिया : दुनियाभर में मंडराया ख़तरा

जिनेवा । चीन में इन दिनों निमोनिया से मिलती-जुलती एक नई बीमारी कहर ढा रही है। यह बहुत ही घातक बीमारी बताई जा रही है, जिसका बच्चे शिकार हो रहे हैं। इस बीमारी के लक्षण काफी हद तक निमोनिया से मिलते-जुलते हैं। बीमारी ने अभी तक हजारों बच्चों को संक्रमित कर अपनी चपेट में ले लिया है। ताजा हालातों को देखते हुए डब्ल्यूएचओ भी इसे एक बड़ा खतरा मान रही हैं। वहीं चीन के अधिकारी इसे कोई नई बीमारी मानने से मना कर रहे हैं। उनका कहना है कि कोविड के प्रतिबंधों को हटाने की वजह से ये मामले बढ़े हैं। चार साल पहले भी कोविड के शुरुआती केस सामने आने के बाद चीन ने कुछ ऐसा ही बयान दिया था। खास बात ये भी है कोविड और निमोनिया दोनों की शुरुआत का केंद्र चीन का वुहान शहर ही है। नवंबर महीने की शुरुआत से ही चीन में इस रहस्यमयी बीमारी से पैर फैलाने शुरु किए। 13 नवंबर को चीनी अधिकारियों को इसे लेकर स्पष्टीकरण देना पड़ा था।

चीनी अधिकारियों इस दौरान सिर्फ सांस लेने संबंधी बीमारी के बारे में बताया था। हालांकि 21 नवंबर को अचानक से मामलों से बढ़ोतरी देखने को मिली। ज्यादा से ज्यादा बच्चा इसे संक्रमित होने लगे, जिससे स्कूल को बंद करने तक की नौबत आ गई। इससे पहले भी कोविड के समय पर पहली बार 17 नवंबर को एक व्यक्ति में कोरोना के लक्षण मिले जि। ?जिसका नतीजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ा। लगभग 5.55 करोड़ से ज्यादा लोग इस वायरस का शिकार बने थे। वहीं निमोनिया के लगातार बढ़ते मामलों को देखतर अब डब्ल्यूएचओ ने चीन से विस्तार से इस बीमारी के बारे में जानकारी मांगी है।

इटली के ज्वालामुखी माउंट एटना का विस्फोट कैटेनिया शहर से भी दिखाई दिया।

यूक्रेन जंग के बीच रुस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए तैयार शुरु

-पुतिन फिर से चुनाव लड़ने को लेकर संशय

मॉस्को । यूक्रेन में संघर्ष के बीच, रूस में नए राष्ट्रपति के लिए मार्च 2024 में चुनाव होने है। इस दौरान फोकस इस पर है कि क्या निवर्तमान व्लादिमीर पुतिन फिर से चुनाव लड़ने को तैयार है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या किसी अन्य नेता के उभरने का मतलब नीतियों में बड़ा बदलाव होगा।कानून के तहत, रूसी राष्ट्रपति चुनाव मार्च के मध्य में होने हैं। संसद के ऊपरी सदन फेडरेशन काउंसिल द्वारा चुनाव से 90 से 100 दिन पहले लगभग 8 से 18 दिसंबर के बीच तारीख की घोषणा करने की उम्मीद है।2020 के संवैधानिक संशोधन के बाद ये पहला चुनाव होगा, जिसमें दो राष्ट्रपति पद की सीमा तय की गई है, लेकिन पूर्वव्यापी रूप से नहीं, इस तरह पुतिन को 2024 और यहां तक कि 2030 में भी चुनाव लड़ने की अनुमति मिलेगी। घोषित या संभावित उम्मीदवारों की वर्तमान श्रृंखला को देखते हुए इन चुनावों में पहले प्रावधान की संभावना बहुत कम लगती है, जब तक कि पुतिन 1999 में अपने पूर्ववर्ती बोरिस येल्तसिन के पैंतरे को दोहराते नहीं हैं। 1998 में प्रधानमंत्री के रूप में अपनी पसंदीदा पसंद विक्टर चेर्नोमिर्डिन को पुन: स्थापित करने में विधायिका द्वारा विफल किए जाने पर, येल्तसिन ने अगस्त 1999 में सरकार के प्रमुख के रूप में पुतिन, जो उस समय घरेलू खुफिया एजेंसी के प्रमुख थे, को चुनने से पहले इस पद के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। येल्तसिन ने साल के अंत में अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा दे दिया, जिससे पुतिन, उनके गुप्त नियोजित उत्तराधिकारी, शीर्ष पद पर पहुंच गए। पुतिन, जिन्होंने घोषणा की है कि चुनाव के औपचारिक ऐलान होने के बाद तय करूंगा, कि वह अपने पांचवें कार्यकाल के लिए चुनाव लडने वाले हैं या नहीं। हालांकि सूत्रों से संकेत मिलता है कि वह चुनाव लड़ने को तैयार हैं। उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल (2000-08) के अंत में उनके चुने गए उत्तराधिकारी दिमित्री मेदवेदेव थे, जिन्हें वे सोवियत काल के बाद सेंट पीटर्सबर्ग से जानते थे, जो 2000 से उनके प्रशासन से जुड़े थे, और 2008 के चुनावों से कुछ महीने पहले उन्हें उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया था।

कॉप28 में बुलंद हुई भारत की आवाज, ग्रीन केडिट की हुई पहल

-197 देशों को संबोधन में पीएम मोदी ने जीपीसी को बताया धरती की खास जरूरत

दुबई (एजेंसी)। दुनिया में जलवायु से जुड़ी वार्ता में भारत की आवाज बुलंद हुई है। कॉप28 में पीएम नरेन्द्र मोदी ने 197 देशों को एक साथ संबोधित करते हुए ग्रीन क्रेडिट की पहल की। उन्होने जीपीसी को धरती की खास जरुरत बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप28) की बैठक में प्रदूषण फैलाने वालों की निंदा करने के साथ ही विकासशील देशों की आवाज बुलंद की। गौरतलब है कि मोदी कॉप28 के उद्घाटन समारोह में भाषण देने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने जलवायु से जुड़े कदमों के लिए जनता द्वारा संचालित पद्धति का आह्वान करते हुए इस प्रमुख जलवायु वार्ता मंच पर ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम की पेशकश की। ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) लाइफ अभियान का हिस्सा है जो राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर जलवायु के लिए निर्धारित किया गया योगदान (एनडीसी) है और इसे यूएनएफसीसी के पास जमा किए गए जलवायु कार्ययोजना का हिस्सा माना जाता है। प्रधानमंत्री ने 197 सदस्य देशों को संबोधित करते हुए कहा, 'ग्लासगो में मैंने आपके सामने पर्यावरण के लिए जीवनशैली का दृष्टिकोण (लाइफ) की पेशकश की थी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के एक अध्ययन में कहा गया है कि इस तरह की पहल से हर साल दो अरब टन कार्बन उत्सर्जन की बचत की जा सकती है। आज मैं इस धरती के लिए एक और सकारात्मक पहल का आह्वान कर रहा हूं जो ग्रीन क्रेडिट है।'

प्रधानमंत्री मोदी दुबई के एक्सपो सिटी में कई देशों के प्रमुख प्रतिनिधियों और शासनाध्यक्षों को संबोधित कर रहे थे। बता दें कि इस बार दुबई कॉप28 की मेजबानी कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने भाषण के दौरान वर्ष 2028 में भारत द्वारा कॉप33 की मेजबानी करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा ?कि यह एक जन अभियान है जो कार्बन क्रेडिट की व्यावसायिक मानसिकता से परे है। इसका पूरा ध्यान लोगों की भागीदारी के जरिये कार्बन सिंक बनाने पर है और मैं आप सभी को इस पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।' बता दें कि ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम के मसौदे की घोषणा इस साल जून में राजपत्रित अधिसूचना के माध्यम से की गई थी। 13 अक्टूबर को पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि जीसीपी एक नए तरह का बाजार-आधारित तंत्र है जिसका डिजाइन लोगों, समुदायों, निजी क्षेत्र के उद्योगों और कंपनियों जैसे विभिन्न हितधारकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में स्वैच्छिक तरीके से पर्यावरण की सुरक्षा से जुड़े कार्य को प्रोत्साहित करने के मकसद से तैयार किया गया है।

इमरान ने जेल से चुन लिया पार्टी अध्यक्ष, पीटीआई अध्यक्ष बने बैरिस्टर गौहर अली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री एवं पीटीआई नेता व मशहूर क्रिकेटर इमरान खान ने जेल में रहते हुए बैरिस्टर गौहर अली खान को पीटीआई का नया अध्यक्ष निर्विरोध रुप से चुन लिया गया है। इमरान को तहरीक-ए-इंसाफ की मान्यता बरकरार रखने के लिए नया अध्यक्ष नियुक्त करना पड़ा है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में सेना का सहयोग खत्म होते ही पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सितारे गर्दिश में आ गए थे। उन्हें अनेक मामलों में जेल भेजा जा चुका है। ऐसे में जेल में रहते हुए अब इमरान खान ने अपनी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की मान्यता बरकरार रखने के लिए नए अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। बैरिस्टर गौहर अली खान को पीटीआई का नया अध्यक्ष निर्विरोध रुप से चुन लिया गया है। पीटीआई मुख्य चुनाव आयुक्त नियाजुल्लाह नियाजी ने नतीजों की घोषणा करते हुए बताया है, कि आज ही पार्टी अध्यक्ष के लिए चुनाव करवाए गए थे जिसमें बैरिस्टर गोहर को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने कहा कि उमर अयूब खान को केंद्रीय महासचिव चुना गया है, जबकि अली अमीन गंडापुर और डॉ. यास्मीन राशिद को क्रमशः खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब में पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष के तौर पर चुन लिया गया है। यह कदम पाकिस्तान चुनाव आयोग के निर्देशों पर किया गया है। बताया गया है कि पार्टी का केंद्रीय मतदान केंद्र पेशावर के रानो गढ़ी में मोटरवे टोल प्लाजा के समीप ही स्थापित किया गया था, जहां खैबर पख्तूनख्वा के पीठासीन अधिकारी अली जमान की मौजूदगी में चुनाव संपन्न कराए गए। इस बीच चुनाव अधिकारी जमान ने बताया कि चुनाव के लिए पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ से अधिक थी, जिन्होंने इस चुनाव में हिस्सा लिया है।

कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों को डर सुनक मतदाताओं को लुभाने में विफल हो सकते

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में अगले साल होने वाले आम चुनावों को देखकर कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ सांसदों और रणनीतिकारों को डर है कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक मतदाताओं को आकर्षित करने में विफल रह सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पीएम सुनक के किरियाकोस मित्सोटाकिस के साथ बैठक को अचानक रद्द करने के फैसले से राजनीतिक लड़ाई के बीच एक बार फिर टोरी में अशांति का डर पैदा हो गया है। गुस्साए सुनक ने दावा किया कि उनके ग्रीक समकक्ष ने आश्वासन दिया था कि वह अपनी तीन दिवसीय यूके यात्रा के दौरान विवादित पार्थेनन मूर्तियों के बारे में सार्वजनिक रूप से बात नहीं करने वाले हैं, लेकिन वे उस वादे से मुकर गए। किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री के लिए किसी यूरोपीय सहयोगी के साथ बैठक रद्द करना लगभग अनसुना है, जो विशेष रूप से 10 डाउनिंग स्ट्रीट में उनसे मिलने के लिए गए थे, और सुनक के फैसले से ग्रीस में आक्रोश फैल गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, एथेंस में सरकारी प्रवक्ता ने निर्णय को अभूतपूर्व और अपमानजनक बताया। जानकार ने कहा, जब वह चांसलर थे तब जनता ऋषि सुनक को आधिकारिक और आश्वस्त करने वाला मानती थी, अब वे उन्हें व्याख्यान देते और कभी-कभी तड़क-भड़क वाला पाते हैं। सुनक के विचारों में इस बदलाव के संकेत पिछले साल की नेतृत्व बहस के बाद से स्पष्ट हो गए हैं, जब जनता ने लिज ट्रस के प्रति सुनक के रवैये को असभ्य पाया-तब भी जब वह कह रहे थे कि वह उनसे सहमत थे। यह देखते हुए कि वह पहले से ही सहानुभूति के सवालों पर संघर्ष कर रहे हैं, प्रधानमंत्री को जनता के साथ एक टोन की समस्या विकसित होने का खतरा है और उन्हें वापस सुरक्षित जुड़ हुए हाथों पर स्विच करने की आवश्यकता है; खुद को सर्वज्ञ समझने की बजाय।

मोसाद को मिला टॉस्क...दुनिया में कही छुपे हो हमास के नेता उन्हें मार दे

-प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दिया आदेश

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल गाजा में जारी लड़ाई के बीच अब दुनिया के विभिन्न देशों में छुपे बैठे हमास के नेताओं को चुन-चुनकर मारने की योजना बना रहा है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इजरायली खुफिया एजेंसियों को हमास नेताओं की हत्या का आदेश दिया गया है, ताकि वे यहूदी देश पर 7 अक्टूबर जैसा हमला दुबारा कभी न कर सकें। हमास के ज्यादातर टॉप नेता कतर और लेबनान जैसे खाड़ी देशों में निर्वासन में रह रहे हैं। इसके बाद इन नेताओं के खात्मे के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली खुफिया एजेंसियों को गाजा के बाहर हमास के शीर्ष नेताओं की हत्या का टास्क दिया है।

दरअसल इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद अपने इसतरह के गुप्त आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए जाना जाता है। 1970 के दशक में भी मोसाद म्यूनिख ओलंपिक नरसंहार में शामिल 'फिलिस्तीनी चरमपंथियों' की हत्या का अभियान चलाया था, जो करीब एक साल तक चला। वहीं मोसाद पर हाल के वर्षों में फिलिस्तीनी चरमपंथियों और ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की दूसरे देशों में हत्या कराने का इल्जाम भी लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ लोगों ने 7 अक्टूबर के हमले के बाद इजरायल से हमास नेता खालिद मेशाल और अन्य की तुरंत हत्या करने का आह्वान किया है। नेतन्याहू ने भी नवंबर के अंत में अपने एक भाषण में विदेश में छुपे हमास नेताओं की हत्या के लिए इजरायल की योजनाओं का संकेत दिया था।

नेतन्याहू ने कहा था कि उन्होंने खुफिया एजेंसी मोसाद को गाजा के बाहर अन्य देशों में रहने वाले हमास के नेतृत्व का पता लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, मैंने मोसाद को हमास के प्रमुखों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, चाहे वे कहीं भी हों। हालांकि प्रधानमंत्री द्वारा खुलेआम ऐसा कहने से कई अधिकारी भड़क गए थे, क्योंकि वह अपने पूरे मिशन को गुप्त रखना चाहते थे। हालांकि, ऐसी किसी मुहिम से कतर या तुर्की की धरती पर ऐसा करने से बंधकों को मुक्त कराने के राजनयिक प्रयासों में रोड़ा पड़ सकता था और यही सोचकर को इस प्लान को टाल दिया गया था।

युद्ध के मैदान में उतरी एआई ने बरपाया हमास पर कहर

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग में एआई का भरपूर उपयोग इजरायल ने किया है। इस तकनीक से सटीक निशाना लगता है और लक्षित स्थान पर हमला करना आसान होता है। शायद यही वजह है कि इजरायल हमास पर जमकर कहर बरपाने में कामयाब हो रहा है। गाजा पट्टी में इजरायल और फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास के बीच 6 दिनों के सीजफायर खत्म होने के बाद फिर से हमले शुरू हो गए हैं। दावा किया जा रहा है कि गाजा में हुए इजरायली हवाई हमलों में ही अब तक 14 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अब इसके साथ ही यह भी पता चला है कि चरमबंदी संगठन को खत्म करने के लिए 7 अक्टूबर को इजरायल में घुसकर हमास के क्रूर हमले के बाद इजरायल ने पूरे गाजा पट्टी क्षेत्र से आतंकवाद के खात्मे की कसम खाई है।

आईडीएफ ने 2 नवंबर के अपने आर्टिकल में दावा किया कि 27 दिनों की लड़ाई में 12 हजार से ज्यादा टारगेट को हिट किया गया। यानी एक दिन में करीब 444 टारगेट हिट हुए। टारगेट में इजाफा एआई से मिले डेटा की वजह से है। इससे पहले इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज और मैट्रिक्स डिफेंस ने ऑटोमेटेड-टारगेट डिटेक्शन सिस्टम डेवलप करने के लिए समझौता किया था। राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने स्पाइस बम और सर्विलांस के लिए इस्तेमाल होने वाली दूसरी टेक्नोलॉजी में एआई को शामिल किया है। 972 मैग और लोकल कॉल की रिपोर्ट में कहा गया है कि गॉस्पेल ऑटोमेटेड रेट से टारगेट बना सकता है। यह एआई सिस्टम अनिवार्य रूप से हमलावरों के पूरे ग्रुप को एक साथ टारगेट कर सकता है। ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि फायर फैक्ट्री म्यूनिशन लोड (युद्ध सामग्री भार) का कैल्कुलेशन कर सकते हैं. गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टारगेट डिविजन ने आईडीएफ को 30,हजार से 40 हजार संदिग्ध हमलावरों के बीच एक डेटाबेस बनाने में मदद की है। इन्हें निशाना बनाया गया।

आईडीएफ के प्रमुख के रूप में काम कर चुके अवीव कोचवी ने कहा कि टारगेट डिविजन एआई की क्षमताओं से लैस है। इसमें सैकड़ों अधिकारी और सैनिक शामिल हैं।रिपोर्ट के मुताबिक इसरायल इस हमले के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी के खास टूल्स का इस्तेमाल कर रहा है। इनका नाम है गॉस्पेल अलकेमिस्ट और डेथ ऑफ विजडम। ये सिस्टम खास तौर पर तैयार किए गए हैं जो टारगेट को लॉक कर खत्म करने के लिए गाइडेड कमान से लैस हैं! गाजा में हमास के साथ जंग में इन एआई टूल्स का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। 2021 में इजरायल ने गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने जवाबी कार्रवाई में ऑपरेशन गार्डियंस ऑफ द वॉल शुरू किया था। 11 दिनों की लड़ाई को पहले एआई युद्ध के नाम से भी जाना जाता है। टूल्स से लिए गए डेटा का इस्तेमाल गाजा में टारगेट को हिट करने के लिए किया गया था। गॉस्पेल जैसे सिस्टम का इस्तेमाल ऑटोमेटेड टूल्स को तेज रफ्तार से टारगेट को हिट करने के लिए किया जाता है। जरूरत के हिसाब से सटीक और हाई-क्वालिटी वाले इंटेलिजेंस सिस्टम में सुधार करके इसका इस्तेमाल किया जा रहा है।

गॉस्पेल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अपडेटेड इंटेलिजेंस के रैपिड ऑटोमेटेड एक्सट्रैक्शन से रिसर्चर के लिए एक रिकॉमेंडेशन तैयार करता है। इसका काम सिस्टम के रिकॉमेंडेशन और किसी व्यक्ति द्वारा की गई पहचान को पूरा मिलाना है। यानी यह खुफिया

जानकारी की पुष्टि और कार्रवाई में मददगार है। 2021 के संघर्ष में ह्यूमन इंटेलिजेंस, विजुअल इंटेलिजेंस और सिग्नल इंटेलिजेंस से डेटा लिए गए थे। सटीक हमलों के ऑपरेशन के लिए डेटा को सिस्टम में फीड किया जाता है। सैटेलाइट, ग्राउंड इंटेलिजेंस इंफोर्मेशन और सर्विलांस से मिले डेटा सभी सिस्टम में इंस्टॉल हैं। ये हमले को अचूक बनाते हैं।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच जोरदार होगा पांचवा टी20 मुकाबला

-आज बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर मचेगा घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीरीज का 5वां और आखिरी टी20 मैच रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने जा रहा है। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। बता दें कि मेजबान टीम इंडिया रायपुर टी20 जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी है। भारत ने चौथे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से पराजित किया। अब सभी की नजरें पांचवें टी20 पर टिक गई है। लोग बेंगलुरु में पिच पर बड़ा स्कोर देखने को उत्सुक हैं। बता दें कि मौजूदा सीरीज के शुरुआती 3 मैचों में जिस तरह से दोनों टीमों ने बड़ा स्कोर बनाया था उसके मुकाबले रायपुर में छोटा स्कोर दिखा। अब यह तय करना है कि बेंगलुरु में गेंदबाज बरपाएंग कहर या बल्लेबाजों के बल्ले से रन खूब निकलेंगे। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम ने अभी तक 8 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी की है। इसके अलावा इस स्टेडियम में आईपीएल के मैच लगातार आयोजित होते रहे हैं। यहां का फ्लैट विकेट बल्लेबाजों के मुफीद रहा है। यहां छोटी बाउंड्री है। हालांकि हाल में जो मैच यहां खेले गए हैं उनमें हाई और लो स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिले हैं।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान टीमें आसानी से 300 पर पहुंची हैं। यहां चेज करने वाली टीम के 5 में जीत मिली है जबकि पहले बैटिंग करने वाली टीम 2 मैचों में विजयी रही है। यहां औसत स्कोर 139 का रहा है। ओस अहम रोल अदा करेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया 5वें टी20 वाले दिन शाम को आसमान में बादल छाए रहेंगे। एक्यूवेदर डॉट कॉम के मुताबिक अधिकतम तापमान 22 और 23 के बीच रहने का अनुमान है। आसमान में बादल छाए रहेंगे लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। ऐसे में दर्शकों को पूरे 20 ओवर का खेल देखने को मिलेगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 30 टी20 में आमना सामना हुआ है जहां भारत 18 वहीं ऑस्ट्रेलिया 11 मैचों में विजयी रहा है। एक मैच बेनतीजा रहा है। भारत पहले बैटिंग करते हुए 7 मैच जीता है जबकि ऑस्ट्रेलिया 4 मैचों में विजयी रहा है। चेज करते हुए टीम इंडिया 10 मैच जीती है जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम 6 जीत दर्ज हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने घर में 14 में से 9 टी20 जीते हैं जबकि 5 में हार मिली है।

रोनाल्डो को हार के बाद सुनने पड़े 'मेसी, मेसी के नारे

रियाद (एजेंसी)। फुटबॉल के बादशाह कहलाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर को सऊदी अरब फुटबॉल प्रो लीग में अल हिलाल के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद विजेता टीम के प्रशंसकों ने 'मेसी, मेसी के नारे लगाकर पुर्तगाल के इस सुपरस्टार पर ताने कस दिए।

दरअसल लियोनेल मेसी का इस मैच से कोई लेना-देना नहीं था लेकिन पिछले दो दशक से रोनाल्डो और उनके बीच फुटबॉल के मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है। इसकारण पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो जब मैदान से बाहर निकल रहे थे, तब अल हिलाल के प्रशंसक अर्जेंटीना के सुपरस्टार का नाम लेकर उन्हें चिढ़ा रहे थे। रोनाल्डो इस मैच में अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके, जबकि विजेता टीम की तरफ से अलेक्जेंडर मित्रोविच ने दो और सर्बिया के उनके साथी सर्गेज मिलिनकोविच सैविच ने एक गोल किया। रियाद की इन दो टीमों के बीच मुकाबले से पहले हालांकि प्रशंसक रोनाल्डो के समर्थन में नारे लगा रहे थे। इनमें से अधिकतर दर्शक रोनाल्डो की 7 नंबर की जर्सी पहनकर स्टेडियम में पहुंचे थे।

कीवियों को हरा, बांग्लादेश ने भारत को पछाड़...दूसरे नंबर पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 150 रन से रौंदकर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस जीत से मेजबान बांग्लादेश की टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट टेबल में खाता खुल गया है। बांग्लादेश की टीम भारत को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है, जबकि पाकिस्तान पहले नंबर पर मौजूद है। पिछले 23 महीने में बांग्लादेश की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में यह दूसरी जीत है। बांग्ला टाइगर्स ने अपने घर में पहली बार टेस्ट में कीवियों का शिकार किया।

मौजूदा सीजन में बांग्लादेश की टीम पहली बार टेस्ट खेलने उतरी थी। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पराजित कर पूरे 100 प्रतिशत अंक हासिल किए। जीत से उसे पूरे 12 अंक हासिल हुए। इस अंक के साथ बांग्लादेश की टीम भारत को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। भारतीय टीम ने सीजन में अभी तक दो टेस्ट मैच खेले हैं। विंडीज के खिलाफ टीम इंडिया ने एक टेस्ट ड्रॉ खेला था जबकि एक में उसे जीत मिली थी। 66.67 प्रतिशत और 16 प्वॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गया है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में रैंकिंग का निर्धारण जीत प्रतिशत के आधार पर होता है। इसकारण भारतीय टीम को बांग्लादेश ने पछाड़ दिया है। डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में पाकिस्तान की टीम पहले नंबर पर हैं। पाकिस्तान ने इस सीजन में अपने दोनों टैस्ट मैच जीते हैं। पाकिस्तान की टीम 24 अंक हैं और वह 100 प्रतिशत जीत अंक के साथ पहले नंबर पर हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ ने टी20 में तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड, पूरे किए 4 हाजर रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने टी20 में विराट कोहली का रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रायपुर में खेले गए चौथे टी20 मैच में 28 गेंदों पर 3 चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन की पारी खेली। भारत ने इस मुकाबले को 20 रन से अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की टी20 सीरीज पर भी कब्जा कर लिया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 7 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। 26 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने इस मैच में टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन भी पूरे कर लिए। गायकवाड़ टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 4 हजारी बनने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान विराट कोहली और केएल राहुल को भी पीछे छोड़ दिया। गायकवाड़ ने 116 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। केएल राहुल ने 117 जबकि विराट कोहली ने 138 पारियों में 4 हजार का आंकड़ा छूआ था।

टी20 क्रिकेट में ओवरऑल सबसे तेज 4000 रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में ऋतुराज गायकवाड़ न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे के साथ ज्वॉइंट रूप से चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में विंडीज के क्रिस गेल टॉप पर हैं। गेल ने यह कीर्तिमान 107 पारियों में बनाया था। गायकवाड़ से आगे शॉन मार्श और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम हैं। ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श ने 113 जबकि बाबर ने 115 पारियों में यह मुकाम हासिल किया। ऋतुराज गायकवाड़ के 121 टी20 मैचों में 4025 रन हो गए हैं। उन्होंने 18 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 490 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 123 रन रहा है।

आईपीएल के लिए रजिस्ट्रेशन में होड़, 25 प्लेयर्स ने बेस प्राइस रखी 2 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय आईपीएल ऑक्शन करीब आते ही खिलाड़ियों में रजिस्ट्रेशन की होड़ मच गई है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो आईपीएल 2024 के लिए 1166 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। इनमें 25 खिलाड़ी दो करोड़ की बेस प्राइस के साथ हैं। बताया जा रहा है कि संभवत:इनमें से 77 खिलाड़ियों की खरीदो फरोख्त होने की पूरी संभावना है। इन 1166 खिलाड़ियों में 830 भारतीय, 336 विदेशी प्लेयर्स हैं। इनमें 909 अनकैप्ड, 212 कैप्ड, 45 एसोसिएट खिलाड़ी शामिल हैं। इसके अलावा दो, डेढ़ और एक करोड़ के बेस प्राइस वाले प्लेयर्स की लिस्ट भी निकली हैं। विभिन्न देशों से 2 करोड़ बेस प्राइस वाले प्लेयर्स में भारत से हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, केदार जाधव हैं। वहीं इंगलैंड से हैरी ब्रूक, टॉम बैंटन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, डेविड विली, क्रिस वोक्स हैं। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया से पेट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, सीन एबॉट का नाम है। अफगानिस्तान से मुजीब उर रहमान व साऊथ अफ्रीका से जेरार्ड कोइट्जे, रिली रौसोव, रासी वेन दर दूसें शामिल हैं। दो करोड़ बेस प्राइज में ही न्यूजीलैंड के लॉकी फार्ग्यूसन, बांगलादेश के मुस्तिफिजुर रहमान तथा श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज लिस्ट में हैं। इसी तरह 1.5 करोड़ बेस प्राइस वाले स्टार खिलाड़ी में मोहम्मद नबी, हेनरिक्स, लिन, केन रिचर्डसन, सैम्स, वॉरॉल, सैम कुरेन, मर्चेंट डी लैंग, क्रिस जॉर्डन, दाविद मालन, मिल्स, फिल साल्ट, कोरी एंडरसन, कोलिन मुनरो, जिमी नीशम, टिम साउथी, इंग्राम, वानिंदु हसरंगा, जेसन होल्डर, रदरफोर्ड का नाम है। वहीं 1 करोड़ रुपए बेस प्राइस वाले खिलाड़ी की लिस्ट में एश्टन एगर, रिले मेरेडिथ, डीआर्सी शॉर्ट, एश्टन टर्नर, गस एटकिंसन, सैम बिलिंग्स, माइकल ब्रेसवेल, मार्टिन गुप्टिल, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रीटोरियस, अल्ज़ारी जोसेफ, रोवमैन पॉवेल, डेविड विसे हैं।

करोड़ों की कमाई कर रहा भारतीय टीम का ये राइजिंग स्टार

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने साल 2023 में शानदार बैटिंग की है। पिछले कुछ समय से गिल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में जमकर रन बना रहे हैं। आईपीएल में भी उन्होंने गुजरात टाइटंस की ओर से खेलकर पिछले सीजन में 800 से ज्यादा रन बनाए थे। गिल की इस प्रतिभा को देखकर गुजरात टाइटंस ने उन्हें टीम का कप्तान बनाया है। 5 साल पहले आईपीएल में डेब्यू करने वाले गिल वर्तमान में टीम के राइजिंग स्टार बन चुके हैं। गिल ने इस दौरान खूब कमाई की। उनकी नेटवर्थ करोड़ों में पहुंच चुकी है। 8 सितंबर 1999 में पंजाब में एक किसान परिवार में पैदा हुए गिल की एजुकेशन पंजाब में हुई है। गिल ने साल 2018 में आईपीएल में कदम रखा। इसके बाद से वह लगातार सफलता की सीढी चढ़ते गए। गिल की नेटवर्थ 32 करोड़ है। गिल हर महीने लगभग 66 लाख की कमाई करता है। गिल को बीसीसीआई का ग्रेड बी कॉन्ट्रेक्ट मिला हुआ है जिसमें क्रिकेटर को 3 करोड़ दिए जाते हैं। उन्हें गुजरात टाइटंस (गुजरात ने 8 करोड़ में अपने साथ जोड़ा है। एक टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने को 3 लाख मिलते हैं। वहीं टेस्ट के लिए 15 जबकि ए वनडे के लिए 6 लाख रुपये मिलते हैं। गिल कई ब्रैंड्स को एंडॉर्स करते हैं। वह टाटा कैपिटल, सीईएट, जिलेट, भारत पे, माई 11 सर्कल और बजाज एलायंज आदि के विज्ञापन करते हैं। गिल के पास सबसे महंगी कार रेंज रोवर एसयूवी है जिसकी कीमत लगभग 1 करोड़ से डेढ़ करोड़ के बीच में है। इसके अलावा उनके पास महिंद्रा थार है। उन्होंने करोड़ों रुपये रीयल स्टेट में निवेश किए हैं। वह पंजाब में आलीशान घर में रहते हैं। आईपीएल से 3 साल तक उनकी सालाना कमाई लगभग 2 करोड़ थी। साल 2022 में गिल ने जबरदस्त छलांग लगाई। गुजरात टाइटंस ने 8 करोड़ में उन्हें अपने साथ जोड़ा। गिल इस समय ब्रेक के तहत टीम इंडिया से बाहर हैं।

भारतीय कप्तान में ज्यादा नहीं अहं भाव : अश्विन

-हार्दिक पंडया को कप्तान बनाने को लेकर बोले स्पिनर

चेन्नई । अगर हार्दिक पंड्या को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया जाता है तो रोहित शर्मा पूरी शिष्टता के साथ इसे स्वीकार कर लेंगे क्योंकि भारतीय कप्तान में अहं भाव ज्यादा नहीं है। यह कहना है कि भारत के चोटी के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का। मालूम हो कि हार्दिक दो सत्र तक गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने के बाद हाल में फिर से मुंबई इंडियंस से जुड़े। उन्होंने 2015 में मुंबई की टीम की तरफ से ही आईपीएल में पदार्पण किया था। वह 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ गए थे और उन्होंने पहले सत्र में ही इस टीम को विजेता बनाया था। रोहित अभी मुंबई इंडियंस के कप्तान है लेकिन हार्दिक के टीम से जुड़ने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में पूछे जाने पर अश्विन ने कहा कि जिस दिन वह खेलने के लिए खुद को प्रेरित नहीं कर पाएंगे उस दिन इस खेल को अलविदा कह देंगे। उन्होंने कहा कि जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं खेलने के लिए खुद को प्रेरित नहीं कर पा रहा हूं। जिस दिन मुझे सुबह उठकर बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने को लेकर खीझ पैदा होगी। उस दिन मैं समझ जाऊंगा कि अब खेल खत्म हो चुका है। मैं तुरंत ही संन्यास ले लूंगा और सभी का आभार व्यक्त करके जिंदगी के अगले अध्याय की राह पकड़ लूंगा। अश्विन ने पूर्व क्रिकेटर एस बद्रीनाथ के साथ अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि रोहित शर्मा में ज्यादा अहंकार नहीं है। वह एक शानदार इंसान और बहुत अच्छा कप्तान है। (यदि हार्दिक को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया जाता है तो) वह इसे पूरी शिष्टता के साथ स्वीकार कर लेंगे।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम कुआलालंपुर के लिए रवाना, उपकप्तान को बेहतर प्रदर्शन का भरोसा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिए केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुई, जो 5-16 दिसंबर तक कुआलालंपुर में होगा। भारत टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में तीसरे/चौथे स्थान के मैच में फ्रांस से हारने के बाद चौथे स्थान पर रहा, जो 2021 में भारत के भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। भारत को पूल सी में स्पेन, कोरिया और कनाडा के साथ रखा गया है, जबकि मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को चिली, ऑस्ट्रेलिया और मेजबान मलेशिया के साथ पूल ए में रखा गया है। पूल बी में जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र को रखा गया है, जबकि पूल डी में नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 5 दिसंबर को कोरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। टीम का अगला मैच 7 दिसंबर को स्पेन से और पूल चरण का आखिरी मैच 9 दिसंबर को कनाडा से होगा। भारत को क्वार्टर-फाइनल में अपनी प्रविष्टि सुरक्षित करने के लिए पूल सी में शीर्ष दो में रहना होगा। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 से सफलतापूर्वक वापसी के प्रयास में कप्तान उत्तम सिंह को उप कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, पिछली बार हमें फ्रांस से तीसरे/चौथे स्थान का मैच हारने की कड़वी निराशा का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने वापसी की है और एक दूसरे के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। टीम पहले से कहीं अधिक मजबूत है। हमेशा की तरह, टीम मैच दर मैच जीत हासिल करेगी, हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करने और उम्मीद है कि भारत पदक वापस लाएगा।

उप कप्तान हुंदल ने कप्तान के विचारों पर सहमति जताकर कहा, पिछले विश्व कप के बाद से टीम काफी विकसित हुई है। हमने सुल्तान जोहोर कप 2022 और पुरुष जूनियर एशिया कप जीता और हाल ही में सुल्तान जोहोर कप 2023 में भी तीसरे स्थान पर रहे। इसकारण, हम जानते हैं कि हम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 जीतने में सक्षम हैं, यह समय आने पर अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की बात है। विश्व कप की तैयारी कर रही भारतीय टीम को अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण टीम संयोजन में बदलाव का सामना करना पड़ा। शारदानंद तिवारी, जो शुरू में 18 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे, को बीमारी के कारण हटना पड़ा और उनकी जगह सुखविंदर को लिया गया है। सुखविंदर के टीम में प्रवेश के परिणामस्वरूप योगेम्बर रावत को इस आयोजन के लिए प्रतिस्थापन एथलीट के रूप में जोड़ा गया है।

इंग्लैंड ए ने दूसरे टी20 मैच में भारत ए महिला टीम को 4 विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। इस्सी वोंग ने 15 गेंद में 35 रन की नाबाद पारी खेलते हुए भारत ए म?हिला टीम को 4 विकेट से हरा दिया है। इंग्लैंड महिला ए ने दूसरे मुकाबले में शुक्रवार को यहां तीन मैचों की टी20 श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया। भारत महिला ए के नौ विकेट पर 149 रन के जवाब में इंग्लैंड की पारी 15वें ओवर में पांचवां विकेट गिरने से लड़खड़ा गई थी लेकिन वोंग ने इसके बाद पांच चौके और एक छक्का जड़ित नाबाद पारी खेलकर सात गेंद शेष रहते टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने अपने आखिरी 23 रन सिर्फ सात गेंदों में बनाए। इंग्लैंड को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। वोंग ने काशवी गौतम के खिलाफ दो चौके और एक छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। हालां?कि श्रृंखला का निर्णायक मुकाबला तीन दिसंबर को खेला जाएगा। वोंग की ताबड़तोड़ पारी से पहले ग्रेस स्क्रिवेन्स ने सर्वाधिक 39 रन बनाने के अलावा माइया बाउचर के साथ पहले विकेट के लिए 38 की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। वहीं बाउचर ने 27 रन की आक्रामक पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें भारत की कप्तान मिन्नू मणि (29 रन पर दो विकेट) ने आउट कर दिया। श्रेयंका पाटिल ने इसके बाद शानदार लय में चल रही होली अमितेज (13) को बोल्ड किया। मिन्नू ने इसके बाद स्क्रिवेन्स की 34 गेंद की पारी को खत्म कर टीम को तीसरी सफलता दिलायी।

ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में वापसी करेंगे राफेल नडाल

मैड्रिड । स्पेनिश स्टार राफेल नडाल ने शुक्रवार को कहा कि वह जनवरी में आस्ट्रेलिया में होने वाले ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल जनवरी के बाद से टूर पर नहीं खेले हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट एक वीडियो में कहा कि एक साल तक टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा नहीं करने के बाद अब वापसी का समय। उन्होंने कहा कि वापसी जनवरी के पहले हफ्ते में ब्रिसबेन में होगी। मिलता हूं। वह आस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में मिली हार के दौरान कूल्हे में चोट लगा बैठे थे। मई में फ्रेंच ओपन के शुरू होने से पहले नडाल ने घोषणा की थी कि वह टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे जिसे वह रिकॉर्ड 14 बार जीत चुके हैं। उन्होंने कहा था कि उन्हें नहीं पता कि वह कब वापसी करेंगे। उन्होंने तब कहा था कि उन्हें 2024 में खेलने की उम्मीद है जो उनका अंतिम सत्र हो सकता है। उन्होंने उस समय एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था- आपको नहीं पता कि चीजें कैसी रहती हैं। लेकिन मेरी इच्छा है कि अगला साल मेरे करियर का अंतिम वर्ष होगा। जून में बार्सिलोना में उनकी 'आर्थोस्कोपिक' सर्जरी हुई थी।

शमी को लेकर बीसीसीआई ने कहा, अभी फिटनेस पर काम कर रहे

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित हो चुकी है। हैरान करने वाली बात ये है कि मोहम्मद शमी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं है। इस पर बीसीसीआई ने बताया है कि शमी अभी मेडिकल ट्रीटमेंट ले रहे हैं। वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उनकी वापसी इसके बाद होगी। बता दें कि शमी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। जिसमें अभी काफी दिन बचे हैं। तब तक शमी पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट होने हैं। पहला टेस्ट 26 दिसंबर से वहीं दूसरा टेस्ट अगले साल 3 जनवरी से खेला जाना है। शमी ने वर्ल्ड कप के इतिहास में वह 50 विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। उनके ओवरऑल वनडे करियर की बात करें, तब शमी अब तक 101 मैच में 24 की औसत से 195 विकेट ले चुके हैं। 10 बार 4 और 5 बार 5 विकेट लिया है। वे टेस्ट में 229 और टी20 इंटरनेशनल में 24 विकेट झटक चुके हैं। वर्ल्ड कप में उन्होंने 7 मैचों में 24 विकेट लिए थे। औसत सिर्फ 10 का रहा था।

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मो.शमी*, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा।

युवा बल्लेबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन से चयनकर्ता परेशानी में, कौन बनेगा टीम की ओपनिंग जोड़ी

-टी20 वर्ल्ड कप में 6 महीने का समय

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड कप मिशन फेल होने के बाद टी20 वर्ल्ड कप के लिए रोडमैप तैयार करने में जुट चुकी है। टूर्नामेंट के लिए कई युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन से अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। मेगा इवेंट में महज 6 माह और 8 मैच बाकी है। लेकिन इसके पहले चयनकर्ताओं को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। टी20 वर्ल्ड कप के लिए ओपनिंग का पेंच फंस चुका है। लिस्ट में पहला नाम टीम इंडिया के युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल का है। अगस्त 2023 में अपना टी20 डेब्यू करने वाले जायसवाल ने हर किसी को अपनी बल्लेबाजी का दीवाना बनाया है। जायसवाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में पहली ही गेंद से प्रहार करते नजर आए। उनकी आक्रामक शुरुआत उन्हें टॉप ओपनर्स की लिस्ट में सबसे आगे खड़ा कर देती है।

जायसवाल अभी तक टी20 की 10 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक के दम पर 312 रन बना चुके हैं। टी20 वर्ल्ड कप के बाद से सभी टी20 मुकाबलों में 132 बल्लेबाजों ओपनिंग की जिसमें, पहली दस गेंदों में 167.51 का स्ट्राइक रेट जायसवाल का दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। इस रेस में भारतीय विकेटकीपर ईशान किशन का भी नाम है। ओपनर के तौर पर ईशान किशन टी20 में बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकते हैं। विकेटकीपर के तौर पर टी20 फॉर्मेट में ईशान के प्रतिस्पर्धा में अभी कोई भी बैटर नजर नहीं आ रहा। संजू सैमसन योजना के बाहर हैं, ऋषभ पंत की वापसी को लेकर संशय है। जब तक चयनकर्ता केएल राहुल को वापस नहीं लाते तब तक ईशान बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। ईशान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए भी लगातार 2 फिफ्टी ठोकी। तीसरा नाम ऋतुराज गायकवाड़ का है, जिन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में धुआंधार शतक से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने स्पिन के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी की है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद स्पिनर्स के खिलाफ उन्होंने 47.37 के औसत और 166.22 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। अभी गायकवाड़ के पास कई मौके हैं, यदि वह अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हैं, तब निश्चित तौर पर सेलेक्टर्स को माथापच्ची करनी पड़ सकती है।

लिस्ट में कप्तान रोहित शर्मा का भी नाम है। भले ही टी20 वर्ल्ड 2022 के बाद हार्दिक पंड्या ने छोटे प्रारूप में टीम की कमान संभाली हो, लेकिन आगामी टूर्नामेंट के लिए रोहित की कप्तानी की रेस में कोई नहीं है। हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर संशय बना हुआ है और टी20 वर्ल्ड कप में हिटमैन की कप्तानी के चर्चे चारों तरफ हैं। रोहित ने बड़े मंच पर अपनी बल्लेबाजी का असली रूप दिखाया। टीम इंडिया की तरफ से तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल भी इस लिस्ट में हैं। 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद गिल ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम इंडिया में अपना पैर जमा रखा है। गिल आईपीएल 2023 में टॉप रन स्कोर रहे, उन्होंने 3 शतक और 4 अर्धशतक के दम पर 890 रनों का अंबार खड़ा कर दिया था।

इमरान हाशमी ने किया खुलासा, घंटों किया था ऐश्वर्या की वैन के बाहर इंतजार

इमरान हाशमी इन दिनों अपनी फिल्म टाइगर 3 को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्होंने खलनायक के रूप में दर्शकों को खासा प्रभावित करने में सफलता प्राप्त की है। एक तरफ जहाँ सलमान और कैटरीना कैफ के दमदार एक्शन वाले दृश्यों और कथानक को दर्शक पसन्द कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर इमरान हाशमी के अभिनय की भी तारीफ हो रही है। इस फिल्म में आईएसआई एजेंट आतिश का किरदार निभाकर इमरान हाशमी ने अपनी रोमांटिक हीरो की छवि को तोड़ दिया है।

ऐसे में इमरान हाशमी लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया है कि वह ऐश्वर्या राय के बहुत बड़े फैन हैं। एक बार तो वह उनकी एक झलक पाने के लिए घंटों उनकी वैनिटी के बाहर खड़े रहे थे। यह उन दिनों की बात है, जब इमरान फिल्मों में हीरो नहीं बल्कि असिस्टेंट डायरेक्टर हुआ करते थे।

दरअसल इमरान हाशमी ने कनेक्ट एफएम कनाडा से बातचीत करते हुए बताया कि हमेशा से मैं ऐश्वर्या राय का फैन रहा हूं। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं किया था। जब मैं अपने कजन मोहित सूरी के साथ असिस्टेंट डायरेक्टर था, तो मैं उनकी वैन के बाहर इंतजार करता था। उस समय वह भी एक असिस्टेंट थे। मैंने कम से कम डेढ़ घंटे तक इंतजार किया। मैंने पहले ऐसा नहीं किया था। यह बहुत ही अजीब था। हम 'राज़' में असिस्ट कर रहे थे, लेकिन उससे पहले मैंने उनकी फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' देखी थी और मैं तभी से उनका बहुत बड़ा फैन था। मैं बस उनकी एक झलक पाना चाहता था,

जिसके लिए मैंने इंतजार किया। वहीं इमरान हाशमी ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में ऐश्वर्या राय को लेकर कमेंट किया था। उन्होंने एक्ट्रेस को 'प्लास्टिक' बोल दिया था। एक्ट्रेस के इस बयान पर खूब बवाल मचा था। वहीं अब इस पर रिएक्ट करते हुए इमरान ने कहा कि 'मेरा यह मतलब नहीं था। मैं ऐश्वर्या का बहुत बड़ा फैन हूं। यह शो का कॉन्सेप्ट है। मैं कुछ नहीं कह सकता और हैंपर नहीं जीत सकता। मैं

हमेशा से उनके काम का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। मैं जानता था कि लोग इसका खूब फायदा उठाएंगे। तो क्या हुआ? लोग हर समय बकवास को बड़ा मुद्दा बना देते हैं। वहीं जूम के साथ इंटरव्यू के दौरान बताया था कि 'उस विवादित बयान के बाद मैंने इंडस्ट्री में कई दुश्मन बना लिए थे। उस इंसीडेंट के बाद से मैंने चैट शो में जाना छोड़ दिया है। क्योंकि ये सब हैंडल करना बहुत मुश्किल हो जाता है।

सलमान को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने फिर दी धमकी

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की तरफ से एक बार फिर सलमान खान को धमकी मिली है, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने उनकी सिक्योरिटी बढ़ा दी है। अब 'टाइगर 3' स्टार वाय प्लस सुरक्षा में रहेंगे। मुंबई पुलिस ने एक्टर से सतर्क रहने के लिए भी कहा है। ज्ञातव्य है कि कुछ दिन पहले ही पंजाबी सिंगर/एक्टर गिप्पी ग्रेवाल के कनाडा वाले घर के बाहर फायरिंग हुई थी। एक फेसबुक पोस्ट में पता चला है कि इस फायरिंग के पीछे लॉरेंस बिश्नोई का हाथ है। बिश्नोई ने खुद इसकी जिम्मेदारी ली है। रिपोर्ट्स की मानें तो ये फेसबुक अकाउंट विदेश से चलाया जा रहा है। उस पोस्ट में लिखा था, तुम सलमान खान को भाई मानते हो, लेकिन अब समय आ गया है कि आपका भाई आए और आपको बचाए। ये मैसेज सलमान खान के लिए भी है। इस गलतफहमी में न रहें कि दाऊद तुम्हें बचाएगा। तुम्हें कोई बचा नहीं सकता। सिद्धू मूसेवाला की मौत पर तुम्हारे ड्रामे वाले रिएक्शन पर किसी का ध्यान नहीं गया, हम सभी जानते हैं कि वो किस तरह का इंसान था और उसके कैसे क्रिमिनल कॉन्टैक्ट थे। तुम अब हमारे रडार पर आ गए हो इसे एक ट्रेलर समझ लो, पूरी फिल्म जल्द ही रिलीज होगी। जिस देश में चाहो भाग जाओ, लेकिन याद रखो, मौत के लिए वीजा की जरूरत नहीं होती; ये बिन बुलाए आती है। गिप्पी ग्रेवाल के घर के बाहर हुई फायरिंग के बाद इस फेसबुक पोस्ट ने सनसनी मचा दी है।

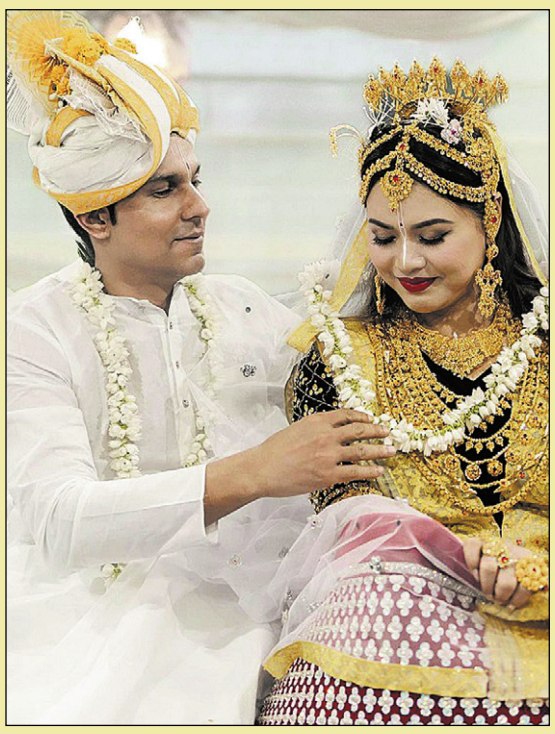

लिन लैशराम संग शादी के बंधन में बंधे रणदीप

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम आखिरकार शादी के बंधन में बंध गए। रणदीप हुड्डा ने 29 नवंबर को लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड लिन लैशराम संग मणिपुर के इंफाल में पारंपरिक मैतेई विवाह समारोह में शादी की। कपल ने परिवार और कुछ खास दोस्तों के बीच मणिपुरी रीति-रिवाज से सात फेरे लिए। शादी की कई तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। वहीं अब खुद एक्टर ने अपनी वेडिंग की प्यारी तस्वीरें शेयर कर तमाम रस्मों की झलक दिखाई है। अपने इस खास दिन के लिए कपल ने मणिपुर

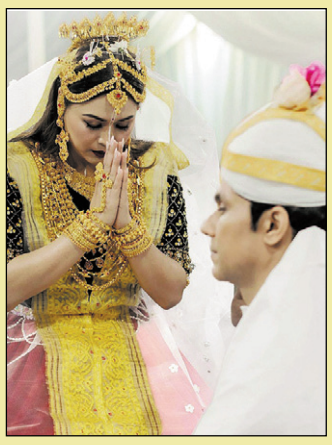

ट्रेडिशनल आउटफिट पेयर की। दुल्हे रणदीप व्हाइट कलर के पारंपरिक आउफिट में बेहद डैशिंग लग रहे हैं। रणदीप ने पारंपरिक आउटफिट में पोशाक में पुण्यात (कुर्ता), फीजोम (धोती), इन्नाफी (ऊपरी हिस्से के चारों ओर लपेटा जाने वाला कपड़ा) कहते हैं। वहीं दुल्हन लिन की बात करें तो उन्होंने अपनी शादी के समारोह के लिए पारंपरिक रासलीला पोशाक पहनी है। राधा और कृष्ण के प्रबल अनुयायी होने के नाते, ये ड्रेस जैसी ड्रेस मणिपुरी दुल्हन की पोशाक है जिसे पोटलोई कहा जाता है। ये मोटे कपड़े और बैंबू से बनी होती है।एक सिलैंड्रिकल स्कर्ट बनी होती है, जिसे साटिन के कपड़े से सजाया जाता है।

इस कपड़े पर मिरर और ग्लिटर से काम हुआ। दुल्हन बनीं लिन बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने इसे गोल्डन एम्ब्रॉयडर्ड वाले ब्लैक कलर के ब्लाउज और एक व्हाइट कलर दुपट्टे के साथ जोड़ा था, जिसे उनके बालों के जूड़े के साथ पिन किया गया था।हालांकि, उनके पूरे ब्राइडल लुक का शो बेहद सुंदर ज्वेलरी थी। हर तरह से एक राजकुमारी की तरह दिखने वाली लिन ने मल्टीपल लेयर्ड नेकपीस, चूड़ियां, कड़ा, हाथफूल, लेयर्ड टियारा, हैवी इयररिंग्स, मांग-टीका और एक मुकुट चुना था। सटल बेस मेकअप और मैरून लिप शेड ने उनके लुक में चार-चांद लगा दिए थे। तस्वीरो में रणदीप

और लिन की शादी में निभाई गई रस्मों की झलक मिली है। रणदीप अपनी दुल्हन लिन का किसी रस्म के तहत हाथ पकड़े हुए नजर आ रहे हैं और उनके हाथों के ऊपर फलों से सजी टोकरी रखी है। अपनी शादी की तस्वीरों को शेयर करते हुए रणदीप ने लिखा- आज से हम एक हो गए। जस्ट मैरिड। बता दें कि कहा जा रहा है कि रणदीप और लिन वापस हरियाणा लौटकर ग्रैंड रिसेप्शन देंगे हालांकि, दोनों की ओर से सिर्फ शादी का इन्विटेशन सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था। इसके अलावा रिसेप्शन को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

कपड़ों को एक बार पहनने में विश्वास न करें: सोनम कपूर

सोनम कपूर ने बताया कि क्यों लोगों को दोबारा इस्तेमाल करने, दोबारा दोबारा पहनने की आवश्यकता के बारे में सचेत रहने की आवश्यकता है। ग्लोबल फैशन आइकन और बॉलीवुड स्टार सोनम कपूर का भारतीय फैशन परिदृश्य और पॉप संस्कृति पर प्रभाव निर्विवाद है। सोनम, अपनी अविश्वसनीय स्टाइलिंग समझ के माध्यम से, दुनिया में भारत की फैशन एंबेसडर हैं। सोनम वैश्विक स्तर पर फैशन की सबसे प्रभावशाली आवाज़ों में से एक हैं और भारत में एक लक्जरी ब्रांड की इक्विटी पर उनका अविश्वसनीय प्रभाव है। भारत का फैशन फेस है, सोनम चाहती हैं कि लोग ऐसे कपड़े खरीदने में निवेश करें जिन्हें सालों तक दोबारा पहना जा सके और वह यह भी चाहती हैं कि लोग विंटेज के विचार को अपनाएं। वह चाहती हैं कि लोग पुन-उपयोग, दोहराने और दोबारा पहनने की आवश्यकता के बारे में जागरूक हों। वह कहती हैं, मेरे लिए, लंबे समय तक चलने वाला उत्पाद रखना लक्ज़री है। पुराने समय में, मेरी माँ और दादी महंगी साड़ियों को मलमल के कपड़े में सुरक्षित रखती थीं, मास्टरजी (दर्जी) माप के हिसाब से पोशाकें बनाते थे, जूतियाँ (जूते) हमारे पैरों में फिट होने के लिए बनाई जाती थीं। मैं भी वही कर रही हूं। वह आगे कहती हैं, तो, आप देखिए, मैं पर्सनलाइजेशन और हस्तनिर्मित वस्तुओं के मूल्य की सराहना करते हुए बड़ी हुई हूं। मेरे लिए यह सच्ची लक्ज़री है। मैं जानबूझकर ऐसी वस्तुएं खरीदता हूं जो स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई जाती हैं, पुरानी होती हैं और दोबारा बेची भी जाती हैं। सोनम आगे कहती हैं, मैंने ऐसी कोई चीज़ नहीं खरीदी जिसे मैंने कई बार न पहना हो। मेरे लिए, जो कुछ भी मैं खरीदता हूं वह कई वर्षों तक पहनने योग्य होना चाहिए। मैं इसे एक बार पहनने और फिर वापस करने में विश्वास नहीं रखती, जब तक कि मैं किसी कार्यक्रम के लिए पोशाक उधार नहीं ले रही हूं। काम के मोर्चे पर सोनम के पास दो टेंट पोल प्रोजेक्ट हैं, जिनमें से एक बैटल फॉर बिटोरा है। अन्य प्रोजेक्ट का विवरण गुप्त रखा गया है।

सैम बहादुर में इंदिरा गांधी की भूमिका निभाने को लेकर नर्वस थीं फातिमा सना शेख

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। हर कोई इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। यह फिल्म देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और इंडियन आर्मी के शौर्य को समर्पित है। फिल्म में विक्की टाइटलर किरदार में नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म में फातिमा सना शेख पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आने वाली हैं। फातिमा सना शेख ने कहा, जब मुझे इंदिरा गांधी का रोल मिला तो मैं नर्वस थी। मुझे नहीं पता था कि मैं इसे कर भी पाऊंगी या नहीं। इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व मेरे लिए बहुत बड़ा था। फातिमा ने कहा, जब मैंने मेघना को इस बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि मुझ पर भरोसा रखो। मुझे खुद पर भरोसा नहीं था, लेकिन उन्होंने किया। उन्होंने इंदिरा गांधी से जुड़ी सारी शोध सामग्री मुझे दे दी। इस फिल्म में इंदिरा गांधी का लुक लेने के लिए मेकअप आर्टिस्ट ने मेरे चेहरे की स्वाभाविक चीजों को ही आवश्यकतानुसार ढाला है। फिल्म सैम बहादुर को आरएसवीपी मूवीज़ के बैनर तले रॉनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा, नीरज काबी, एडवर्ड सोनेनब्लिक और जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिका में हैं। सैम बहादुर 1 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

जिस क्रिकेटर से था प्यार, उसने किसी और से कर ली शादी, सच्चे प्यार के बावजूद अकेली रह गई ईशा शरवानी

जानिए अब एक्ट्रेस ईशा शरवानी कहां हैं और क्या काम कर रही हैं। ईशा शरवानी ने फिल्म किसना से बॉलीवुड डेब्यू किया था। उन्होंने कई और फिल्मों में काम किया, पर फ्लॉप ही रहीं। अब वह एक बेटे की मां भी हैं। एक्ट्रेस ईशा शरवानी याद हैं? सुभाष घई की फिल्म किसना से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं ईशा ने अपनी एक्टिंग और डांस के हुनर से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया था। भले ही किसना नहीं चली, पर इसमें ईशा शरवानी को नोटिस किया गया था। हालांकि ईशा फिर भी फिल्मों में नहीं चल पाईं। लेकिन डांस में पारंगत ईशा शरवानी 22 से अधिक देशों में परफॉर्म कर चुकी हैं। ईशा शरवानी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रही थीं। उनका क्रिकेटर जहीर खान के साथ रिलेशनशिप रहा। पर आज ईशा शरवानी सिंगल लाइफ जी रही हैं और एक बच्चे की मां हैं। ईशा शरवानी ने किसना से बॉलीवुड डेब्यू करने के बाद ढेर सारी फिल्मों में काम किया, पर उन्हें मनचाही सफलता नहीं मिली। उनके खाते में एक भी हिट फिल्म दर्ज नहीं हुई।

सुशांत सिंह राजपूत के साथ थी पिछली फिल्म: साल 2005 में एक्टिंग डेब्यू करने के बाद वह 2017 तक फिल्मों में डटी रहीं, पर कामयाबी नहीं मिली। ईशा शरवानी 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म दिल बेचारा में गेस्ट अपीयरेंस में नजर आई थीं। 2017 के बाद से उन्होंने एक्टिंग की दुनिया से दूरी बना ली।

22 देशों में परफॉर्म कर चुकी हैं ईशा शरवानी: ईशा शरवानी एक कमाल की डांसर हैं। करीब 22 देशों में परफॉर्म कर चुकी हैं। वह सात साल की उम्र से ही डांस करती आ रही हैं। ईशा का जन्म कलाकारों के परिवार में हुआ। उनके पिता एक म्यूजिक कंपोजर हैं। पर ईशा हमेशा से ही एक डॉक्टर बनना चाहती थीं। पर जब उन्होंने इस प्रोफेशन में मुश्किलें देखीं, तो इरादा बदल दिया।

कि के ट र जहीर खान से प्यार, 8 साल तक किया डेट: ईशा शरवानी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहीं। उनका क्रिकेटर जहीर खान के साथ रिलेशनशिप रहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने एक-दूसरे को 8 साल तक डेट किया था।

ब्रेकअप के बाद जहीर खान की सागरिका घाटगे से शादी: ईशा शरवानी और जहीर खान का शादी करने का भी इरादा था, पर 2012 में उनका ब्रेकअप हो गया। कुछ समय बाद जहीर खान ने एक्ट्रेस सागरिका घाटगे से शादी कर ली।

एक बेटे की मां हैं ईशा शरवानी: ईशा शरवानी अब डांस पर ध्यान दे रही हैं और सिंगल मदर हैं। उनके बेटे के नाम लूका है। लेकिन उन्होंने शादी की या नहीं, इस बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

कपिल शर्मा ने इंडिगो फ्लाइट पर निकाली भड़ास तो लोगो ने लगा दी इनकी ही क्लास

कपिल शर्मा एक बार फिर से ट्विटर पर हाजिर हैं। उन्होंने एकसाथ की पोस्ट किए हैं और इंडिगो के उस विमान के लिए एयरलाइन को लताड़ लगाई है जिसकी वजह से 180 यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि, लोग उल्टा कपिल शर्मा को उनके शो पर होनेवाले वाकिये बता रहे हैं, जिससे लोगों को परेशानी होती है।

-कपिल शर्मा ने इंडिगो फ्लाइट देर होने पर ट्वीट

एक बार फिर से मशहूर कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा अपने ट्वीट को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने पोस्ट के जरिए इंडिगो फ्लाइट पर अपनी भड़ास निकाली है, जिसकी वजह से इस फ्लाइट में सफर कर रहे यात्रियों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा है। कपिल शर्मा ने मौके के कुछ वीडियोज़ भी शेयर किए हैं जिसमें परेशान यात्रियों की भीड़ के साथ बेबस और लाचार एयरपोर्ट अधिकारी भी नजर आ रहे हैं। इस फ्लाइट के यात्रियों को घंटों इंतजार करवाया गया है, जिसे लेकर कॉमेडियन भड़क उठे। कपिल शर्मा ने एयरपोर्ट से कुछ वीडियोज़ भी शेयर किए, जिसमें साफ दिख रहा है कि यात्री कितने परेशान हैं।

-कपिल शर्मा ने कहा- ये 180 यात्री फिर से इंडिगो में फिर कभी उड़ान नहीं भरेंगे

कपिल शर्मा ने ङ्क पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, डियर इंडिगो, पहले आपने हमें 50 मिनट तक बस में इंतजार कराया और अब आपकी टीम कह रही है कि पायलट ट्रैफिक में फंस गया है। क्या? सच में? हमें 8 बजे टेकऑफ करना था, लेकिन अब 9 बजकर 20 मिनट हो गए हैं। अब तक कॉकपिट में कोई पायलट मौजूद नहीं है, क्या आपको लगता है कि ये 180 यात्री फिर से इंडिगो में उड़ान भरेंगे? कभी भी नहीं।

-कपिल शर्मा बोले- इन्हें दूसरी फ्लाइट में किया जा रहा शिफ्ट

इसके अलावा अगले ट्वीट में उन्होंने फ्लाइट से उतरने वाले यात्रियों का वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्हें दूसरी फ्लाइट में शिफ्ट किया जा रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए कपिल शर्मा ने लिखा है, अब वे सभी यात्रियों को उतार रहे हैं और कह रहे हैं कि हम आपको दूसरी फ्लाइट से भेजेंगे, लेकिन फिर से हमें सिक्योरिटी चेक के लिए टर्मिनल पर वापस जाना होगा।

-लोगों की भीड़ एयरपोर्ट अथॉरिटी से कर रही सवाल

इसके अलावा एक वीडियो में सभी परेशान यात्री एयरपोर्ट पर दिख रहे हैं, जहां वे एयरपोर्ट अथॉरिटी से सवाल करते नजर आ रहे हैं। कपिल ने लिखा है, लोग आपकी वजह से परेशान हैं इंडिगो। वील चेयर पर कुछ बुजुर्ग हैं, जिनकी हेल्थ बहुत अच्छी नहीं है। आपको शर्म आनी चाहिए।

-लोगों ने कहा- आपके शो पर लोगों को ज्यादा देर वॉशरूम यूज करने की इजाजत नहीं

हालांकि, यहां कुछ लोगों ने कपिल शर्मा पर ही पलटवार कर डाला है। एक ने कहा- कपिल जी, आपके शो की शूटिंग के दौरान लोगों को ज्यादा देर तक वॉशरूम इस्तेमाल करने की भी इजाजत नहीं है। कृपया शांत हो जाएं और स्थिति को बहुत अधिक तूल देने से बचें। कभी-कभी भारत का एक आम नागरिक होना और उनकी तरह रोजाना मुश्किलों का सामना मानवीय होता है। चिल रहिए।

-यूजर कपिल शर्मा से बोले- आप नए अमीरों की तरह व्यवहार कर रहे

एक अन्य ने कहा, आप एक सुपरस्टार हैं। लोग उदाहरण देकर आपको फॉलो करते हैं। इसलिए, विपरीत परिस्थितियों में अपना बेस्ट साइड दिखाएं। आप नए अमीरों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। मैच्योर बनिए, आप हर जगह वैसा ही नहीं कर सकते जैसा आप कॉमेडी नाइट्स में करते हैं। ध्यान रखिए, गुड नाइट।